THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.12 2082 रविवार, 8 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

## श्रीनगर में जामा मस्जिद लगातार 7वें साल बंद

श्रीनगर, 7 जून (एजेंसियां)। देशभर में आज ईद-उल-अजहा यानी बकरीद मनाई जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में भी लोगों ने मस्जिदों में नमाज अदा की। हालांकि, श्रीनगर की जामा मस्जिद लगातार सातवें साल ईद-उल-अजहा पर बंद रही। 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद सुरक्षा कारणों से जामा मस्जिद पर ताला लगा है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे जामा मस्जिद बंद रखने के फैसले का आधार नहीं पता, लेकिन हमें अपने लोगों पर भरोसा करना सीखना होगा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने पहलगाम हमले का विरोध किया था।

# 'आपदाएं भारी नुकसान पहुंचा रहीं'

### वैश्विक सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आपदा रोधी अवसंरचना 2025 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'यह सम्मेलन पहली बार यूरोप में हो रहा है।

मैं फ्रांस के राष्ट्रपति और फ्रांस की सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। साथ ही मैं आगामी संयुक्त राष्ट्र समुद्री सम्मेलन के लिए भी अपनी शुभकामनाएं देता हूं।'

**'छोटे समुद्री देशों पर ध्यान देने की जरूरत'**

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मुझे खुशी है कि अफ्रीकी संघ भी आपदा रोधी अवसंरचना सम्मेलन में शामिल हुआ है। हमें ऐसे कार्यक्रम डिजाइन करने चाहिए, जिन पर कार्रवाई हो सके और यह विकासशील देशों को वित्तीय मदद मिलना सुनिश्चित हो सके। छोटे समुद्री देशों पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। चेतावनी सिस्टम को मजबूत करने और समन्वय स्थापित करना अहम है। इससे समय पर फैसले लेने में मदद मिलेगी। मुझे उम्मीद है कि सम्मेलन में इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी।' पीएम मोदी ने कहा कि 'तटीय इलाके और द्वीप प्राकृतिक आपदा के लिए बेहद संवेदनशील हैं। दुनियाभर में हाल के दिनों में टाइफून और चक्रवाती तूफान आए हैं। इनमें भारत और बांग्लादेश के चक्रवाती तूफान, कैरेबियाई देशों में तूफान, दक्षिण पूर्व एशिया में आया टाइफून यागी, अमेरिका में आया तूफान हेलेन और फिलीपिंस और पेराग्वे के चक्रवाती तूफान शामिल हैं। ऐसी आपदाएं जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाती हैं।'

**'बढ़ता तापमान वैश्विक खतरा'**

प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने जिनेवा में बढ़ते तापमान के खतरों पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि बढ़ता तापमान एक वैश्विक संकट बन गया है और इससे निपटने के लिए तुरंत कदम उठाने जरूरी हैं। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पीके मिश्रा ने कहा कि लगातार बढ़ रहा तापमान सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

इससे आर्थिक स्थिरता, पर्यावरण रोधी व्यवस्था पर संकट बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के यूएनडीआरआर द्वारा शुरू की गई पहल कॉमन फ्रेमवर्क फॉर एक्सट्रीम हीट रिस्क गवर्नेंस को बेहतर बनाने और इस पर दिशा-निर्देश, सहयोग और एक दूसरे से सीख लेने की पहल का स्वागत किया।

## सोनिया गांधी की अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गयी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने मीडिया से इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें 'मामूली समस्याओं' के कारण नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल लाया गया था।

# सिंधु जल संधि-पाकिस्तान ने भारत को 4 लेटर भेजे

### पानी देने की गुहार लगाई, एक चिट्ठी ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी भेजी थी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारत ने एक महीने पहले बगलिहार और सलाल डैम के गेट बंद कर दिए थे। इसका असर पाकिस्तान में चिनाब के जलस्तर पर पड़ रहा है। सिंधु जल संधि बहाल करने को लेकर पाकिस्तान ने अब तक भारत को चार लेटर भेजे हैं। सूत्रों के हवाले से लिखा कि इन चार लेटर में से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजा गया है। सूत्रों ने बताया कि ये चार पत्र पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने जल शक्ति मंत्रालय को भेजे थे। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेज दिया।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 में पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके तहत सिंधु वाटर सिस्टम की 3 पूर्वी नदियों का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता है और बाकी 3 पश्चिमी नदियों के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया था। अब जल संधि स्थगित होने से पाकिस्तान में जल संकट मंडराने लगा है।

# बीजेपी ने महाराष्ट्र में चोरी से चुनाव जीता : राहुल

### > अब बिहार में मैच फिक्सिंग की तैयारी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नवंबर 2024 में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पर सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई थी, जिसमें पहले से भाजपा की जीत तय करने की पूरी कोशिश की गई। राहुल गांधी ने शनिवार को एक लेख में कहा, 'भाजपा और उसके सहयोगियों ने चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी।' उन्होंने ये भी कहा कि महाराष्ट्र की तरह ही मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो।'

भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को शर्मनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कहा, 'राहुल फिर से देश की संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने इन मुद्दों पर पहले भी साफ-साफ जवाब दिया है।'

इलेक्शन कमीशन ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया। आयोग ने कहा, 'चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं।' '24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।'

राहुल ने कहा, 'यह समझना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी बौखलाहट में क्यों थी, लेकिन हेराफेरी करना मैच फिक्सिंग जैसा है। जो टीम धोखा देती है वो भले ही जीत जाए, लेकिन इससे संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का चुनावी नतीजों पर भरोसा खत्म हो जाता है। हर जिम्मेदार भारतीय को इन सबूतों को देखना चाहिए, खुद निर्णय करना चाहिए और सवाल पूछने चाहिए। मैच फिक्स करके हुए चुनाव किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर है। 'मैं किसी छोटे-मोटे चुनावी गड़बड़ी की बात नहीं कर रहा, बल्कि ऐसे धांधलेबाजी की बात कर रहा हूं जो बड़े स्तर पर की गई और जिसमें देश की अहम संस्थाओं को कब्जे में लेने की कोशिश की गई।'

राहुल ने पहला आरोप 2023 में भाजपा सरकार की तरफ से लाए गए 'चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून' को लेकर लगाया। इस कानून के जरिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली कमेटी में सीजेआई की जगह एक केंद्रीय मंत्री को बैठाया गया। इससे निष्पक्षता खत्म हो गई और पूरा कंट्रोल सरकार के हाथ में चला गया।

'मुख्य न्यायाधीश को हटाकर कैबिनेट मंत्री को लाना ठीक नहीं लगता। सोचिए, कोई किसी निष्पक्ष व्यक्ति को हटाकर अपने आदमी को क्यों लाना चाहेगा? इसका जवाब अपने आप मिल जाता है।'

# सत्यपाल मलिक अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

### > जिस करप्शन की जानकारी मैंने पीएम को दी, उसी में मुझे फंसाया जा रहा

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल होने के 15 दिन बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने चुप्पी तोड़ी। मलिक 11 मई से दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने शनिवार को एक्स पर पोस्ट के जरिए भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन किया। कहा 'मैं पिछले लगभग एक महीने से अस्पताल में भर्ती हूं और किडनी की समस्या से जूझ रहा हूं।' उन्होंने बताया, 'परसों सुबह से मैं ठीक था लेकिन आज फिर से मुझे आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा। मेरी हालत बहुत गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं। अगर आज मेरे पास दौलत होती तो मैं प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवाता। जिस मामले में मुझे फंसाना चाहते हैं, उस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था, मैंने खुद प्रधानमंत्री को बताया था।' सीबीआई ने 22 मई को सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी का आरोप है। जब मैं गवर्नर था तो उस समय मुझे 150 करोड़ रुपए की रिश्वत की पेशकश हुई थी। अपने राजनीतिक गुरु किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह जी की तरह मैं ईमानदारी से काम करता रहा।

# बीजापुर में 7 नक्सली ढेर, जवानों को सांप ने काटा

### > टॉप कमांडर सुधाकर-भास्कर भी मारा गया > 3 दिन में 2 महिला और 5 पुरुष नक्सलियों का एनकाउंटर

बीजापुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र में शनिवार को जवानों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके पहले सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना कमेटी का सदस्य भास्कर मारा गया था। फोर्स के मुताबिक मारे गए सुधाकर पर 1 करोड़ और भास्कर पर 45 लाख का इनाम था। सुधाकर छुट्टी मनाकर जंगल लौटा था, तभी मुठभेड़ में मारा गया।

नक्सलियों के शव के पास से ऑटोमैटिक हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक 5 जून को पहली मुठभेड़ के बाद सुधाकर का शव बरामद हुआ था। यह वही सुधाकर है, जिसने दंडकारण्य क्षेत्र में नक्सल शिक्षा केंद्रों की शुरुआत की थी। वहीं 6 जून को नक्सली कमांडर भास्कर मारा गया, जो तेलंगाना स्टेट कमेटी से जुड़ा हुआ था।

इसके साथ ही 6 और 7 जून की दरम्यानी रात को हुई मुठभेड़ों में 3 और नक्सलियों के शव मिले, जिनमें 2 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। 7 जून को अंतिम मुठभेड़ में 2 अन्य पुरुष नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इन पांच शवों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। एनकाउंटर स्पॉट से 2 एके-47 राइफल, भारी मात्रा में गोला-बारूद और नक्सली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। ऑपरेशन के दौरान कुछ जवानों को सांप और मधुमक्खियों ने काट लिया।फिलहाल सभी खतरे से बाहर हैं। सभी का इलाज जारी है।

### 2 इनामी समेत 7 नक्सलियों ने किया सरेंडर

आंध्रप्रदेश के आदिलाबाद का रहने वाला था। इसके पहले 1 करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर भी मारा गया है। सुधाकर नक्सलियों के शिक्षा विभाग का इंचार्ज था। आंधप्रदेश के चिंतापालुदी गांव का रहने वाला था। वहीं दंतेवाड़ा में 2 इनामी समेत 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें जुगलू उर्फ सुंडुम कोवासी (50 हजार इनामी), दशा उर्फ बुरकू पोड़ियाम (50 हजार इनामी), भोजा राम माड़वी, लखमा उर्फ सुती उर्फ लखन मरकाम, रातू उर्फ ओठे कोवासी, सुखराम पोड़ियाम और पंडरू राम पोड़ियाम शामिल हैं।

# आंध्र प्रदेश में अब 10 घंटे करना होगा काम

### निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार ने उठाया कदम

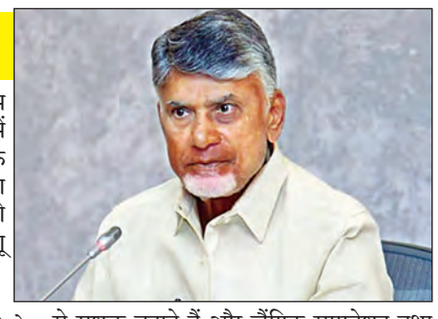

अमरावती, 7 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में श्रमिकों और नौकरीपेशा लोगों को 10 घंटे काम करना होगा। राज्य की टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कारोबार को आसान बनाने और निवेश को आकर्षित करने के लिए काम के घंटों में इजाफा किया। अब तक यहां अधिकतम कार्य घंटे की सीमा नौ घंटा थी। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री के पार्थसारथी ने कहा कि श्रम कानूनों को श्रमिकों और निवेशकों के अनुकूल बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। वहीं भाकपा ने राज्य सरकार के फैसले की आलोचना की है।

कैबिनेट फैसले के बारे में बताते हुए मंत्री पार्थ सारथी ने कहा कि अब तक धारा 54 के तहत एक दिन में अधिकतम नौ घंटे काम करने की अनुमति थी। इसे अब बढ़ाकर 10 घंटे प्रतिदिन कर दिया गया है। धारा 55 के तहत पहले पांच घंटे काम करने पर एक घंटे का आराम मिलता था, जिसे अब छह घंटे कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ओवरटाइम के लिए अब तक केवल 75 घंटे तक की अनुमति थी, जिसे अब बढ़ाकर प्रति तिमाही 144 घंटे कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि श्रम कानूनों में संशोधन के कारण कारखानों में निवेशक आएंगे। ये श्रम नियम श्रमिकों के लिए अनुकूल होंगे और वे अधिक निवेश करने आएंगे। वैश्वीकरण हर राज्य में हो रहा है। ये संशोधन वैश्विक नियमों को लागू करने के लिए लाए गए थे।

**महिलाएं भी रात में कर सकेंगी काम**

मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने रात्रि पाली के नियमों में भी ढील दी है, ताकि अधिक महिलाएं रात्रि पाली में काम कर सकें। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि पहले महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब वे सहमति, परिवहन सुविधा, सुरक्षा और निगरानी जैसे सुरक्षा उपायों के साथ काम कर सकती हैं। रात्रि पाली के दौरान महिलाओं के कार्यस्थल पर पूरी रोशनी होनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि जब आप अतिरिक्त काम करेंगे, तो आपकी आय बढ़ेगी। इन नियमों के तहत महिलाएं औपचारिक क्षेत्र में काम कर सकती हैं। ये नियम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं और लैंगिक समावेशन तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देते हैं। साथ ही महिला सशक्तीकरण में भी योगदान देते हैं। आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले का भाकपा ने विरोध किया है। भाकपा के राज्य सचिव के रामकृष्ण ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें श्रमिकों के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल से मोदी सरकार ने बार-बार ऐसे कदम उठाए हैं जो भारत में श्रमिकों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। इन नियमों के विरोध में ट्रेड यूनियनों ने नौ जुलाई को पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है।

# 'निराधार आरोप से शासन का अपमान'

### राहुल के दावों पर निर्वाचन आयोग का बयान

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। निर्वाचन आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया और इसे कानून के शासन का अपमान बताया।

उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।'

चुनाव आयोग ने कहा कि किसी की ओर से फैलाई जा रही कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि अपने ही राजनीतिक दल की ओर से नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की छवि भी धूमिल करती है। यह लाखों चुनाव कर्मचारियों का मनोबल गिराती है, जो चुनाव के दौरान अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। मतदाताओं की ओर से किसी भी प्रतिकूल फैसले के बाद यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है।

**तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग के जवाब**

1. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, लगभग 116 लाख मतदाताओं ने अंतिम दो घंटों में मतदान किया होगा। इसलिए दो घंटों में मतदाताओं की ओर से 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।

2. प्रत्येक मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों की ओर से औपचारिक रूप से नियुक्त एजेंटों के सामने मतदान आगे बढ़ा। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया।

3. महाराष्ट्र सहित भारत में मतदाता सूचियां जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार की जाती हैं। कानून के अनुसार या तो चुनावों से ठीक पहले और या हर साल एक बार मतदाता सूचियों का विशेष संशोधन किया जाता है और मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) सहित सभी राष्ट्रीय या राज्य राजनीतिक दलों को सौंप दी जाती है।

4. महाराष्ट्र चुनावों के दौरान इन मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद 9,77,90,752 मतदाताओं के खिलाफ प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (डीएम) के पास सिर्फ 89 अपीलें दायर की गईं और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी (सीईओ) के सिर्फ केवल एक अपील दायर की गई।

## 24 घंटे में कोरोना के 391 नए मामले

### केरल और गुजरात में सबसे ज्यादा मरीज मिले; 5755 एक्टिव केस, 59 की जान गई

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 21 दिन में एक्टिव केसों की संख्या में 62 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5755 पहुंच गई है। केंद्र सरकार के मुताबिक बीते 24 घंटे में 391 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 229 केस केरल और गुजरात में हैं। वहीं, मौत का आंकड़ा बढ़कर 59 पहुंच गया है। 6 जून को 4 और मरीजों की जान चली गई। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से 6 जून तक 59 मौतें हो चुकी हैं। इनमें 53 मौतें पिछले 16 दिन में हुई हैं। दिल्ली में 5 जून को पांच महीने के एक बच्चे की कोरोना से मौत हो गई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मरीजों ने जान गंवाई है। इस तरह जनवरी से 6 जून तक देश में कोरोना के कुल 11,298 मामले आए हैं। इनमें से 48.547 मरीज रिकवर हो चुके हैं, बाकी का इलाज जारी है। सिर्फ 0.527 मामलों में मरीज की मौत हुई।

### एनआईए ने गोल्डी बराड़ समेत 5 के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किये

गुरुग्राम, 7 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हरियाणा के गुरुग्राम में 2024 में हुए क्लब बम विस्फोट मामले में बड़ी कार्रवाई की है। इस केस से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि मुख्य आरोपी गोल्डी बराड़ और रणदीप मलिक फरार है। एजेंसी ने कनाडा निवासी और गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ समेत पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। यह मामला गुरुग्राम के सेक्टर-29 में वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब में 10 दिसंबर 2024 को हुए बम विस्फोट से जुड़ा है। एनआईए ने गोल्डी बराड़ के अलावा सचिन तालियान, अंकित, भाविश और अमेरिका निवासी रणदीप सिंह उर्फ रणदीप मलिक पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं।

# 'आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टोलेरेंस नीति, हमारे सहयोगी इसे समझें'

### > विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। डेविड लैमी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर आए हैं। बैठक के दौरान डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति है और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी इस बात को समझें। भारतीय विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए भी ब्रिटिश सराकर को धन्यवाद दिया।

**आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति**

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी दो दिवसीय भारत दौरे पर शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। लैमी के दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की जाएगी। एस. जयशंकर ने कहा कि, 'हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी देश इसे समझेंगे।

हम कभी भी बुराई करने वालों को उनके पीड़ितों के बराबर नहीं रखेंगे।' जयशंकर ने हाल ही में अंतिम रूप दिए गए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को 'असल मायनों में एक मील का पत्थर' बताया। भारत ने बैठक के दौरान भी पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया।

**ब्रिटेन ने किया था संघर्ष विराम समझौते का समर्थन**

ब्रिटेन उन देशों में शामिल था, जो पिछले महीने अपने सैन्य संघर्ष के दौरान अपने तनाव को कम करने के प्रयास में भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में थे। लैमी ने 16 मई से इस्लामाबाद की दो दिवसीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम समझौते का स्वागत किया। भारत दौरे से पहले डेविड लैमी ने पाकिस्तान का भी दो दिवसीय दौरा किया और उन्होंने भारत पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्षविराम को जारी रखने की अपील की।

## दिल्ली में कोरोना से 5 महीने के बच्चे की मौत

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 21 दिन में केसों की संख्या में 62 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5755 पहुंच गई है। केंद्र सरकार के मुताबिक बीते 24 घंटे में 391 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 229 केस केरल और गुजरात में हैं। वहीं, मौत का आंकड़ा बढ़कर 59 पहुंच गया है। 6 जून को 4 और मरीजों की जान चली गई। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से 6 जून तक 59 मौतें हो चुकी हैं। इनमें 53 मौतें पिछले 16 दिन में हुई हैं। दिल्ली में 5 जून को पांच महीने के एक बच्चे की कोरोना से मौत हो गई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मरीजों ने जान गंवाई है। इस तरह जनवरी से 6 जून तक देश में कोरोना के कुल 11,298 मामले आए हैं। इनमें से 48.54% मरीज रिकवर हो चुके हैं, बाकी का इलाज जारी है।

# सीएम रेखा गुप्ता को धमकी देने वाला अरेस्ट

*> दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से दबोचा > जांच में शराबी निकला धमकाने वाला*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम ने गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में फोन कर धमकी दी थी। पकड़े गए आरोपी की पहचान श्लोक तिवारी के तौर पर हुई है।

**धमकी देकर कर लिया था फोन बंद**

गाजियाबाद कोतवाली की डायल 112 पर गुरुवार की देर रात अनजान कॉलर ने कॉल कर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद कॉलर ने अपना मोबाइल बंद कर लिया था। कॉलर को पकड़ने के लिए सर्विलांस और दो पुलिस टीम गठित कर दी गई थी।

**कौन हैं रेखा गुप्ता ?**

रेखा गुप्ता दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहीं। 50 वर्षीय रेखा का जन्म हरियाणा के जींद जिले में स्थित नंदगढ़ गांव में 1974 में हुआ था। उनके पिता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अधिकारी पद पर थे। 1976 में रेखा का परिवार दिल्ली में शिफ्ट हो गया था। तब उनकी उम्र महज दो साल थी। इसके बाद रेखा की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक दिल्ली में हुई।

**रेखा गुप्ता की पढ़ाई-लिखाई**

दिल्ली की मुख्यमंत्री की शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो उन्होंने बीकॉम और एलएलबी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने अपनी बीकॉम की पढ़ाई दौलत राम कॉलेज से पूरी की। इसके अलावा, लॉ की पढ़ाई उन्होंने चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ से की है।

**रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर**

रेखा गुप्ता ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र जीवन से ही कर दी थी। उन्होंने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के माध्यम से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सक्रिय सदस्य रही हैं और संगठनात्मक कार्यों में उनकी मजबूत पकड़ रही है। वर्ष 1996-97 में वे दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) की महासचिव बनीं और बाद में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाली।

2007-2009 के बीच लगातार दो वर्षों तक उन्होंने महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति, एमसीडी की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। अब, 2025 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने शालीमार बाग सीट से जीत दर्ज की है। अब वर्तमान में दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं।

### मूल रूप से हरियाणा की रहने वाली हैं

रेखा गुप्ता का मूल निवास हरियाणा के जींद जिले से हैं, लेकिन वे मात्र दो वर्ष की आयु में दिल्ली आ गई थीं और तभी से यहीं रह रही हैं। उनकी पूरी शिक्षा दिल्ली में ही हुई है।

छात्र जीवन के दौरान वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ीं, और इसी संगठन के माध्यम से उन्होंने राजनीति में सक्रिय रूप से योगदान देना शुरू किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में विभिन्न पदों पर कार्य किया। उनकी छात्र राजनीति में मजबूत पकड़ और संगठनात्मक कौशल ने उन्हें आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## हिमाचल में महिला को बेड़ियों में बांधकर पीटा

**पूरे शरीर पर घाव के निशान, बोला- तू भाग जाती है, इसलिए बांध रहा हूं**

मंडी, 7 जून (एजेंसियां)। हिमाचल में मंडी में 2 महीने से साथ रह रहे व्यक्ति ने महिला की बेरहमी से पिटाई की। वह भागे न इसलिए उसे लोहे की जंजीरों में जकड़ दिया। इसके बाद वहां से फरार हो गया। मझास गांव में पड़ोस में रह रही महिला को घटना का पता चला तो उसने पुलिस को बताया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जंजीरें खोलीं और महिला को करसोग के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। महिला की बाजू, पीठ, कान और थाई पर गहने घाव मिले हैं। पुलिस ने घायल महिला से कारण पूछा तो उसने बताया कि चरण दास ने मुझे लोहे की बेड़ियों में बांधकर कहा-तू भाग जाती है, इसलिए बांध रहा हूं। पुलिस ने महिला का मेडिकल करवा लिया है। आज एक्स-रे रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। आरोपी चरण दास की आज गिरफ्तारी भी हो सकती है। सामाजिक कार्यकर्ता पूर्ण चंद कौंडल ने बताया कि आरोपी चरण दास पहले से शादीशुदा है। करीब 2 महीने पहले वह शीतला देवी को अपने घर लाया था और तब से वह उसके साथ रह रही थी। 6 जून को दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और चरण दास ने बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी।

## बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मास्टरमाइंड कनाडा में अरेस्ट

*हत्या के दौरान मौके पर मौजूद था, पाकिस्तानी डॉन की मदद से विदेश भागा था*

जालंधर, 7 जून (एजेंसियां)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मास्टरमाइंड जीशान अख्तर उर्फ जस्सी पुरेवाल को कनाडा की सरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गिरफ्तारी किस केस में हुई है।

12 अक्टूबर 2024 की रात को बाबा सिद्दीकी की मुंबई में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली थी। गैंग ने दावा किया था कि बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड स्टार सलमान खान के करीबियों में था। इसी वजह से उसे मारा। पुलिस जांच में सामने आया था कि सिद्दीकी की हत्या का मास्टरमाइंड जालंधर का रहने

वाला जीशान अख्तर है। जब शूटर्स ने सिद्दीकी को गोलियां मारी तो वह मौके पर मौजूद था। हत्या के बाद वह विदेश भाग गया था। तब दावा किया गया था कि उसे भगाने में पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने मदद की थी। हाल ही में लॉरेंस गैंग ने जीशान से पल्ला झाड़ते हुए उसे मारने की धमकी दी थी। 12 अक्टूबर 2024 को रात साढ़े 9 बजे मुंबई के बांद्रा के खेर वाड़ी सिग्नल पर महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हरीश कुमार, कैथल (हरियाणा) के गुरमैल बलजीत सिंह, बहराइच (उत्तर प्रदेश) के धर्मराज कश्यप और पुणे (महाराष्ट्र) के रहने वाले प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया। मर्डर की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड कनेक्शन की वजह से फेमस रहे। आरोपियों से पूछताछ में जालंधर के रहने वाले जीशान अख्तर का नाम सामने आया। जब शूटर्स ने सिद्दीकी को गोलियां मारी तो वह मौके पर मौजूद था। जीशान का प्लान था कि अगर बाबा सिद्दीकी शूटर्स की गोलियों से बच गया तो वह उसे गोलियां मारेगा। उस दौरान वह लॉरेंस के भाई अनमोल से फोन पर टच में था। सिद्दीकी के मरने के बाद उसने अनमोल को मौके के फोटो और वीडियो भेजे और कन्फर्म किया कि सिद्दीकी मर गया है। इसके बाद वह फरार हो गया।

## मीठी नदी घोटाले में डिनो मोरिया को ईडी का समन

*अगले हफ्ते जांच एजेंसी के सामने होना होगा पेश*

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। मुंबई के मीठी नदी घोटाले में अभिनेता डिनो मोरिया अब ईडी के निशाने पर आ गए हैं। ईडी ने डिनो मोरिया को समन भेजा है। ईडी ने डिनो मोरिया और उनके भाई समेत आठ लोगों को समन भेजकर अगले हफ्ते एजेंसी के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। ये लोग अलग-अलग दिन अपने बयान दर्ज कराएंगे। डिनो मोरिया को अगले हफ्ते एजेंसी के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। इससे पहले कल अभिनेता के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी।

**पीएमएलए के तहत दर्ज होंगे बयान**

ईडी ने डिनो मोरिया, उनके भाई और कुछ बीएमसी अधिकारियों सहित कम से कम आठ लोगों को मीठी नदी घोटाले मामले में 65 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में अगले सप्ताह पूछताछ के लिए बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

**एक दिन पहले ईडी ने की थी छापेमारी**

मीठी नदी घोटाले में नाम सामने आने के बाद अब डिनो मोरिया लगातार घिरते जा रहे हैं। ईओडब्ल्यू द्वारा पूछताछ किए जाने के बाद कल ईडी ने मीठी नदी सफाई घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत डिनो मोरिया के घर पर छापेमारी की थी। छापेमारी डिनो मोरिया और उनके भाई समेत कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर भी की गई थी। अब छापेमारी के एक दिन बाद ईडी ने अभिनेता को समन जारी करके पेश होने के लिए बोला है।

**ईओडब्ल्यू भी कर चुकी है पूछताछ**

इस मामले अभिनेता डिनो मोरिया से मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) भी कुछ दिन पहले पूछताछ कर चुकी है। उन्होंने ईओडब्ल्यू के दफ्तर पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराए थे। अब पूछताछ के लगभग एक हफ्ते के बाद ही ईडी ने डिनो मोरिया पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

**क्या है मीठी नदी घोटाला**

मीठी नदी घोटाला मुंबई महानगरपालिका की ओर से मीठी नदी की सफाई में इस्तेमाल होने वाले स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। आरोप है कि इन मशीनों को कोच्चि की कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से ऊंचे दामों पर किराए पर लिया गया और इसमें भारी वित्तीय गड़बड़ी हुई।

## ईद के दिन सरेराह युवक पर चाकुओं से किए वार

**गला रेतकर की निर्मम हत्या आरोपी ने खुद किया सरेंडर**

मंगलौर, 7 जून (एजेंसियां)। ईद के दिन मंगलौर कस्बे के मोहल्ला पठानपुरा में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक की सरेराह चाकुओं से गोदकर और गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि हत्या करने वाला युवक मृतक से किसी पुरानी रंजिश के चलते बदला लेना चाहता था। घटना के तुरंत बाद आरोपी युवक स्वयं थाने पहुंचा और अपना जुर्म कबूल कर सरेंडर कर दिया। सूचना मिलते ही एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हत्यारे ने अपने बेटे की मौत का बदला लेने की बात कही है।

## असम निवासी युवती की सड़क हादसे में संदिग्ध मौत

**सीएम हिमंता ने मेघालय सीएम से की निष्पक्ष जांच की मांग**

गुवाहाटी, 7 जून (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा से सड़क हादसे के एक मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच की अपील की है। इस हादसे में असम निवासी एक युवती की जान चली गई। मृतका के परिजनों ने घटना में साजिश की आशंका जाहिर की है और हादसे की गहन जांच की मांग की है। असम के गोलाघाट की निवासी नम्रता बोरा की बुधवार तड़के मेघालय में हुए एक सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतका गुवाहाटी में नौकरी करती थी और अपने दोस्तों के साथ मेघालय घूमने गई थी।

सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि 'मैं मेघालय के सीएम श्री कोनराड संगमा से विनती करता हूं कि कृप्या 4 जून बुधवार तड़के नांगपोह पुलिस स्टेशन इलाके में हुई सड़क दुर्घटना के मामले को देखें। असम के रजिस्ट्रेशन वाले एक वाहन एएस 01 ईवी 9578 के साथ हादसा हुआ। जिसमें एक युवती नम्रता बोरा की असमय मौत हो गई। वहीं चार अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मृतका के परिजनों ने घटना को लेकर शक जाहिर किया है। ऐसे में मेरी अपील है कि किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा घटना की निष्पक्ष जांच की जाए ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि सभी तथ्यों को ठीक से जांचा परखा जाए।' मेघालय सीएम ने भी निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

**सड़क हादसे पर उठ रहे सवाल**

नम्रता अपने दोस्तों के साथ एक कार में सवार होकर शिलॉन्ग जा रही थी, लेकिन बीच रास्ते से ही ये लोग वापस लौटने लगे। बुधवार तड़के री भुई जिले में शांगबांग्ला इलाके में एक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान इनकी गाड़ी सामने आ रहे वाहन से टकरा गई, जिससे नम्रता की मौत हो गई।

## जासूसी का आरोपी जसबीर सिंह दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया, मोहाली कोर्ट में हुई पेशी

चंडीगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह का तीन दिन का पुलिस रिमांड आज खत्म हो गई। जसबीर सिंह को मोहाली कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

जासूसी के आरोप में यूट्यूबर जसबीर सिंह को मोहाली एसएसओसी ने पकड़ा था। जसबीर सिंह जान महल नामक एक यू ट्यूब चैनल चलाता है। उसके यूट्यूब चैनल के 1.1 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। उसका संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है। वहीं जासूसी के लिए गिरफ्तार हरियाणा स्थित यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी नागरिक और निष्कासित पाक उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी उसके घनिष्ठ संपर्क हैं। जांच से पता चला है कि जसबीर दानिश के निमंत्रण पर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहां उसने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से मुलाकात की थी। वह तीन मौकों (2020, 2021, 2024) पर पाकिस्तान गया था और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाकिस्तान के कई नंबर थे, जिनकी अब विस्तृत फोरेंसिक जांच की जा रही है।

## आम लोगों के लिए शुरू हुई कश्मीर की पहली वंदे भारत ट्रेन, यात्रियों के खिले चेहरे

जम्मू, 7 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कल कटरा-श्रीनगर मार्ग के लिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन श्रीनगर से कटरा के लिए रवाना हुई। आज आम लोगों ने इस ट्रेन में सफर किया।

ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। उनका कहना है कि ये एक बढ़िया सुविधा है। लोग इस ट्रेन सेवा के शुरू होने पर खुशी जता रहे हैं।

**इससे पर्यटन में काफी इजाफा होगा: यात्री**

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटरा से श्रीनगर आने वाले

यात्री महेश कुमार ने कहा, यह सभी यात्रियों, पर्यटकों, यहां तक कि काम के लिए आने वाले लोगों के लिए एक बढ़िया सुविधा है। यह हवाई जहाज का एक अच्छा विकल्प है क्योंकि हवाई जहाज से भी उतना ही समय लगता है।

यह श्रीनगर और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की एक बेहतरीन पहल है। सरकार ने बहुत बढ़िया काम किया है। इससे पर्यटन में काफी इजाफा होगा। इससे बच्चों और महिलाओं के लिए यात्रा करना और भी ज्यादा सुविधाजनक हो जाएगा।

**पीएम मोदी ने हमारा कई वर्षों का सपना पूरा किया**

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटरा जा रही यात्री नीतू कपूर ने कहा, हमें उम्मीद थी कि एक दिन कश्मीर में भी वंदे भारत ट्रेन चलेगी।

यह हमारा कई वर्षों का सपना था और पीएम मोदी ने आखिरकार इसे पूरा कर दिया है। वंदे भारत से कश्मीर में बहुत लाभ होगा। पहले हमें कटरा जाने में छह घंटे लगते थे। अब केवल तीन घंटे लगेंगे।

# खबरे जरा हटके

## जमीन खोदी तो मिली 5000 साल पुरानी रोटी

**प्राचीन ब्रेड खाने के लिए बेकरी में लगी भीड़**

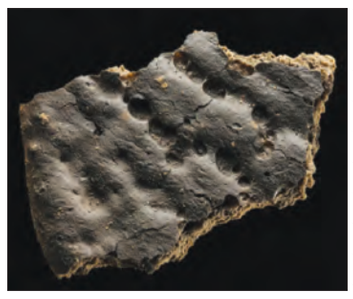

कल्पना कीजिए कि 5000 साल पहले तुर्की में किसी ने अपनी नई कोठी के नीचे एक जली हुई ब्रेड दफनाई, और आज वही ब्रेड दुनिया भर में छा गई है! तुर्की के एस्कीसेहिर शहर के पास कुल्लुओबा में पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान ये अनोखी ब्रेड मिली. पांच इंच की ये गोल, चपटी ब्रेड, जो पैनकेक जैसी दिखती है, 3300 ईसा पूर्व की है. मजे की बात ये है कि वैज्ञानिक इसकी रेसिपी को जान गए हैं, जिससे स्थानीय बेकरी में ऐसी रोटियां बन रही हैं कि लोग खरीदने को टूट पड़ रहे हैं. फिजिक्स डॉट ओआरजी की रिपोर्ट के मुताबिक पुरातत्वविद मूरत तुर्कतेकी ने ठहाका लगाते हुए कहा, 'खुदाई में ब्रेड के सिर्फ टुकड़े मिलते हैं, लेकिन ये तो पूरी की पूरी जली ब्रेड है, जो जलने और दफन होने की वजह से सलामत रही.' वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे किसी खास रस्म के लिए दफनाया गया होगा, शायद घर में खुशहाली लाने का जादू करने के लिए. ब्रेड का एक टुकड़ा टूटा हुआ था, फिर वो जली और घर के प्रवेशद्वार के नीचे दब गई. सितंबर 2024 में मिली ये ब्रेड अब एस्कीसेहिर पुरातत्व संग्रहालय में सुपरस्टार बनकर चमक रही है. शहर की मेयर आयसे उनलुचे ने कहा, 'ये खोज दिल को छू गई. मैंने सोचा, क्यों न इस प्राचीन ब्रेड को दोबारा ज़िंदा किया जाए?' लैब में जांच से पता चला कि ब्रेड प्राचीन एम्मर गेहूं, मसूर और किसी अनजान पौधे की पत्तियों से बनी थी, जो खमीर का काम करती थीं.'

चूंकि एम्मर गेहूं अब तुर्की में नहीं मिलता, वैज्ञानिकों ने कविल्का गेहूं, बुलगुर और मसूर का इस्तेमाल करके रेसिपी तैयार की. फिर 'हल्क एकमेक' बेकरी ने कमर कसी और हर दिन 300 रोटियां बनानी शुरू कीं. ये 300 ग्राम की रोटियां, जिनकी कीमत करीब 110 रुपये है, कुछ ही घंटों में बिक जाती हैं! एक ग्राहक ने हंसते हुए कहा, 'मैं भागकर आई, कहीं ब्रेड खत्म न हो जाए. मुझे 5000 साल पुराना स्वाद चखने की उत्सुकता थी.'

## दुनिया की सबसे खूबसूरत हैंडराइटिंग, लड़की की लिखावट देख उड़ जाते हैं होश, टाइप किया लगता है हर अक्षर!

जब हम छोटे होते हैं तो स्कूल से लेकर घर तक में हर कोई हमसे यही कहता है कि सुंदर हैंडराइटिंग में लिखना चाहिए. सुंदर हैंडराइटिंग तो प्रैक्टिस से ही बनती है. मगर उसके बावजूद भी लोगों की हैंडराइटिंग बहुत अच्छी नहीं हो पाती. पर आज हम आपको एक लड़की के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी हैंडराइटिंग दुनिया में सबसे खूबसूरत है. जब आप इसकी लिखावट देखेंगे तो आपको ऐसा लगेगा जैसे हर एक अक्षर टाइप किया गया हो. साफ-सुथरी लिखावट के लिए हमें कितनी बार माता-पिता और शिक्षकों से डांट सुननी पड़ी थी! लेकिन आज के डिजिटल युग में, जहां टाइपिंग ने लिखावट की जगह ले ली है, वहां सुंदर हस्तलिपि अब एक दुर्लभ कला बन चुकी है. इस लेख में हम एक ऐसी लड़की की प्रेरणादायक कहानी साझा कर रहे हैं, जिसकी सुंदर हस्तलिपि ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया. यह कहानी है नेपाल की प्रकृति मल्ल की, जिसकी लिखावट को "दुनिया की सबसे सुंदर हैंडराइटिंग" कहा जाता है.

**दुनियाभर में मिला सम्मान**

प्रकृति की हस्तलिपि को देख कर न केवल आम लोग बल्कि प्रोफेशनल हैंडराइटिंग विशेषज्ञ भी चकित रह गए. उनकी लिखावट में जो संतुलन, आकार और दूरी थी, वह किसी डिजिटल फॉन्ट से कम नहीं लगती थी. इस प्रतिभा के कारण उन्हें नेपाल की सेना द्वारा भी सम्मानित किया गया. यह सिर्फ एक सुंदर लेखन का सम्मान नहीं था, बल्कि उसमें छिपी हुई अनुशासन, सौंदर्य और सांस्कृतिक गर्व की सराहना थी. प्रकृति मल्ल ने सिर्फ स्कूल असाइनमेंट तक ही खुद को सीमित नहीं रखा. उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के 51वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक भावपूर्ण पत्र लिखा और उसे यूएई दूतावास में जाकर स्वयं सौंपा. यह न केवल उनकी प्रतिभा का प्रमाण था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि हस्तलिपि के माध्यम से भी गहरा भावनात्मक जुड़ाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान संभव है.

## 200 साल पुराने घर में मिला प्राचीन पत्थर, अजीबोगरीब था आकार

**शख्स ने लोगों से पूछा, तब खुला बड़ा राज!**

अक्सर पुराने घरों में लोगों को कुछ ऐसी चीजें देखने को मिल जाती हैं जो बेहद अजीबोगरीब होती हैं और उनके बारे में बहुत जानकारी नहीं होती. कई बार मुमकिन होता है कि घर के पुराने मालिकों की वो चीजें होती हैं. मालिक के गुजर जाने के बाद या फिर घर को किसी और को बेच देने के बाद वो चीजें वहीं रह जाती हैं और जब अगला मालिक आता है तो उसे वो देखकर हैरानी होती है. जब घर का इतिहास 200 साल पुराना हो, तब तो फिर पूछिए ही मत कि इंसान को क्या-क्या मिल सकता है. एक व्यक्ति के हाथ भी 200 साल पुराने घर में अजीबोगरीब पत्थर लगा. उसका आकार बहुत विचित्र था और उसे पत्थर के बारे में कुछ भी समझ नहीं आ रहा था. इस वजह से शख्स ने उस पत्थर की तस्वीर को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और लोगों से पूछा कि वो क्या है. तब लोगों ने जो बताया, वो काफी हैरान करने वाला है क्योंकि उन्होंने पत्थर का राज खोलकर रख दिया. इस फोटो में एक काले रंग का पत्थर दिख रहा है जो करीब 8-9 इंच लंबा है. पत्थर का आकार काफी अनोखा और अजीब है. वो इसलिए क्योंकि एक तरफ से वो पत्थर अंग्रेजी अक्षर यू की तरह है जबकि दूसरी तरफ वो टेढ़ा-मेढ़ा है, मगर गोलाकार दिख रहा है. शख्स ने बगल में पत्थर का साइज मापने के लिए इंच टेप रखा है. उसने फोटो पोस्ट करते हुए लोगों से पूछा- "क्या ये किसी विशाल तीर का आगे का हिस्सा है या फिर कोई कुल्हाड़ी है? मुझे ये पश्चिमी न्यूयॉर्क के एक प्राचीन घर में मिला जिसका निर्माण 1820 के करीब हुआ था. क्या ये चीज म्यूजियम में रखने लायक है?"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद



**सुविचार**

लोग तो आते जाते रहेंगे आप अपने काम में एक बार सफलता तो प्राप्त करिए ।

## तुम्मला ने घोष आयोग के समक्ष झूठ बोलने के लिए भाजपा सांसद ईटेला की आलोचना की

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने पूर्व मंत्री और भाजपा सांसद ईटाला राजेंद्र की कड़ी आलोचना की है, जिन्होंने कलेश्वरम परियोजना के निर्माण के संबंध में न्यायमूर्ति घोष आयोग के समक्ष झूठा बयान दिया है। उन्होंने टिप्पणी की कि न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग के समक्ष ईटेला राजेंद्र का बयान झूठ से भरा हुआ था और संकेत दिया कि पूर्व मंत्री ने कई दावे गढ़े हैं। शनिवार को सचिवालय में मीडिया को दिए गए बयान में तुम्माला नागेश्वर राव ने जोर देकर कहा कि ईटाला राजेंद्र द्वारा प्रेस को दिए गए बयान काफी भ्रामक थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा सांसद का बयान अनजाने में दिया गया था या क्या ऐसी कुछ परिस्थितियां थीं, जिनके कारण ऐसी टिप्पणी करना जरूरी था।

तुम्मला ने कालेश्वरम विवाद में अपना नाम शामिल करने के लिए ईटाला राजेंद्र की भी आलोचना की और कहा कि भाजपा सांसद अब ज्यादा दिनों तक झूठ बोलकर लोगों को धोखा नहीं दे पाएंगे। "ईटेला राजेंद्र ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट उप-समिति के सदस्य के रूप में मेरी भागीदारी का उल्लेख किया। हालांकि, यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि कैबिनेट उप-समिति की स्थापना कालेश्वरम परियोजना की देखरेख के लिए नहीं की गई थी। तेलंगाना में चल रही परियोजनाओं का आकलन करने के लिए मेदिगड्डा बैराज की मंजूरी के 15 दिन बाद उप-समिति बनाई गई थी।," उप-समिति का उद्देश्य यह मूल्यांकन करना था कि क्या ठेकेदार लंबित परियोजनाओं को सहमत दरों पर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि यदि काम पूरा हो गया तो आवश्यक कार्रवाई क्या होगी या यदि यह पूरा नहीं हुआ तो सरकार को क्या निर्णय लेने चाहिए।

मंत्री ने आगे जोर देकर कहा कि उप-समिति ने कालेश्वरम परियोजना के निर्माण को अधिकृत नहीं किया और वास्तव में, इस बारे में कभी कोई रिपोर्ट नहीं दी। तुम्मला ने आगे बताया कि कालेश्वरम परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी नहीं मिली और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान इसे कभी भी मंजूरी के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया। कालेश्वरम परियोजना के विकास में मेरी कोई भागीदारी नहीं है। ईटेला राजेंद्र मुझे इस विवाद में अनुचित रूप से शामिल कर रहे हैं। मैं सभी प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्र रूप से न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग से संपर्क करने का इरादा रखता हूं।

मंत्री ने कहा कि राजनीति में अपने 43 वर्षों के दौरान उन्होंने कभी कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कालेश्वरम आयोग की सुनवाई के दौरान ईटेला द्वारा दिए गए बयानों की समीक्षा करने पर असहजता और संदेह व्यक्त किया। तुम्मला ने पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव को भी चुनौती देते हुए कहा कि वे कोई सबूत पेश करें कि कालेश्वरम परियोजना के निर्माण पर बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की बैठकों में चर्चा हुई थी और इसे उस समय कैबिनेट से मंजूरी मिली थी।

## कांग्रेस मंत्री तुम्माला भी मेदिगड्डा बैराज के पक्ष में लिए गए फैसले में पक्षकार: हरीश राव

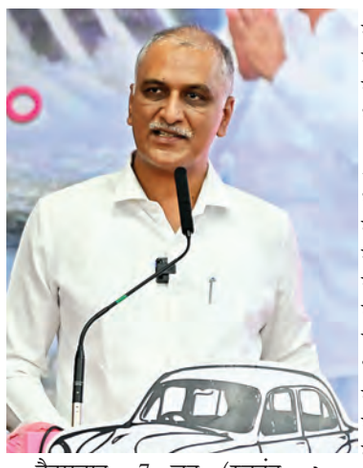

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता टी हरीश राव ने शनिवार को याद दिलाया कि वर्तमान कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव भी इसके पक्ष में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर हस्ताक्षर करने वाले थे। यह दोहराते हुए कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के हिस्से के रूप में मेदिगड्डा बैराज के निर्माण को किसी एक व्यक्ति या संस्था के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। तेलंगाना भवन में दिए गए एक आकर्षक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में, पूर्व सिंचाई मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नागेश्वर राव भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के दौरान गठित तीन सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति के प्रमुख सदस्य थे, जिसका उद्देश्य कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना से जुड़ी पुनर्रचना और पुनर्रचना प्रक्रिया की देखरेख करना था। इस उप-समिति ने परियोजना को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें मुख्य बैराज के स्थान को तुम्मिडी हट्टी से मेडिगड्डा में स्थानांतरित करने का निर्णय भी शामिल था।

उप-समिति की अध्यक्षता हरीश राव ने की थी, जिसमें तत्कालीन सड़क और भवन मंत्री नागेश्वर राव (वर्तमान में कांग्रेस मंत्री) और तत्कालीन वित्त मंत्री एटाला राजेंद्र (वर्तमान में भाजपा सांसद) सदस्य थे। कैबिनेट उपसमिति तकनीकी और विशेषज्ञ समितियों के साथ परामर्श के बाद परियोजना के महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा और अनुमोदन के लिए जिम्मेदार थी। मेदिगड्डा बैराज के निर्माण का निर्णय संबंधित तकनीकी और विशेषज्ञ एजेंसियों के साथ गहन चर्चा के बाद लिया गया था, जिन्होंने इंजीनियरिंग, जल विज्ञान और अंतरराज्यीय विचारों के आधार पर इस बदलाव को उचित ठहराते हुए रिपोर्टें प्रदान कीं, विशेष रूप से पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान करते हुए महाराष्ट्र के साथ मुद्दों से बचने के लिए।

राव ने प्रस्तुति के दौरान जोर देकर कहा कि मेदिगड्डा बैराज कालेश्वरम परियोजना की आधारशिला थी, जिसे तेलंगाना की सिंचाई और कृषि क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया था। इस प्रस्तुति का सीधा प्रसारण किया गया और इसमें बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव सहित पार्टी के कई नेता शामिल हुए।

## नमाज, कुर्बानी और त्यौहारी दावतों के साथ मनाई बकरीद

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को शहर भर में मुसलमानों द्वारा ईद-उल-अज़हा, बलिदान का त्यौहार मनाए जाने के कारण उत्सवी माहौल है। यह त्यौहार हर साल इस्लामी महीने जुल-हिज्जा की 10 तारीख को मनाया जाता है। इस अवसर पर शहर के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह विशेष नमाज अदा की गई। सबसे ज्यादा भीड़ बहादुरपुरा स्थित ईदगाह मीर आलम में देखी गई। मीर आलम ईदगाह में ईद-उल-अजहा की नमाज में एक लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। मक्का मस्जिद के खतीब और इमाम मौलाना हाफिज रिजवान कुरैशी ने नमाज अदा कराई। विभिन्न इलाकों की मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ देखी गई।

ईदगाह कुतुब शाही मकबरा, ईदगाह बिलाली मसाब टैंक, ईदगाह बालापुर, ईदगाह पहाड़ीशरीफ, ईदगाह बालामराय और मक्का मस्जिद, शाही मस्जिद बाग-ए-आम जैसी महत्वपूर्ण मस्जिदों में भारी भीड़ देखी गई। ईद की नमाज़ के बाद धर्मपरायण लोग घर लौट आए और जानवरों की कुर्बानी के लिए तैयारी करने लगे।

भारी मांग को पूरा करने के लिए पड़ोसी जिलों विकाराबाद, महबूबनगर, नलगोंडा, नगर कुरनूल और रंगा रेड्डी जिले से कसाई शहर में आए। उन्होंने अपनी सेवा के लिए 1,000 से 1200 रुपये तक लिए। घर पर महिलाएं मेहमानों के लिए बिरयानी पकाने और परोसने में व्यस्त थीं, साथ ही डबल का मीठा और क्यूबानी का मीठा जैसी पारंपरिक मिठाइयां भी परोस रही थीं। शुक्रवार की रात भेड़ बाजार में भारी भीड़ रही और 10 से 12 किलोग्राम मांस वाली एक भेड़ औसतन 11,000 रुपये की कीमत पर बिकी। ईद-उल-अजहा रविवार से मंगलवार तक लगातार तीन दिन मनाई जाएगी।

## सड़क मरम्मत में देरी

### मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए तैयार हो जाती है कार्य योजना

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में मानसून के सक्रिय होने के बावजूद, मोटर चालकों को कई जिलों में खराब सड़कों पर वाहन चलाने की परेशानी झेलनी पड़ रही है, तथा ठेकेदारों की खराब प्रतिक्रिया के कारण इस वर्ष मरम्मत कार्य में देरी हो रही है। आमतौर पर, सड़क और भवन (आरएंडबी) विभाग क्षतिग्रस्त हिस्सों की पहचान पहले ही कर लेता है और मानसून की शुरुआत से पहले मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए कार्य योजना तैयार कर लेता है। इसके अनुसार ही टेंडर जारी किए जाते हैं, जिसमें गर्मियों के दौरान काम पूरा करने पर जोर दिया जाता है।

हालांकि इस साल विभाग ने अल्पकालिक उपायों के तहत मरम्मत के लिए 2,500 किलोमीटर से अधिक सड़कों की पहचान की थी, लेकिन ठेकेदारों की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण काम शुरू नहीं हो सका। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चार बार निविदाएं वापस लेने के बावजूद भागीदारी कम रही, जिसके कारण अभी तक पता नहीं चल पाए हैं।

पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास (पीआरआरडी) की कई सड़कों के साथ भी ऐसी ही स्थिति है। याद रहे कि तेलंगाना सिविल कॉन्ट्रैक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने 7 मार्च को सचिवालय में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के कक्ष में लंबे समय से लंबित बिलों के भुगतान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि आरएंडबी विभाग पर 100 करोड़ रुपये का बकाया है, जबकि पीआरआरडी विभाग पर करीब 65 करोड़ रुपये का बिल बकाया है। इनमें से ज्यादातर 10 लाख रुपये से कम कीमत के छोटे-मोटे ठेके थे। गतिरोध को दूर करने के लिए, राज्य सरकार हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) योजना को लागू करने की योजना बना रही है, जिसके तहत 5,190 किलोमीटर आरएंडबी सड़कों और 7,947 किलोमीटर पीआरआरडी सड़कों का निर्माण और रखरखाव किया जाएगा। प्रस्तावित व्यय में आरएंडबी सड़कों के लिए 16,414 करोड़ रुपये और पीआरआरडी सड़कों के लिए 16,780 करोड़ रुपये शामिल हैं।

एचएएम योजना के तहत, राज्य सरकार 2.5 वर्षों के भीतर अनुमानित परियोजना लागत का 40 प्रतिशत भुगतान करेगी, जबकि ठेकेदार शेष 60 प्रतिशत का भुगतान करेंगे। 2.5 वर्ष की दोष दायित्व अवधि के बाद, सरकार 15 वर्षों में किश्तों में ठेकेदारों के हिस्से का भुगतान करेगी। अल्पावधि निविदाओं के प्रति निराशाजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए, अधिकारी इस माह के अंत में ठेकेदारों के साथ बैठक करने की योजना बना रहे हैं, ताकि उन्हें एचएएम मॉडल के बारे में समझाया जा सके तथा उनकी चिंताओं का समाधान किया जा सके। कुछ अन्य राज्यों ने इस योजना को लागू किया है, तेलंगाना में यह एक नई अवधारणा है। अधिकारी ने कहा कि ठेकेदारों के बीच पुनर्भुगतान की शर्तों और अन्य तौर-तरीकों को लेकर आशंकाएँ हो सकती हैं, जिन्हें विभाग आगामी बातचीत के दौरान स्पष्ट करने का इरादा रखता है।

## कांग्रेस नेता ने महिला एसआई से की बदसलूकी, मामला दर्ज

खम्मम, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक होटल में पराठे को लेकर हुए विवाद के बाद तनाव पैदा हो गया जिसके बाद एक कांग्रेस नेता ने एक महिला पुलिस उपनिरीक्षक के साथ उस समय हाथापाई की जब उसने जिले के कल्लूर में स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस नेता रायला रामू उर्फ रामा राव और उनके समर्थकों ने शराब के नशे में होटल के कर्मचारियों के साथ झड़प की और शुक्रवार शाम को उनके साथ मारपीट की। होटल के कर्मचारियों ने कांग्रेस नेता और अन्य के खिलाफ कल्लूर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने जब उन्हें थाने बुलाया तो तल्लाडा मंडल के रामू अपने समर्थकों के साथ होटल पहुंचे और फिर से कर्मचारियों की पिटाई की तथा मालिक से भिड़ गए।

घटना की जानकारी मिलने पर एसआई हरिथा अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। जब वह रामू से पूछताछ कर रही थी, तो कांग्रेस नेता ने एसआई के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। एसआई ने रामू के चेहरे पर थप्पड़ मारा और उसने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उसे छाती से लगाकर धक्का दे दिया। बाद में पुलिस कांस्टेबल और एसआई ने बल प्रयोग किया; कांग्रेस नेता और उनके समर्थकों को हिरासत में लेकर कल्लूर पुलिस थाने ले जाया गया। रामू के साथ आए युवकों ने उसके कृत्य का बचाव करते हुए तर्क दिया कि एक महिला किसी पुरुष को कैसे थप्पड़ मार सकती है। रामू और 10 अन्य के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए, एक अपराध संख्या 102/2025 होटल स्टाफ द्वारा और दूसरा अपराध संख्या 103/2025 एसआई हरिता द्वारा। जब उन्हें पूछताछ के लिए पेनुबली पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा था, तो कुछ युवकों ने भागने की कोशिश की और फिर से पकड़े गए।

## केटीआर ने की कांग्रेस-भाजपा गठजोड़ की आलोचना

### किसान विरोधी एजेंडे को उजागर करने की खाई कसम

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस-भाजपा गठजोड़ पर तीखा हमला करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शनिवार को दोनों राष्ट्रीय दलों पर तेलंगाना के किसानों के लिए महत्वपूर्ण सिंचाई जीवनरेखा कालेश्वरम परियोजना की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए अभियान चलाने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री और विधायक टी हरीश राव द्वारा दिए गए 'कालेश्वरम परियोजना: झूठे प्रचार का तथ्यों के साथ मुकाबला' शीर्षक से एक प्रस्तुति में बोलते हुए, उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई परिवर्तनकारी पहल का बचाव किया। राज्य के पुनर्निर्माण के लिए चंद्रशेखर राव के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने तेलंगाना की कृषि को बढ़ावा देने के लिए गोदावरी नदी के पानी का दोहन करने का श्रेय उन्हें दिया। उन्होंने कहा, 'केसीआर एक सच्चे दूरदर्शी व्यक्ति हैं, जिन्होंने जल सुरक्षा सुनिश्चित करके किसानों के दशकों के संघर्ष को समाप्त किया।' उन्होंने कहा कि पलामुरु-रंगा रेड्डी और सीताराम जैसी परियोजनाएं बीआरएस शासन के दौरान लगभग 90 प्रतिशत पूरी हो गई थीं, जिससे एक समृद्ध, उपजाऊ राज्य का मार्ग प्रशस्त हुआ।

## केंद्रीय मंत्री ने एमसीईएमई सिकंदराबाद का किया दौरा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग का दौरा किया। कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने उन्हें संस्थान में प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने सैनिकों के साथ बातचीत की और नई ड्रोन प्रशिक्षण प्रयोगशाला, 'ड्रोन अलाया' का दौरा किया और कामिकेज़ हमलों को रोकने के लिए स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित करने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की। उन्होंने सुपर हाई-एल्टीट्यूड क्षेत्रों में रडार पर कर्मचारियों की नई परियोजनाओं को देखा और ऑपरेशन सिंदूर में ईएमई तकनीशियनों के काम और एमएसएमई और स्टार्टअप के साथ-साथ रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में एमसीईएमई की पहल की सराहना की। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि संजय सेठ ने एमसीईएमई के परिसर में एक पेड़ भी लगाया।

## सरकार ने नियमों में दी ढील

### ओआरआर के अंदर अधिक ग्रीन ऑटो चलाने की दी अनुमति

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के अंदर नए ऑटोरिक्शा की अनुमति को प्रतिबंधित करने वाले पहले के प्रावधान में छूट की घोषणा की है। जीएचएमसी ने अब ओआरआर के अंदर सीमित संख्या में इलेक्ट्रिक, सीएनजी और एलपीजी ऑटोरिक्शा की अनुमति देने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले से शहर में प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। हैदराबाद में जनसंख्या वृद्धि और ओआरआर के अंदर नए लेआउट और अपार्टमेंट के आने से शहरीकरण की कई चुनौतियाँ सामने आई हैं। शहर में जनसंख्या में भारी वृद्धि के कारण ऑटोरिक्शा परमिट की मांग बढ़ गई है।

प्रभाकर ने कहा कि इन घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा शहर में सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने के लिए इलेक्ट्रिक/एलपीजी/सीएनजी ऑटोरिक्शा को अनुमति देना आवश्यक समझा है। तदनुसार, ओआरआर के भीतर 20,000 नए इलेक्ट्रिक और 10,000 एलपीजी और सीएनजी ऑटोरिक्शा की अनुमति देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 25,000 वाहनों को डीजल और पेट्रोल वाहनों को रेट्रोफिट करने और उनके इंजन को इलेक्ट्रिक, सीएनजी, एलपीजी में बदलने की अनुमति जारी की है। एक बयान में कहा गया है कि ओआरआर के भीतर मौजूदा डीजल और पेट्रोल ऑटोरिक्शा या डीजल, पेट्रोल वाले नए ऑटोरिक्शा के स्थानांतरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

# मैं ऑडिशन देने से नहीं डरती : पूजा हेगड़े

वह ऑडिशन को रूढ़ियों को चुनौती देने और अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करने के अवसर के रूप में देखती है । उसका मानना है कि ऑडिशन उन खूबियों को दिखाने में मदद करते हैं, जिन्हें फिल्म निर्माताओं ने पहले नहीं देखा होगा ।

दक्षिण फिल्म उद्योग में एक लोकप्रिय नाम पूजा हेगड़े ने बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है। उसने 2016 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'मोहनजोदारो' से शुरूआत की थी। तब से, वह 'किसी का भाई किसी की जान', 'हाऊसफुल 4' जैसी कई हिन्दी फिल्मों में अभिनय कर चुकी है।

एक हालिया बातचीत में, पूजा ने फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। उसने बताया कि कैसे फिल्म निर्माताओं की अक्सर अभिनेत्रियों के बारे में एक निश्चित धारणा होती है और उन्हें एक ही तरह की भूमिकाओं में ढाल दिया जाता है।

पूजा को लगता है कि इससे एक अभिनेत्री के अलग- अलग तरह के किरदार निभाने के अवसर सीमित हो सकते हैं । शोबिज में एक दशक से भी ज्यादा समय से काम कर ही पूजा अब भी भूमिकाओं के लिए ऑडिशन देने के लिए तैयार है। अनुभव याद आता है, जब उसने एक तमिल फिल्म के लिए ऑडिशन दिया लेकिन उसे भूमिका नहीं मिली । उसने बताया, मुझे बताया गया कि मैं भूमिका के लिए बहुत छोटी हूं, इसलिए उन्होंने किसी बड़ी उम्र की लड़की को चुना।

अस्वीकृति के बावजूद, पूजा ऑडिशन देने से न तो कतराती है और न ही डरती है। उसने कहा, मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं और कभी भी उनसे दूर नहीं भागती ।

पूजा के लिए ऑडिशन खुद को साबित करने और अभिनेत्रियों से की जाने वाली सामान्य अपेक्षाओं से मुक्त होने का एक मौका है। उसने बताया, मुझे अच्छा लगता है जब लोग ऑडिशन के लिए मुझसे सम्पर्क करते हैं, बजाय इसके कि वे यह मान लें कि मैं भूमिका के लिए सही नहीं हूं । इस तरह, मुझे उन्हें यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं किरदार को बखूबी निभा सकती हूं।

वह ऑडिशन को रूढ़ियों को चुनौती देने और अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करने के अवसर के रूप में देखती है । उसका मानना है कि ऑडिशन न खूबियों को दिखाने में मदद करते हैं, जिन्हें फिल्म निर्माताओं ने पहले नहीं देखा होगा ।

उसने कहा, ₹फिल्म निर्माताओं के पास अक्सर कलाकारों, खासकर अभिनेत्रियों के बारे में एक निश्चित धारणा होती है और हम आसानी से टाइपकास्ट हो जाते हैं इसलिए मुझे लगता है कि ऑडिशन उसे हाल ही देना और उन खूबियों को दिखाना महत्वपूर्ण है, में हुआ एक जिन्हें अभी तक खोजा नहीं गया है ।

मुझे अपनी अगली फिल्मों को -लेकर उत्साहित, पूजा कहती है, इस साल, मैं सिर्फ ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जो एक अभिनेत्री के रूप में खुश करें और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने का मौका दें। मैं ऐसी भूमिकाएं कर रही हूं जो मैंने पहले हिंदी सिनेमा या दक्षिण में नहीं की हैं। मैंने फैसला लिया है कि मैं उन निर्माताओं के साथ काम करूंगी, जो मुझे उत्साहित करते हैं। मैंने संतुलन बनाए रखने की भी कोशिश की है - इसमें कमर्शियल है, मसाला है और कॉमेडी भी है। मेरे पास वरुण धवन के साथ डेविड धवन की फिल्म है। साऊथ की फिल्म 'जन नायकन' है। दो और फिल्मों की घोषणाएं होने वाली हैं। मैं इस साल 3 भाषाओं में काम कर रही हूं, इसलिए दर्शकों को मेरे अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे।

# प्यार से 'इनकार' नहीं : धनश्री वर्मा

विवाह के मात्र 4 वर्षों बाद ही एक-दूसरे से तलाक लेकर अपने- अपने रास्तों पर आगे बढ़ जाने वाले युजवेंद्र चहल जहां क्रिकेट की दुनिया में बिजी हो गए हैं, वहीं अपने करियर पर ध्यान दे रही धनश्री वर्मा ने एक इंटरव्यू में खुलासा करते हुए बताया है कि अगर उसकी लाइफ में प्यार दोबारा आता है तो वह इससे इनकार नहीं करेगी।

चहल से अलगाव के बाद अपने करियर पर फोकस करते हुए जिंदगी में आगे बढ़ जाने वाली धनश्री ने कहा कि वह प्यार के मामले में ओपन है।

जल्द ही एक तेलुगु फिल्म से डेब्यू करने वाली धनश्री जहां इसे लेकर बेहद एक्साइटेड है, वहीं प्यार को लेकर उसका कहना है कि प्यार जिंदगी का सबसे खूबसूरत पहलू है। प्यार पर यकीन करने वाली और अपने करियर पर ध्यान देने वाली धनश्री का कहना है, ₹ भविष्य में जो कुछ भी होगा, मैं उसके लिए तैयार हूं लेकिन मेरे लिए मेरा करियर और परिवार बेहद मायने रखता है।

धनश्री ने कहा, "मैं हमेशा से अपने लक्ष्य पर ध्यान देती हूं। चाहे डैंटिस्ट के तौर पर मेरा काम हो या फिर अब एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में मेरी चीजें हों। जब मैंने डांसिंग में अपना करियर बदला था, अपनी एकैडमी खोली, कोरियोग्राफ करना शुरू किया, वायरल वीडियो बनाई, तब भी मेरा नजरिया इसी तरह का था। मुझे लगता था कि मेरी क्लास बैस्ट होनी चाहिए । यह तभी हो सकता था जब मैं ध्यान से काम करूं । फिर से प्यार करने की बात करें तो आप इन चीजों को प्लान नहीं कर सकते। जिंदगी में प्यार किसे नहीं चाहिए होता ?

# पहली फिल्म की 'झलक' से भावुक हुई शनाया

शनाया कपूर का डेब्यू पहले धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'बेधड़क' से होना था लेकिन फिल्म बंद हो गई। अब वह जल्द ही फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएगी। इस फिल्म में उसके साथ विक्रांत मैसी दिखेगा।

संजय कपूर की बेटी शनाया की इस पहली फिल्म का टीजर सामने आ चुका है। 5 साल से डेब्यू का इंतजार कर रही शनाया टीजर लांच इवेंट में अपनी पहली फिल्म की झलक देखकर इमोशनल हो गई और मंच पर ही उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े ।

ऐसे में उसके को-एक्टर विक्रांत मैसी ने उसका हौसला बढ़ाया और गले लगाते हुए उसको फिल्मी करियर के लिए शुभकामनाएं दीं। फिल्म में वह खुद से 13 साल बड़े विक्रांत मैसी के साथ रोमांस करती दिखेगी। उसकी यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को संतोष सिंह डायरैक्ट कर रहा है। वहीं इसकी प्रोड्यूसर तथा राइटर मानसी बागला है । उसने शनाया को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में बताया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थी, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण, जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था । स्क्रिप्ट लिखते समय उसे लगा कि शनाया के टैलेंट और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उसने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को साइन कर लिया। मानसी ने कहा, शूटिंग के दौरान उसने मेरी उम्मीदों को पार किया।

# कोई 'बदलाव' नहीं चाहती कल्कि

कल्कि कोचलिन ने हाल ही में एक ऐसी घटना शेयर की, जब एक प्रोड्यूसर ने उसे स्माइल लाइन्स को कम करने के लिए फिलर ट्रीटमैंट कराने की सलाह दी थी। हालांकि, कल्कि ने साफ किया कि उसे अपने चेहरे पर किसी भी तरह का बदलाव पसंद नहीं और वह अपनी झुर्रियों के साथ पूरी तरह सहज है । कल्कि ने बताया कि एक प्रोड्यूसर ने अपनी पूर्व प्रेमिका- जो एक फेमस एक्ट्रैस थी - का जिक्र करते हुए कहा कि उसने बोटॉक्स का इस्तेमाल किया है और कल्कि को भी फिलर करवा लेना चाहिए। कल्कि ने उस पल को याद करते हुए कहा, ₹उसने मुझसे कहा तुम्हें अपनी स्माइल लाइन्स के लिए बस थोड़ा-सा फिलर लगवाना चाहिए। मैं उस समय लंच कर रही थी और मन ही मन सोच रही थी कि कांटा उठाकर उसे मार दूं ! लेकिन मैंने खुद को रोका और मजाक में कहा-' शायद मुझे अब कम हंसना चाहिए, कम मुस्कुराना चाहिए !

कल्कि ने आगे कहा कि इस तरह की बातें सुनकर उसे अहसास हुआ कि समाज में बाहरी सुंदरता को लेकर कितना दबाव है। मैं उस वक्त 30 साल की थी, तब तक इतना कुछ देख चुकी थी कि इस बात का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ। लेकिन सोचिए, जब 20 साल की युवतियों से ऐसा कहा जाता है, तो वे अपने चेहरे पर बदलाव करवाने के लिए दबाव महसूस करने लगती हैं।"

**खुद से प्यार करने की सीख**

उसने साफ किया कि वह अपनी झुर्रियों साथ पूरी तरह सहज है और अपनी नैचुरल ब्यूटी को बनाए रखना चाहती है। उसने कहा, 'अब मेरी उम्र बढ़ रही है और मेरे चेहरे पर झुर्रियां साफ दिखती हैं। मैं कैमरे के सामने आती हूं, तो वे और ज्यादा नजर आती हैं । इसके बावजूद मैं अपने चेहरे पर कोई बदलाव नहीं करवाना चाहती, इसलिए मैंने इसे अपनाना सीख लिया है।

**अगली फिल्म**

'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' और 'ये जवानी है दीवानी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी कल्कि कम फिल्मों का हिस्सा रही है, मगर वे सभी बड़े पर्दे पर दमदार साबित हुई हैं। कल्कि को पिछली बार साऊथ की फिल्म 'नेसिपपाया' में देखा गया था। अब उसके पास एक अंग्रेजी फिल्म 'एम्मा एंड एंजेल' है ।

# पति और मैं ' अलग कमरों में रहते हैं : सुरभि ज्योति

'कुबूल है', 'इश्कबाज' और 'नागिन 3' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में काम कर चुकी सुरभि ज्योति ने अक्तूबर, 2024 में शादी की। हाल ही में उसने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। सुरभि ने कहा कि अपने काम की वजह से उसके पति सुमित सूरी और उसने मिलकर तय किया है कि वे अलग-अलग कमरों में रहेंगे । वह भी उसने कहा, घर से काम करता है और जब मैं शूटिंग नहीं कर रही होती हूं तो मैं भी घर से ही काम करती हूं। हम बाहर जाने के लिए बेताब नहीं हैं, हम बस बहुत खुश हैं (घर पर रहकर ) ।' हमारे घर में, हमारे पास अपनी पसंद से अलग कमरे हैं क्योंकि वह अपने जीवन के अधिकांश समय अकेले ही रहा । मेरे साथ भी ऐसा ही है। यह आपसी सहमति से लिया गया फैसला था । ऐसा कम ही होता है, लेकिन ऐसा होता है ।

सुरभि ने आगे बताया, मेरी अपनी अलमारी, मेरा अपना बाथरूम और मेरी अपनी जगह । कभी-कभी वह अपने कमरे में होता है, तो कभी मैं अपने कमरे में । फिर भी, हम साथ हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम एक ही सोच रखते थे। मैं यह नहीं कह रही हूं कि यह एकमात्र तरीका है, जिससे आप एक-दूसरे को 'स्पेस' दे सकते हैं, लेकिन हां, हम ऐसा ही कर रहे हैं ।

गौरतलब है कि सुरभि ने नैनीताल के जिम कॉर्बेट पार्क में शादी की थी । सुमित से उसकी मुलाकात साल 2018 में एक म्यूजिक वीडियो के शूट के दौरान हुई। दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई और उन्होंने शादी करने का फैसला लिया, जिसमें कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे । सुमित 'द टैस्ट केस' जैसे वैब शो से लेकर 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 4' जैसे रियलिटी शो में दिख चुका है।

हालांकि, सुमित से शादी से पहले वह पर्ल वी. पुरी के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी है।

सुरभि को सीरियल 'नागिन' से काफी प्रसिद्धि मिली थी लेकिन वह नागिन बनना नहीं चाहती थी । सुरभि बताया कि उसने पहले इस सीरियल को न कह दिया था । शो की कहानी पढ़कर उसे खास मजा नहीं आया था, लेकिन उसके पति ने उसे मनाया, जिसके बाद उसका हौसला बढ़ा ।

सुरभि ने बताया कि जब उसने अपने किरदार के बारे में पढ़ा तो उसे लगा कि यह उसके किस्म का रोल नहीं हैं । उसको लगा कि वह यह नहीं कर पाएगी।

वहीं निर्मात्री एकता कपूर की तारीफ करते हुए सुरभि ने कहा कि वह ऐसे कहानी सुनाती हैं कि अगर वह बोलती कि चींटी का किरदार है, तो वह भी कर लेती ।

# मैं 'बदसूरत' हुआ करती थी : खुशी कपूर

श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी और जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर ने हाल में एक पॉडकास्ट में अपने स्कूल के दिनों की बात की। फिल्म 'आर्चीज' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत करने वाली खुशी हाल में 'नादानियां' और 'लवयापा' जैसी फिल्मों नजर आई। खुशी अपने स्टाइल और फैशन सैंस के लिए भी मशहूर है लेकिन उसका कहना है कि स्कूल के दिनों में वह इतनी सुंदर नहीं थी । उसने कहा, 'असल में, मैं स्कूल में काफी बदसूरत थी, लड़के मेरे पास आते थे और बोलते थे कि मैंने यह चिट्ठी लिखी है अपनी सहेली को दे दो ।

खुशी ने बताया कि वह समाज की सोच के हिसाब से खूबसूरत नहीं थी । उसे बचपन से ही उसकी लुक्स, रंग- रूप को लेकर कमैंट्स सुनने पड़ते थे । उसकी लुक्स का मजाक उड़ाया जाता था, इसलिए उसने पिछले कुछ सालों में अपनी कई कॉस्मैटिक सर्जरियां करवाई हैं ।

इससे पहले खुशी ने एक इंटरव्यू में कॉस्मैटिक सर्जरी को गलत नहीं बताया था और खुलकर स्वीकार किया था।

खुशी की खूबसूरती में कोई चीज सबसे ज्यादा आकर्षित करती है तो वह है उसकी घनी और बड़ी आइब्रोज लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि खुशी की ये घनी आइब्रोज जन्मजात नहीं हैं।

दरअसल, उसने ये आइब्रोज एक खास तकनीक की मदद से हासिल की हैं, जिसे 'नैनोब्लेडिंग' कहा जाता है ।

'नैनोब्लेडिंग' एक सैमी पर्मानेंट कॉस्मैटिक प्रोसैस है, जो भौंहों यानी कि आइब्रोज को अधिक घनी, सुंदर और शेप देने में हैल्प करती है।

यह तकनीक उन महिलाओं के लिए फायदेमंद होती है, जिनकी भौंहें बहुत पतली, अत्यधिक मोटी या आड़ी-तिरछी होती हैं । यह आइब्रो को परफैक्ट शेप देने वाली एक एडवांस तकनीक है, जिसे पूरा करने में केवल दो से तीन घंटे का समय लगता है। इसका असर लगभग एक से तीन साल तक बना रहता है जो इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी जीवनशैली कैसी है और आप अपनी भौंहें का कितना ध्यान रखती हैं।

# वट पूर्णिमा पर पति के साथ करें बरगद के पेड़ की परिक्रमा, सुखी रहेगा वैवाहिक जीवन!

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले वट पूर्णिमा व्रत का विशेष महत्व है। वट पूर्णिमा सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है।

हिंदू धर्म में वट पूर्णिमा के दिन बरगद के पेड़ (वट वृक्ष) की पूजा का बहुत महत्व है। इस दिन पति के साथ बरगद के पेड़ की परिक्रमा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का वास माना जाता है। इसकी पूजा और परिक्रमा करने से त्रिदेवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और पति की लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है। यह व्रत पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, सामंजस्य और विश्वास को मजबूत करता है। साथ में परिक्रमा करने से आपसी समझ बढ़ती है और वैवाहिक जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं।

ऐसी मान्यता है कि बरगद का पेड़ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इसकी परिक्रमा से घर और परिवार पर आने वाली नकारात्मक ऊर्जाओं का शमन होता है। यदि वैवाहिक जीवन में किसी प्रकार की कठिनाई या रुकावट आ रही हो, तो वट पूर्णिमा पर की गई पूजा और परिक्रमा उन बाधाओं को समाप्त करने में सहायक होती है।

पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 10 जून को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी और 11 जून को दोपहर 1 बजकर 13 मिनट पर समाप्त होगी। वट पूर्णिमा का व्रत 10 जून दिन मंगलवार को रखा जाएगा और स्नान-दान 11 जून को किया जाएगा।

### वट पूर्णिमा पर पति के साथ करें रुद्राभिषेक

रुद्राभिषेक मुख्य रूप से भगवान शिव की पूजा है, लेकिन वट पूर्णिमा पर भी पति के साथ कुछ विशेष उपाय करने से वैवाहिक जीवन सुखी रहता है।

वट पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके लाल या पीले रंग के स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पूजा की थाली में रोली, चावल, फूल, दीपक, धूप, अगरबत्ती, मौली (कलावा), फल (जैसे आम, केला), मिठाई, भीगे हुए चने, और सुहाग की सामग्री (चूड़ी, बिंदी, सिंदूर आदि) रखें।

वट वृक्ष के पास जाएं और उसे साफ करें और वृक्ष की जड़ में जल चढ़ाएं। भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव का ध्यान करते हुए वृक्ष की पूजा करें।

धूप-दीप जलाएं और रोली, चावल, फूल आदि अर्पित करें और पूजा के बाद, अपने पति के साथ वट वृक्ष की परिक्रमा करें।

परिक्रमा करते समय वृक्ष पर मौली का धागा लपेटते रहें। परिक्रमा की संख्या 7, 11, 21 या 108 हो सकती है, अपनी श्रद्धा अनुसार करें। 108 परिक्रमा अत्यधिक फलदायी मानी जाती है।

हर परिक्रमा के साथ पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करें। आप निम्न मंत्र का जाप कर सकते हैं: "अवैधव्यं च सौभाग्यं पुत्रपौत्रादि वर्धनम्। देहि देवि महाभागे वटसावित्री नमोऽस्तुते।।" या केवल "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" या "ॐ नमः शिवाय" का जाप भी कर सकते हैं।

परिक्रमा के बाद वट वृक्ष के नीचे बैठकर सावित्री-सत्यवान की कथा पढ़ें या सुनें। यह कथा पतिव्रता धर्म के महत्व को दर्शाती है।

पूजा के अंत में वृक्ष की आरती करें। इसके बाद, सुहागिन महिलाओं को सुहाग की सामग्री और फल दान करें।

घर आकर प्रसाद वितरण करें। दिन ढलने के बाद सात्विक भोजन से व्रत का पारण करें।

### सुखी वैवाहिक जीवन के लिए विशेष उपाय

वट पूर्णिमा के दिन अपने जीवनसाथी को लौंग का जोड़ा भेंट करें। इससे वैवाहिक संबंधों में मजबूती आती है और प्रेम बढ़ता है। पति-पत्नी एक-दूसरे को पान का पत्ता भेंट करें। यह आपसी प्रेम और समझ बढ़ाता है। यदि संभव हो, तो जीवनसाथी को तुलसी माला भेंट करें। इससे मन शांत रहता है, नकारात्मक विचार दूर होते हैं, और मानसिक तनाव कम होता है, जिससे दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। वट पूर्णिमा का व्रत पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करने और परिवार में सुख-समृद्धि लाने का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इसे पूरे श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाना चाहिए।

# माणिक्य को धारण करने से मिलता है राजयोग

ग्रहों के राजा सूर्य का शुभ रत्न माणिक्य है। माणिक्य को धारण करने से राजयोग बनता है, कुंडली से सूर्य का दोष मिट जाता है, इतना ही नहीं व्यक्ति के यश और कीर्ति में जबरदस्त बढ़ोत्तरी होती है। कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। माणिक्य को पहनने से आत्मविश्वास, नेतृत्व शक्ति और मानसिक मजबूती मिलती है। लीडर्स, अधिकारियों, राजनेताओं, प्रशासनिक सेवा के लोगों और अभिनेताओं को खास तौर पर इस रत्न को धारण किए हुए पा सकते हैं। आइए जानते हैं माणिक्य धारण करने की विधि और इससे होने वाले फायदे।

### माणिक्य रत्न धारण करने की विधि

माणिक्य रत्न को सोना या तांबा में धारण करते हैं। माणिक्य को सूर्य की अंगुली यानि अनामिका में धारण करते हैं। दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में माणिक्य पहनना चाहिए। माणिक्य रविवार को सुबह 5 से 7 बजे के बीच पहनना चाहिए। धारण करने से पहले माणिक्य और सूर्य देव की पूजा करें। ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। गंगाजल से माणिक्य को शुद्ध करें। मंत्र से अभिमंत्रित करके इसे पहन लें। हालांकि माणिक्य धारण करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषाचार्य की सुझाव लें।

### माणिक्य धारण करने के फायदे

माणिक्य पहनने से आत्मबल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। नकारात्मक सोच दूर होती है। भीतर से शक्ति और साहस की अनुभूति होती है।

जो व्यक्ति माणिक्य पहनता है, उसके यश और कीर्ति में वृद्धि होती है। बुरी नजर से सुरक्षा होती है। भ्रम, शंका और असमंजस खत्म होता है।

माणिक्य धारण करने से नेतृत्व और निर्णय क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। राजनीति, प्रशासन, सेना, प्रबंधन आदि में कार्यरत लोगों के लिए यह रत्न वरदान की तरह है।

माणिक्य पहनने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। हृदय, आंख और रक्त संबंधी समस्याओं में लाभकारी हो सकता है।

सूर्य के रत्न माणिक्य को पहनने से राजयोग बनता है। भाग्य वृद्धि होती है और कार्य में सफलता मिलती है। सूर्य दोष मिटता है।

माणिक्य धारण करने से सरकारी कार्यों में सफलता मिलती है। पिता का सहयोग प्राप्त होता है। संकट में पिता से मदद मिलती है।

इस रत्न को पहनने संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। संतान से जुड़े सम्मान और गर्व में बढ़ोत्तरी होती है।

## जैसे कर्म के बीज बोएंगे, वैसे ही फल मिलेंगे सम्मान देने से मिलती है प्रसन्नता और प्रेम

आज **जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि** के जीवन सूत्र में जानिए जीवन में संपन्नता कैसे मिलती है?

खेत में जो बीज बोते हैं, उसी की फसल हमें मिलती है, ठीक इसी तरह जीवन भी एक खेत की तरह ही है। जीवन में हम जैसे कर्म के बीज बोते हैं, वैसे ही फल हमें मिलते हैं। अगर हम सम्मान का बीज बोते हैं, दूसरों का सम्मान करते हैं तो हमें भी फल के रूप में प्रसन्नता, प्रेम, लंबी उम्र और विद्या की प्राप्ति मिलती है। आदर करने वाले व्यक्ति के पास बड़ा लोक संग्रह होता है।

# दो महीने तक मंगल रहेगा भारी राशि अनुसार जल्द शुरू कर दें उपाय

मंगल का राशि परिवर्तन आज 7 जून को हुआ है। मंगल ने सिंह राशि में गोचर किया है। 28 जुलाई को रात 8 बजकर 11 मिनट तक मंगल सिंह राशि में रहेगा। मंगल का यह राशि परिवर्तन आपके लिए 2 माह तक परेशानी वाला हो सकता है। मंगल के कारण तनाव, दुर्घटना, खराब सेहत, आगजनी, वाद विवाद की स्थिति बन सकती है। मंगल का यह गोचर मेष से मीन तक की सभी 12 राशियों पर प्रभाव डालने वाला है। मीन को छोड़कर पर सभी पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होने की आशंका है। ऐसे में आप आज से ही मंगल ग्रह के उपाय करने प्रारंभ कर दें। आइए जानते हैं राशि अनुसार मंगल ग्रह के उपाय।

राशि अनुसार मंगल ग्रह के उपाय

**मेष राशि:** आपकी राशि के लोगों को प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। उसके बाद गुड़ और चना का दान करें। आपका क्रोध पर नियंत्रण होगा और ऊर्जा संतुलित होगी।

**वृषभ राशि:** आपकी राशि के जातक मंगलवार को मसूर दाल और लाल कपड़े का दान करें। मंगल के शुभ प्रभाव से पारिवारिक सामंजस्य बढ़ेगा।

**मिथुन राशि:** मंगल को प्रसन्न करने के लिए आप लाल फूल से हनुमान जी की पूजा करें। फिर तांबे के किसी बर्तन का दान करें। इससे रक्तचाप ठी होगा और वाणी में शुद्धता आएगी।

**कर्क राशि:** आपकी राशि के जातकों को शिवलिंग पर जल अर्पित करना चाहिए और लाल चंदन का लेप लगाना चाहिए। इससे आपका भय और असुरक्षा दोनों ही खत्म होंगे।

**सिंह राशि:** मंगल के शुभ प्रभाव के लिए सिंह वाले मंगल के मंत्र का जाप करें। उसके बाद लाल मसूर का दान करें। इससे आपके नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी।

**कन्या राशि:** आपकी राशि के लोग शिव जी का अभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी की विधिपूर्वक पूजा करें। मंगल के शुभ प्रभाव से करियर में स्थिरता आएगी। रोग मिटेंगे और शांति प्राप्त होगी।

**तुला राशि:** तुला वालों को मंगल को ठीक करने के लिए सुहाग सामग्री का दान करना चाहिए। आप चाहें तो रक्त दान भी कर सकते हैं। इससे वैवाहिक जीवन में संतुलन आएगा।

**वृश्चिक राशि:** आपकी राशि के लोगों को कम से कम 5 मंगलवार तक गुड़ और तांबे का दान करना चाहिए। इससे अचानक दुर्घटनाओं से बचाव होगा। कोई अनहोनी नहीं होगी।

**धनु राशि:** मंगल के उपाय में आप मंदिर में लाल फूल चढ़ाएं और रूद्राभिषेक करें। इससे आपको भूमि संबंधित मामलों में सफलता मिलेगी।

मकर राशिः आपकी राशि के लोगों को लाल चंदन का तिलक लगाना चाहिए और मंगल मंत्र जाप करना चाहिए। इससे कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत मिलेगी।

**कुंभ राशि:** मंगलवार के दिन आपके लिए लाल मिर्च और मसूर दाल का दान करना उत्तम रहेगा। इस उपाय को करने से गुस्सा कम होगा और बेचैनी में सुधार होगा।

मीन राशिः मीन राशिवालों को शिव मंदिर में जाकर हनुमान जी के दर्शन करना चाहिए। उसके बाद रक्त दान करना चाहिए। इस उपाय से आत्मबल बढ़ेगा और भय दूर होगा।

# कुंडली में सूर्य दोष से हैं परेशान तो रविवार को करें ये अचूक उपाय

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देव को समर्पित होता है। रविवार के दिन सूर्य देव की उपासना की जाती है। सूर्य देव की कृपा से व्यक्ति जीवन में खूब तरक्की करता है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति हमेशा निरोग रहता है। कुंडली में सूर्य मजबूत हो, तो जीवन में सुख, संपत्ति और यश की प्राप्ति होती है। और अगर कुंडली मे सूर्य कमजोर हो मानसिक, शारीरिक, आर्थिक ऐसी कई परेशनी देखने को मिलती है। आइए उज्जैन के आचार्य से जानते है सूर्य को प्रसन्न करने के लिए कुछ अचूक उपाय।

**रविवार को जरूर करें यह कार्य**

– धार्मिक मान्यताओं की मानें तो कुंडली में सूर्य ग्रह कमजोर होने पर जातक को रविवार के दिन गुड़, दूध, चावल और कपड़े का दान करना चाहिए, इस उपाय को करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती हैं।

– रविवार को सूर्यदेव को लाल रंग अति प्रिय है।ऐसे में रविवार को लाल रंग के वस्त्र धारण करके उनकी पूजा करना शुभ होता है, साथ ही इससे जीवन में खुशियों का वास होता है।

– रविवार को घर के मुख्य द्वार पर घी का दीप जलाकर रखने से धन की देवी मां लक्ष्मी और सूर्य देव प्रसन्न होते हैं,जिसे आपके घर मे धन समृद्धि प्राप्त होती है।

– रविवार के दिन सूर्य देव को तांबे के बर्तन मे जल, लाल फूल, अक्षत,दुब अर्पित करें साथ ही ॐ सूर्य देवाय नमः का जाप मन मे करते रहे।

रविवार को भूल से भी ना करें यह कार्य

– रविवार के दिन तांबे से बनी हुई चीजें और सूर्य देवता से सम्बंधित चीजों को नहीं बेचना चाहिए। इससे कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर होती है और मान-सम्मान की हानि होती है।

– रविवार के दिन पश्चिम और वायव्य दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इस दिन इस दिशा के लिए दिशा शूल रहता है। अगर रविवार के दिन किसी कारणवश इन दिशाओं में यात्रा करना ही पड़े तो घर से दलिया, घी या पान खाकर घर से निकलना चाहिए।

– रविवार के दिन कपड़ों के रंग पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दिन नीले, काले, कत्थई, काले या नीले रंग से मिलते-जुलते कपड़े भी नहीं पहनना चाहिए।

– रविवार के दिन व्यक्ति को बाल भी नहीं कटवाने चाहिए। ऐसी मान्यता है कि रविवार के दिन बाल कटवाने से सूर्य कमजोर होता है।

# विदाई का गलत समय कर सकता है अनहोनी का संकेत

शादी सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि दो परिवारों का जुड़ाव होती है। इस पवित्र रिश्ते की शुरुआत में एक अहम पल होता है विदाई। बेटी या बहू की विदाई हर घर के लिए भावनाओं से भरा होता है, लेकिन इस भावनात्मक पल में एक बात का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है विदाई का सही समय, यानी शुभ मुहूर्त। अगर इस एक छोटी-सी बात का ध्यान रखा जाए, तो बेटी की जिंदगी में खुशियां ही खुशियां भर सकती हैं।

अक्सर लोग सोचते हैं कि विदाई तो एक परंपरा है, किसी भी समय की जा सकती है, लेकिन पंडितों और ज्योतिष से जुड़े जानकारों का मानना है कि अगर विदाई सही समय पर न हो, तो उसका असर लड़की की जिंदगी और पूरे परिवार पर पड़ सकता है। कई बार ये गलत समय भविष्य में परेशानी का कारण बन जाता है।

### घर में बरकत और शांति

जब बेटी या बहू को शुभ समय में विदा किया जाता है, तो घर में शांति

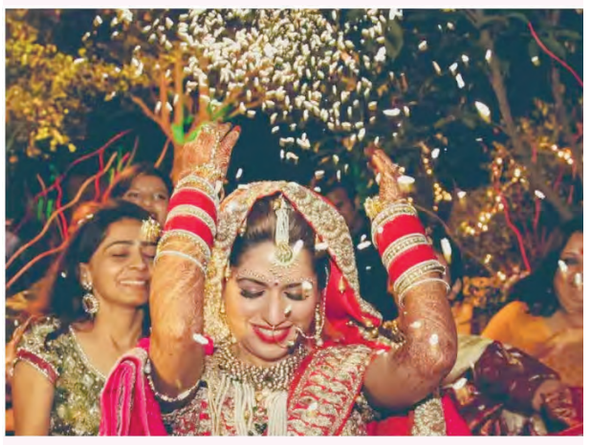

बनी रहती है। ऐसे समय में की गई विदाई को सौभाग्यशाली माना जाता है। पंडितों के अनुसार, यह घर की बरकत और सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखता है।

### लड़की का जीवन सुखद

शुभ मुहूर्त में विदा होने वाली लड़की का वैवाहिक जीवन आमतौर पर सुखद रहता है। उसका ससुराल के लोगों से तालमेल बेहतर बनता है और रिश्तों में मधुरता बनी रहती है।

### बुरी शक्तियों से बचाव

कुछ समय जैसे बुधवार, शनिवार या फिर खरमास जैसे विशेष काल में विदाई करना अशुभ माना जाता है। इन दिनों में नकारात्मक ऊर्जा अधिक सक्रिय रहती है, जिससे लड़की या उसके ससुराल पर बुरा असर पड़ सकता है।

### रिश्तों में सामंजस्य

अगर शुभ समय पर विदाई नहीं की जाती तो कई बार देखा गया है कि लड़की को ससुराल में तालमेल बैठाने में दिक्कत आती है। रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है और आपसी समझ कमज़ोर हो सकती है।

अगर मुहूर्त का ध्यान न रखा जाए तो क्या हो सकता है?

**सड़क यात्रा में परेशानी:** बुधवार जैसे दिन यात्रा करना कुछ मान्यताओं के अनुसार ठीक नहीं माना जाता। ऐसे दिन विदाई करने पर रास्ते में दुर्घटना या तकलीफ की संभावना बढ़ जाती है।

**नकारात्मक असर:** घर में अशांति या आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। कई मामलों में ससुराल में बार-बार झगड़े या तनाव का माहौल भी बन सकता है।

**स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें:** कुछ लड़कियों को विवाह के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं और इसका संबंध विदाई के समय से भी जोड़ा जाता है।

# घर में धन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं दूर, हल्दी के डिब्बे में रखें ये चीजें

### एक सिक्का- चांदी या तांबे का

हल्दी के डिब्बे में एक चांदी या तांबे का सिक्का रखने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। चांदी को चंद्रमा और शीतलता का प्रतीक माना जाता है, जो मानसिक शांति और स्थिरता लाता है। तांबा मंगल ग्रह से जुड़ा होता है और यह ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है।

### पीली कौड़ी

कौड़ी को प्राचीन काल से ही धन और वैभव का प्रतीक माना गया है। खासकर पीली कौड़ी को लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने में सहायक माना जाता है।

हल्दी के डिब्बे में पीली कौड़ी रखने से धन आगमन में वृद्धि होती है और आर्थिक संकटों से मुक्ति मिलती है।

### थोड़ा सा केसर

केसर भी शुभता और समृद्धि का प्रतीक है। यह न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र माना जाता है बल्कि इसकी खुशबू भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। केसर को हल्दी के साथ रखने से इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

### लाल चंदन

रक्त चंदन को देवी-देवताओं की पूजा में विशेष स्थान प्राप्त है। इसे हल्दी के साथ रखने से गृह क्लेश और धन संबंधित बाधाएं दूर होती हैं। यह उपाय विशेष रूप से तब प्रभावी होता है जब व्यापार में रुकावटें आ रही हों।

### एक छोटा सा पीले कपड़े का टुकड़ा

पीला रंग गुरु और लक्ष्मी दोनों से संबंधित होता है। पीले कपड़े के छोटे टुकड़े में हल्दी बांधकर डिब्बे में रखने से यह एक यंत्र का कार्य करता है, जो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखता है।

# टाइगर का नया घर : बाघ अभ्यारण्य

अतुल कुमार

आये दिन टाइगर रिसर्व ( बाघ अभयारण्य ) से संबंधित समाचार प्रकाशित होते हैं. शायद ही कोई बचपन हो जिसमें बच्चों को टाइग़र या शेर से संबंधित कथाएं , किस्से और कविताएं न सुनायी गयी हो . शेर जंगल का राजा है अतः उसके बारे में ऐसी धारणा का होना स्वाभाविक है. राष्ट्रीय पशु भी है . ईको टूरिस्म का बडा हीरो वही है जिसे देखने लोग उत्सुक रहते हैं . साहसी , बलवान और मां दुर्गा का वाहन है . इसलिये माता दुर्गा का एक नाम शेरां वाली माता भी है .पशु विशेषज्ञों के अनुसार शेर या बाघ जंगल में दहाडता है तो उसकी अवाज़ दो कि मी . तक सुनायी देती है .हवाओं के रुख को भांपने और सूंघने की अदम्य शक्ति होती है . जंगल में उसका शिकार कहां है जल्द ताड लेता है . 48 कि मी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड अपने शिकार को पकडता है . साहसी इतना कि किसी भी संकट में घिर हार नहीं मानता और उससे उबरने मे माहिर होता है इसलिये आज भी लोगों के बीच बहादुरी दिखलाने वाले को " शेर दिल " कहा जाता है .

बाल कथाओं का सबसे बडा हीरो वही है . गुज़रे ज़माने में लोगों के घरों में बंदूक के साथ शेर की खाल या उसके शिकार की फोटो को बडी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता जो इस बात का प्रतीक होता कि वह बहादुर हैं . भारतीय भाषाओं में लिखी रोमांचक शिकार कथाओं में भी उसका विस्तार पूर्वक दिलचस्प वर्णन होता जो पाठकों में सनसनी पैदा करता पाठक उन स्टोरीस को पढ लोगों को उसका बखान करते. सर्कस का असली हीरो वही होता जिसे कई पिंजरों में बंद कर दर्शकों के सामने लाया जाता तो अपने रिंग मास्टर के बताये करतबों को प्रदर्शित करता जिसे देख दर्शक आनंदित होते. वह भी उनके अभिवादन से मुग्ध होता.

टाइगर का स्वभाव शर्मीला होता है ,जब तक न छेडो तब तक अपने असीम बल और अन्य कलाओं पर कोई अकड या गुस्सा नहीं बताता शांत भाव से जंगल का राजा अपने आसपास की गतिविधियों को देख उन पर नज़र रख खुश रहता है . पक्षियों से उसकी गहरी दोस्ती होती है उन्हीं की चहचहाहट में संगीत का भरपूर मज़ा लेता है . दर असल आज जितने भी जंगल बचे हैं उसका श्रेय उसी को है . जंगलों में मस्ती खोरी कर अपना दिल बहलाता है . नहाने नदी में उतरता है तो 4- 5 घंटे जल के बीच रहता है साफ सफाई को पसंद करता है . मल मूत्र के लिये दूर दराज की झाडियों या गीले स्थान का इस्तेमाल कर अपने पंजों की सफाई करता है .जिस स्थान या गुफा में रहता है वहां स्वच्छता को देख चुनता है .उसकी ताकत उसकी दहाड में नहीं बल्कि उसके आत्म विश्वास में होती है . अन्य बिल्लियों में सबसे बडी बिल्ली उसे माना गया . टाइगर का वज़न 300 से 350 पाउंड होता है इसलिये शिकार पर झपटता है तो ज़मीन पर पटक देता है . निशाचर जानवर है अर्थात दिन में सोता है और रात में घूमता है प्रायः अपना शिकार रात में करता है. हरी भरी घास या साफ जगह को अपना डाइनिंग टेबल बना मज़े से डिनर करता है . मनुष्यों और अन्य जानवरों से बचने के लिये रात में शिकार कर खाता है . सयाने लोगों की तरह किसी भी परेशानी या झंझटो से बचता है . डिनर के बाद मस्ती से ठंडा पानी पी डकार ले चहल कदमी करता है . खाने के बाद शिष्टाचार वश अन्य पशु पक्षियों के लिये भोजन छोडता है और फुफकारता है जिसको सुन अन्य पशु पक्षी खाने के लिये आ जाएं . सप्ताह में एक ही बार 18 से 20 किलो भोजन गोश्त के रूप में खाता है . स्वाभिमानी इतना कि किसी दूसरे के किये शिकार को छूता तक नहीं अपना शिकार खुद कर खाता है .

टाइगर जितना भी खतरनाक हो दिलचस्प होता है जिसकी हर ऐक्टिविटी में राजसी ठाठ बाट और बर्ताव होता है जंगल के राजा के अनुरूप सभी गुण उसमें विद्यमान हैं .तेज़ आंखों से जंगल की सीमाओं की निगरानी पर नज़र रखता है मनुष्यों की फिंगर प्रिंट की तरह दो बाघों की धारियां एक जैसी नहीं होतीं इसलिये हर बाघ अनोखा है

बिल्कुल इंसानों की तरह .उसकी धारियां अलग अलग होती हैं .वन्य जीवन के जानकारों के अनुसार 20 वी शताब्दी तक देश में प्रचुर मात्रा में बाघों की संख्या थी लेकिन जैसे जैसे फर्नीचर उद्योग बढने लगा और लोगों ने लकडी के लिये जंगल का रुख किया जंगल कटने लगे और शहरों का बेतहाशा विस्तार हुआ जिससे टाइगर गायब होने लगे . सन 1960 तक यह संख्या घट कर 3 से 4 हज़ार रह गयी . इसी को ध्यान में रख सन 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत हुई .जिसे टाइगर संरक्षण के रूप में शुरु किया गया इसका उद्देश्य टाइग़र रिसर्व के माध्यम से उनकी घटती आबादी को रोकना और उसे बढावा देना है . जिससे निर्भीक ,निश्चिंत और नो टेंशन की स्थिति में वह रह सकें उनकी उम्र 12 से 16 वर्ष मानी गयी .

इनके संरक्षण के लिये बाघ अभ्यारण ( टाइगर रिसर्व ) स्थापित किये गये जिसमें लुप्त हो रहे बाघों को विलुप्त होने से बचाया जा सके .पशुओं के जानकारों के अनुसार टाइगर की 9 प्रजातियां थीं जिनमें से 3 विलुप्त हो चुकी हैं उनको बचाने और आबादी को बढाने के लिये टाइग़र रिसर्वस को स्थापित कर उपयुक्त माना गया जहां वह मनमाने नैचुरल तरीके से रह सकें .देश में विभिन्न प्रदेशों में अभी 58 बाघ अभ्यारण्य हैं . जिसमें उसकी गुज़र बसर के लिये लंबे परिधि क्षेत्र को निर्धारित किया गया जैसे तेलंगाना के कंवल टाइगर रिसर्व का एरिया लगभग 3568 स्क्वायर कि मी है .

टाइगर परिवार प्रेमी होते हैं अपने शावकों ( बच्चों ) का ध्यान रखते हैं एक साल तक उनकी देखभाल और परवरिश करते हैं इस दौरान पंजों को तेज़ बनाने के लिये पेड पर चढने , नहाने के लिये नदी पर ले जाने , शिकार कर खाने , शत्रुओं से बचने और जंगल का साम्राज्य चलाने , दोस्त दुश्मन को पहचानने की ट्रेनिंग नर टाइगर करता है तो उनकी मां , उनको खाने ,निवृत होने , आचरण पूर्व व्यवहार करने , गुर्राने ,फुफकारने और दहाडने ,अकेले रहने शिकार के पंखों व चमडे को निकाल खाने की ट्रेनिंग देती है . पक्षी टाइगर के बडे हितैषी मित्र होते हैं .तूफान , बाढ , अकाल और शत्रु के आने की पूर्व सूचना जंगल के राजा को वही देते हैं जिससे कि सतर्क हो जाये .वह भी उनकी आवाज़ के संकेतों को जानते हैं .

डेढ साल या 18 महीने माता पिता के साथ गुज़ारने के बाद बच्चे अपने कामों पर लग जाते हैं . जहां भी हों दहाडने पर माता पिता पहुंच जाते हैं .मां बाप के बूढे होने और शिकार के लिये असमर्थ होने पर शावक ( बच्चे ) उनके भोजन की व्यवस्था करते हैं . ज़ख्मी होने पर उनकी नुकीली जीभ मरहम का काम करती है . इंसान की पीछे से वार करने की मक्कारी भरी आदत से वाकिफ होते हैं इसलिये पीठ ,पैर , कान और दुम की खास संभाल रखते हैं . शावकों ( बच्चों ) के पकडे जाने या शिफ्ट होने की सूचना को उनकी दहाड से समझते हैं और बेचैन होते हैं . ज़ुआलाजिकल पार्क के पिंजरों या परिधि में बंद टाइगर को देखना और दहाड सुनना वहां जाने वालों का मुख्य आकर्षण होता है क्यों कि वह जंगल और जंतुओं का राजा शेर है .देश में उनकी आबादी अभी केवल 3682 है अतः उनका संरक्षण ज़रूरी है .

पर्यावरण , जल , वन, वृक्ष और जंतु क्या क्या संरक्षण कीजियेगा ! ऐसी नौबत क्यों आई और आ रही है सोचियेगा ? किसी ने खूब कहा " इंसान की फितरत है जानवर कहो तो नाराज़ होगा / और शेर कहो तो खुश होगा " टाइगर रिसर्व उसी खुशी को बचाने की पहल है .

# काव्य कुंज

## चेहरे पे चेहरा

संजुला सिंह
जमशेदपुर

हर पल चेहरे पे चेहरा
लगा के घूमता है इंसान ,
खुद के किए वादे को बड़ी
असानी से भूलता है इंसान ।
आज के इंसानों की
बनी यही कहानी है
झूठ को ही अपनी
बनाया जिंदगानी है।
झूठ में ही जीने को ये
समझते हैं अपनी शान
औरों को बरगला कर कहे
मेरी बड़ी लंबी है पहचान ।
ऐसा करके पहले तो ये
सच में जीत जाते है, पर
जब इनकी पोल खुलती
तो मुंह छुपाए फिरते हैं।
ऐसे कृपण इंसान की
ना होती है कोई शान
ये खुद के ही हाथों चढ़ाते
अपनी इज्जत को परवान ।

## पीओके ले कर मानेंगे

कुमुद बाला,
हैदराबाद

इंसानियत के दुश्मन,ये नरपिशाच , कभी नहीं सुधरेंगे,
नहीं मानेंगे हम भी जबतक , पी ओ के नहीं ले लेंगे।
अखंड भारत का सपना ,
अखंड ही रहेगा
है हमारा पी ओ के ,
नारा , बुलंद ही रहेगा
समझौता सिंधु नदी का रद्द ,
बंद ही रहेगा
राष्ट्र में आतंक पर ,
पाबंद ही रहेगा
गर तुम जब पहल करोगे घर में , घुस कर वहीं मारेंगे,
इंसानियत के दुश्मन,ये नरपिशाच , कभी नहीं सुधरेंगे,
हम भी नहीं मानेंगे जबतक , पी ओ के नहीं ले लेंगे।
पंडितों का घर उजाड़,तुमने आतंक फैलाया
बलोचों को तुमने , उनके ही , घर में सताया
सिंधियों की भी , तुमने ही बंद कर दीं साँसें
स्लीपिंग सेल बन देश में,अबतक हमें डराया
अब डरो हमारे ब्रम्हास्त्र से , हम तुमको नहीं छोड़ेंगे,
इंसानियत के दुश्मन,ये नरपिशाच , कभी नहीं सुधरेंगे,
हम भी नहीं मानेंगे जबतक , पी ओ के नहीं ले लेंगे।
उन्हें भी हम बुहारेंगे जो , देश के गद्दार हैं
निकालेंगे उन्हें भी जो , हमारे गुनहगार हैं
खाकर देश की रोटी वे,पड़ोसी का गाते हैं
नाकों चने चबवाएँगे,जो देश में मक्कार हैं
देश में रोटी खाने वालों , अब तुमको हम सुधारेंगे,
इंसानियत के दुश्मन,ये नरपिशाच , कभी नहीं सुधरेंगे,
हम भी नहीं मानेंगे जबतक , पी ओ के नहीं ले लेंगे।

## आशियाना

टी तारासिंह
हैदराबाद

मुस्कुराने की वजह किसी से पूछ लो !
जीने की वजह किसी से पूछ लो !
सब ने हमेश खुश रहने को बताया
किसी के हसने से हमको खुशियाँ मिल जाये तो
पूरा दिन हमारा गुजर जायेगा सुहाना
रात को निले बादलो तले
सुहाना आशियाना बना लेगे
स्वर्ग से सुन्दर होगा हमारा आशियाना
जीने की वजह बन जायेगा हमारा आशियाना
एक साथी चाहिए जिंदगी के लिए एक हमसफर चाहिए
सतरंगो से सजा लेगे हमारे आशियाने को
सपने छोटे है मगर उनको साकार कर लेगे
जिंदगी के हर एक पलो का आनंद लेगे
ए जिंदगी तुझे सलाम ए आसमां तुझे सलाम ।।

## बारिश की बूँद

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

आज बारिश बूँद
सिर पर गिर हलचल मचा गई।
दिल के गलियारे में
यादों की बारात सजा गई।।
आकाश में चमकती
बिजली और अंधेरी रात,
बापू बांहों में कैद होने की हसरत जगा गई।
याद आया बचपन सुहाना,बारिश पानी में नहाना,
बारिश पानी में कागज नाव का सपना सजा गई।
बारिश में साथियों संग एक ही छाते की दुनिया ,
एक ही छतरी में साथियों की पूरी टोली समा गई।
स्मरण हो आई धीरे धीरे बरसात की हसीन रातें,
दुनिया से बेखबर प्रणय मिलन का शमा बंधा गई।
बारिश पानी को बाल्टी में भरना, जल संचयन,
बचपन की वो बारिशें संघर्षों में जीना सीखा गई।

## हाथों की लकीरें

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

बहुत कुछ कहती है।
हाथों की लकीरें।
मेहनत करो तुम अगर,
तो बन जाती तकदीरें।
हाथों की लकीरें तो,
एक इशारा है।
ठान लो तुम अगर तो,
तूफ़ान में किनारा है।
गिरना संभलना ज़रूरी है।
धूप छांव भी ज़रूरी है।
सूखा बारिश भी चाहिए,
खेत खलिहान भी जरूरी है।
कर्मों से लकीरें बदल सकते हो।
क़िस्मत को रौशन कर सकते हो
मत रोना बदकिस्मती का कभी,
तुम चाहो तो आसमान,
जमीन पर ला सकते हो।
कोई सितारा टूट जाने से,
आसमान खाली नहीं होता।
एक बार बिगड़ जाने से,
काम खत्म नहीं होता।
निरंतर प्रयास करते रहो तो,
कदमों तले मंजिल होगी।
कारवाँ भी साथ होगा तुम्हारे,
पैरों की टूटी जंजीर होगी।
हिम्मत जहां होती है।
रास्ते वहीं आसान होते है।
कौन कहता है हम, गुलाम है लकीरों के।
तकदीरें तो अपने कर्मों में,
छुपी होती है। बंद मुट्ठी में ही तो, बंधी तक़दीरे होती है।

## ये निजी शेर हैं सबको सुनाते भी नहीं

संजीव ठाकुर,
रायपुर

ये नहीं है के महफिल सजाते नहीं
आजकल हमको भी बुलाते नहीं।
इश्क अपनी जगह हुश्न अपनी जगह
रूठे रहने दो उन्हें हम भी मनाते नहीं।
ये अलग रंग है अब उनकी कहानी का
प्यार जरूर करते फिर भी जताते नहीं।
नाज नखरे ये अदाएं सब किसके लिए
हमें तो फकत कॉफी भी पिलाते नहीं।
कुछ लिखे हैं बहुत खास तुम्हारे लिए
ये निजी शेर हैं सबको भी सुनाते नहीं।
संजीव शोर सुना तेरी खनकती पायल का
क्यों वो प्यारी गजल मुझे भी सुनाते नहीं।

## आंसुओं का पुल

डॉ टी महादेव राव

सारे दिन एक से नहीं होते
अप्रत्याशित संदर्भों से
मेरे सपनों के साम्राज्य में
आंसुओं के बांध खुल गए हैं
यहां जो सैनिक है
पूरे संकल्प के साथ युद्ध करता है
जीतने के लिए थोड़ी सांत्वना
थोड़ी कुशलता मिलकर
समय से लड़ते हैं
बहुत सी खुशियां खोकर भी
कई अंधेरे पाकर भी
ताकत को साहस के साथ आगे
बढ़ाने से ही युद्ध शुरू हुआ
चांदनी देखने के आदी लोगों को
आंसुओं को देखना पसंद नहीं
मुश्किलों के उस पार
जीत बुलाती है
एक और शिखर पाने को कहती है
समय जो नही है हमारे
हमें थपथपाते हैं
चिंताओं को निगलते हुए
हासिल की गई जीतों पर खड़े होकर
खुशियों को फहराना जी तो जिंदगी है
आंसुओं की बांध लांघकर
विश्वास को नींव बनाकर जीतना
हार हो जीत आगे बढ़ते रहना
मंजिल हासिल करना
पलों को चमकाते लक्ष्य ही
जीवन को चलाती है उजालों में।।

## दो वक़्त की रोटी

कमलेश झा

दो वक़्त की रोटी
जीवन में कितनी ज़रूरी ।
यह बात वही जाने
जिसकी थाली अधूरी ।।
ना ताज चाहिए, ना चाहिए तख्त ,
ना ज़ेवर, ना चाहिए वस्त्र ।
जीवन की बस इतनी दरकार है, दो वक़्त की रोटी हर बार ।।
सुबह उगे सूरज की किरणें, नव आशा की बातें करती ।
पर जब खाली हो पेट , तो रोशनी धुंधली सी लगती ।।
दिन भर की मेहनत के बाद, शाम को थाली जब सजती ।
तो रोटी के हर टुकड़े में, ईश्वर की मूरत दिखती ।।
ना धन-दौलत की बात करें, ना ऊँचे महलों की चाह करें।
जब भूख लगे तो सबसे पहले, बस रोटी की ही बात करें।
सुबह हो या साँझ ढले, पेट की आग हर ओर जले।
न तन माने, न मन माने, जब भूख लगे तो दिल कुछ न जाने।।
जो रोटी को हल्के में ले, वो जीवन की सच्चाई से अंजाने।
रोटी हीं वो सेतु है, अमीर-गरीब का जो भेद न माने ।।
भूख बड़ा है हर धर्म से, मानता नहीं मजहबी दीवार।
चूल्हे की बुझती आँचों में, सुलगते हैं जीवन के तार।।
बच्चा हो या बूढ़ा बाप , हर घर में रोटी का सहारा।
माँ के आँचल की ये माया,जहां रोटी में भरकर प्यार समाया।।
जब इज्जत से थाली को परोसी जाए,तो रोटी भी रिश्ते निभाए।
वरना भूख में लड़ते इंसान,
छीन झपटी में लें एक-दूजे की जान।
ना रेशम, ना मखमल का बिस्तर, ना ऊँची महलों की चाह।
जिसके पास दो वक़्त की रोटी , उसको कह सकते राजा जी आप ।।
जिसने झेली हो भूख की पीड़ा, वो जाने हर कौर की बात।
दो जून की रोटी में छिपी है, जीवन की असली सौगात।।
इसलिए कहूँ —
दो वक़्त की रोटी हो पूरी, बस इतनी सी बात ज़रूरी।
रोटी हीं है जीवन का सार, रोटी के बिन जीवन बेकार।

## क्या बेचकर खरीदें

सोचा था कल बड़ी सुहावनी होगी भोर
झूम कर नाचेगा, इठलाएगा मन मोर
पलकें खोली, तम तिमिर अवसाद विषाद
अर्थी पर पड़ा अकेला, विभीषिका घनघोर
थे सभी के अपने अपने दावे,
कभी ताल ठोका करता,आज मझधार में
क्या बेचकर खरीदें तुझे ऐ जिंदगी
सब कुछ तो गिरवी पड़ा है
जिम्मेदारी के बाजार में
था तो कोरा केनवास,
संध्या होते होते उलझी हुई
रेखाओं से भर जाता है
प्लान तो नया सोचा जाता है,
नवीन समीकरणों से भर जाता है
इसी मध्य बचपन से जवानी
और फिर बुढ़ापा आ जाता है
लेकिन यह सिलसिला थम नहीं पाता है
हुई भोर, चलें
नहीं नहीं अभी नहीं , अंततः लिपटा अंधियारों में
क्या बेचकर खरीदें...
मैं जाना दुःख मुझको, दुःख संबाईया जग
उंचे चढ कर देखिया, घर घर इहो अग
हां कोशिश तो की जाती, शांत हो जाए
हांफता कांपता, चढ जांदे ने खंब
जब तक समझता, उलझ कर रह जाता तीरो ओ तार में
क्या बेच कर खरीदें...

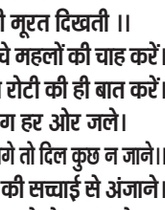

दर्शन सिंह
हैदराबाद

## आभार

हेमंत सुराना,
उदयपुर

इंसान तुम पैदा हुए,
करो ईश्वर का आभार
शिक्षा तुमने अच्छी पाई,
करो गुरुदेव का आभार
सेवा भाव और समर्पण ,
करो माता-पिता का आभार
जीवन में रोशनी पाई ,
सूर्य किरणों का आभार
भटकते मुसाफिर को राह दिखाई,
पथप्रर्दशक का आभार
जीव जंतु ने जीवन पाया,
कण कण सृष्टि का आभार
स्वस्थ रहने का प्यार मिला,
हृदय प्रफुल्लित का आभार
आभार कैसे व्यक्त करूँ ,
अल्फाज नहीं है मेरे पास
अपने पैरों पर खड़ा हो जाऊं,
बनु न किसी पर मैं "भार"
बनु न किसी पर मैं "भार" ।

## अक्सर लोग पूछते हैं...

डॉ डी डी देसाई

अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
स्टेथोस्कोप गले में लटकाए,
लोग डॉक्टर बने बैठे हैं।
और तुम श्यामपट्ट पोंछ रहे हो।
किसी की नब्ज पकड़ी....
किसी के खून की ताप्तीश की....
सुइयों से छलनी की भुजाएँ गरीबों की,
पैसों की गड्डियाँ बनवा रहें हैं।
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
कोई वकील कोई मैकैनिकल..
कोई सिविल इंजिनियर बने बैठे हैं।
और तुम खड़िया घीस रहे हो।
जिराफ की गरदन सी नुकिली इमरातें,
कहीं हवा में झूलता पुल बनाया।
गाँव की ड़गर बनी नगर सी सड़कें,
समंदर पर भी गाड़ियाँ दौड़ाने लगे हैं।
खेल,खिलौने, इंजन.. कंप्यूटर बना कर,
नई नई कारों में घूमने लगे हैं।
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
लोग न जाने क्या क्या बने बैठे हैं...
और तुम किताबों के पन्ने पलट रहे हो।
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
कोसते हैं .. मज़ाक उड़ाते रहते हैं।
पर मुझे गर्व है...खुद के शिक्षक होने पर।
खुद का घर नहीं सजाया.. पर
अनगिनत छात्रों का जीवन संवारा हूँ,
सफल जीवन की बुनियाद रखता हूँ।
न सड़क बनी मुझसे न पुल बना कभी,
पर युवाओं की फ़ौज देश को दी है।
आदर्श जीवन की सीख दी है।
मुट्ठीभर धन संचय नहीं कर पाया...पर
अनगिनत छात्रों के दिलों में जगह बनाई है।
और हाँ..
जिन डॉक्टर, इंजिनियरों का बखान करते
तुम थकते तक नहीं हो।
उनको भी पाठ मैंने ही पढ़ाया है।

## सैलाब

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

भावनाएं जब उमड़ती हैं,
आंसुओं का सैलाब लाती हैं,
दिल के धरातल पर,
अरमानों का ऊफान सा लाती हैं,
नमी से भीग जाती है दिल की ज़मीं,
और आंखों से लग जाती है झड़ी।
भीड़ का सैलाब जब परवान चढ़ता है,
एक हुजूम,एक तूफान लिए चलता है,
कभी जोश की सरगर्मी, तो कभी,
क्रोध का घमासान लिए चलता है।
कभी एक नयी क्रांति का परचम लहराता है,
तो कभी, एक युग परिवर्तन का उद्घोष सुनाता है।।
उमड़ती इठलाती नदी का सैलाब,
अपनी प्रबल धारा के साथ,
कितनी ही लहरों को आगोश में समेटे,
समंदर की गहराई में समा जाता है हर बार।
वक्त का सैलाब आहिस्ता-आहिस्ता,
कितनी ही स्मृतियों और यादों को लेकर,
विलुप्त होता जाता है हर बार,
बनाकर एक नया इतिहास।
हिम्मत न हार ऐ मांझी ग़र सैलाब आये,
संभालकर पतवार हाथों में,
कर नये किनारे की तलाश,
कर नयी भोर का इंतजार।।

## व्यवहार

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

व्यवहार
शोभित हो सद्व्यवहार,
व्यवहार ही हो सदाबहार,
श्रेष्ठ व्यवहार ही है होनहार,
सात्विक व्यवहार ही है कंठहार,
नेक व्यवहार की ना होती कभी हार,
पैसा गया तो फिर पाया जा सकता है,
स्वस्थ बिगड़ा तो सुधारा जा सकता है,
और कुछ भी गया तो मिल जा सकता है,
व्यवहार बिगड़ा तो सब कुछ खो जाता है,
नाम-मान-पान अपनापन धूमिल हो जाता है,
व्यवहार को सुशोभित रखना अति आवश्यक है।

## अकेली उर्मिला

डॉ विजय पांढरीपांडे
हैदराबाद

सूनसान बस स्टॉप पर
वह अकेली खडी प्रतीक्षा करती
मैने ऐसेही पूछा
क्या नाम है आपका
किस बस का है इंतजार?
उसने कहा, मै उर्मिला
अयोध्या जाना है मुझे
सुना है,अती विशाल मंदिर
बन राहा है वहा
सन्मान होगा ,राम, लक्ष्मण,सीता
हनुमान,जटायू,
झुठे बेर खिलाने वाली शबरी का
सोचती हू जाके देख लू एक बार
क्या किसी को याद है उर्मिला की
चौदा सालका अकेलापन
जब साथ नहीं थे लक्ष्मण
किसे है भी खबर इस पतिव्रता की?
मुझे इन्तजार है अयोध्या जाने वाली बसका!!

## समाधान की हुंकार

प्रियंका सौरभ

ज़रूरत है अब शिक्षा को सशस्त्र करने की,
पाठ्यक्रम में ज़मीर और राष्ट्रप्रेम भरने की।
डिजिटल दुनिया में आँखें खोलने की,
झूठे प्रोफाइल से दोस्ती तोड़ने की।
युवाओं को रोज़गार दो, सम्मान दो,
भटकते मन को एक पहचान दो।
वरना कोई 'भेदी' बन कर
हर गाँव से, हर गली से उठेगा।
सचेत रहिए, सजग बनिए,
देश की आत्मा को बचाइए।
क्योंकि गोली नहीं, अब
'भीतरघात' ही सबसे बड़ा विस्फोट है।
भेदी जो घर के हैं, उनसे खतरा भारी,
बाहर वाला क्या करेगा, जब भीतर गद्दारी!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार 8, जून 2025


# 'तिब्बत' पर चीन की खतरनाक हरकतें

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।

ये वैश्विक आबादी के लगभग 20% हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।

पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।

जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना श्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।

लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।

दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।

चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा। इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।

इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।

स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है। पश्चिमी सरकारें और बहुपक्षीय संस्थाएं यहां अपना प्रभाव डाल सकती हैं।

तिब्बत एशिया की पारिस्थितिक जीवनरेखा है। चीन को इसका ऐसे तरीके से दोहन करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जिससे पूरे महाद्वीप के लोगों के जीवन को खतरा उत्पन्न हो जाए। चीन की मनमानी पर रोक लगानी जरूरी है।

# नई महामारी बनती जा रही है फेक न्यूज

आज हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां हर दूसरे दिन हमें सत्य के नए रूप का सामना करना पड़ रहा है। चाहे वह घर हो, दफ्तर या अन्य कोई जगह। कई बार यह सत्य बड़ा झूठ साबित हो जाता है, और जब तक हम संभलें, तब तक एक दूसरी फेक न्यूज सत्य बनकर एक सायरन के साथ रिपीट होने लगती है। कौन-सा समाचार सत्य है और कौन-सा नहीं? किस बात पर यकीन किया जाए, और किस बात पर नहीं? यह प्रश्न, इस दौर का यक्षप्रश्न बन चुका है।

खासकर इधर इसे और भी महसूस किया गया, जब एक तरफ देश युद्ध में फंसा था, और दूसरी तरफ टीवी मीडिया में फेक न्यूज की झड़ी लगी थी। इस तरह के फेक न्यूज युद्ध के समय आमराय और जनभावनाओं पर बहुत गहरा प्रभाव डालते हैं। बात जब देश की आती है, तो सबकुछ बहुत संजीदा हो जाता है।

फेक न्यूज से जनता को थोड़ी देर के लिए बरगलाया जा सकता है, सत्य को थोड़ी देर के लिए छिपाया भी जा सकता है, यह बात और है कि सत्य तो बाहर आकर ही रहता है। लेकिन उस थोड़ी देर में लोगों की मनःस्थिति पर जो प्रभाव पड़ता है, उसका क्या? फिर उसके बाद सत्य भी आशंका के घेरे में आ जाता है। महामारी और युद्ध के युग में हम सभी अभी भी वैक्सीनेशन के सत्य के साथ जीना सीख रहे हैं, और उम्मीद कर रहे हैं कि हमेशा कोई बूस्टर डोज इस दुनिया को बचा लेगा। यह सत्य है, और यहां सत्य सार्वभौमिक हो जाता है।

लेकिन ऐसे राष्ट्र भी हैं, जो सिर्फ आतंक को सत्य मानते है। सुनियोजित भ्रामक प्रचार और हथियार बेचकर यह पुष्टि करते हैं कि धर्म या मजहब के आधार पर जीना और मरना-मारना ही सत्य है। हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां हमें सत्य को धोखा देने, नकारने और चकमा देने के लिए तैयार किया जा रहा हैं। जब हम हिटलर और उसकी टीम के राजनीतिक दर्शन का आकलन करते हैं, तो पाते हैं कि एक खास तरह की फेक न्यूज का प्रचलन उन दिनों भी था।

और जैसा कि इतिहासकार जेफ्री हर्फ ने उल्लेख किया भी है कि नाजियों ने यहूदियों के खिलाफ भावनाओं को भड़काने और नरसंहार को सही ठहराने के लिए 'बड़े झूठ' के आइडिया का बखूबी इस्तेमाल किया। हर्फ का मानना रहा कि नाजी जर्मनी के मुख्य प्रचारक जोसेफ गोयबल्स ने वास्तव में बड़े झूठ की तकनीक का इस्तेमाल किया था, और उन्होंने इसका इस्तेमाल यूरोप में लंबे समय से चली आ रही यहूदी विरोधी भावना को सामूहिक हत्या में बदलने के लिए किया।

गोयबल्स का तो यह राजनीतिक दर्शन ही था कि अगर झूठ को बार-बार दोहराया जाए तो वह सच हो जाता है। इस बार-बार दुहराने की प्रक्रिया को बहुत सारे संस्थानों ने समझा, और हमारे पड़ोसी देश ने इसका अभी इस्तेमाल भी किया। तो क्या हम मान लें कि यह बड़े झूठ की तकनीक ही आज के दौर के सत्य का न्यू वर्जन है?

सुकरात का मानना था कि जब हम नीति या तर्क में हार जाते हैं तो अपमान बड़ा हथियार बन जाता है। और बड़ा झूठ उस अपमान का एक अहम हिस्सा है। एक लोकतांत्रिक और सम्प्रभु देश में लोगों को स्वतंत्रता के साथ-साथ बोलने का अधिकार भी प्राप्त है। लेकिन जब एरिक बर्न ट्रांजेक्शनल एनालिसिस संबंधी संचार की अहम अवस्थाओं पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि डिजिटल युग में, संचार की बाल्य अवस्था उसकी पैरेंट या वयस्क अवस्था पर हावी हो जाएगी। क्योंकि चाइल्ड स्टेट के ट्रांजेक्शन में कोई जिम्मेदारी नहीं रहती।

जो भी लिखना है, जो भी बोलना है, बोल दिया। एक ट्वीट ही तो करना होता है, फैक्ट भला कौन चेक करे! और नहीं तो ग्रोक को फैक्ट चेक पर लगा दिया जाता है। कितने ही पैरोडी अकाउंट बन जाते हैं और उनसे हजारों फॉलोअर्स भी जुड़ जाते हैं। और इस युग के हर ट्रांजेक्शन में बिजनेस या रेवन्यू का पक्ष तो जुड़ा होता ही है। नतीजा ट्रोलिंग और फर्जी खबरें हैं। ऐसा करने में न तो जुबान पर लगाम नजर आती है, और न ही अभिव्यक्ति में लज्जा। प्रश्न यह है कि एक बड़े झूठ के इर्द-गिर्द कोई युवा या बच्चा कैसे बड़ा होगा, और उसके मन-मस्तिष्क पर इस सबका कैसा प्रभाव पड़ेगा?

# मोबाइल पर बजने वाला आरबीआई का संदेश बन रहा परेशानी का कारण

भारतीय रिज़र्व बैंक देश की वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो मौद्रिक नीतियों को लागू करने, मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय जागरूकता बढ़ाने जैसे कार्यों के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में, आरबीआई ने जनता को साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए कई अभियान शुरू किए हैं। इनमें से एक अभियान में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आवाज का उपयोग किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए जागरूक करना है।

जब भी हम किसी नंबर पर कॉल करते हैं, तो कॉल कनेक्ट होने से पहले अमिताभ बच्चन की आवाज में एक संदेश सुनाई देता है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी से बचने की सलाह दी जाती है। संदेश में आमतौर पर यह बताया जाता है कि कोई भी बैंक या वित्तीय संस्थान व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड, या बैंक खाता विवरण नहीं मांगता। साथ ही, यह लोगों को संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने या अनजान कॉल्स का जवाब देने से मना करता है। यह संदेश विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि देश के हर हिस्से में लोग इसे समझ सकें। लेकिन, यह संदेश, जो मोबाइल फोनों पर कॉलर ट्यून के रूप में बजता है, कुछ लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। क्योंकि यह संदेश हर बार कॉल करने पर बार-बार सुनाई देता है, जिससे कुछ उपयोगकर्ताओं को असुविधा होने लगी। विशेष रूप से, वे लोग जो दिन में कई बार कॉल करते हैं, जैसे कि व्यवसायी, पेशेवर, या ग्राहक सेवा से जुड़े कर्मचारी, इस संदेश को सुनकर थकान और चिड़चिड़ापन महसूस करने लगे।

लोगों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि यह संदेश हर कॉल के साथ दोहराया जाता है। भले ही संदेश महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे बार-बार सुनना कुछ लोगों के लिए कष्टप्रद हो सकता है। विशेष रूप से, आपातकालीन स्थिति में, जब कोई तुरंत कॉल कनेक्ट करना चाहता है, यह संदेश देरी का कारण बन सकता है। हालांकि संदेश संक्षिप्त है, फिर भी यह 10-15 सेकंड तक चलता है। बार-बार कॉल करने वालों के लिए यह समय भी काफी लंबा लगता है। जो कि उनके समय को बर्बाद करता है।

अमिताभ बच्चन की आवाज, जो सामान्य रूप से प्रेरक और आकर्षक मानी जाती है, इस संदर्भ में कुछ लोगों को चेतावनी देने वाली या डरावनी लग सकती है। बार-बार एक ही संदेश सुनने से कुछ उपयोगकर्ताओं में तनाव या बेचैनी की भावना उत्पन्न हो सकती है। कुछ मामलों में, कॉलर ट्यून के कारण कॉल कनेक्ट होने में देरी होती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को लगता है कि उनकी कॉल ठीक से काम नहीं कर रही। यह तकनीकी असुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से परेशान करने वाली है जो कमजोर नेटवर्क क्षेत्रों में रहते हैं।

आरबीआई ने इस अभियान को लागू करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी की है। जियो, एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया जैसी प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने इस संदेश को अपने नेटवर्क पर कॉलर ट्यून के रूप में लागू किया। हालांकि, टेलीकॉम कंपनियों ने उपयोगकर्ताओं को इस संदेश को बंद करने का कोई विकल्प नहीं दिया है, जिससे असंतोष बढ़ा है। कुछ उपयोगकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि इस संदेश को वैकल्पिक किया जाए, ताकि जो लोग इसे सुनना न चाहें, वे इसे बंद कर सकें।

टेलीकॉम कंपनियों को उपयोगकर्ताओं को यह विकल्प देना चाहिए कि वे इस संदेश को सुनना चाहते हैं या नहीं। एक साधारण सेटिंग के माध्यम से उपयोगकर्ता इसे अक्षम कर सकते हैं। हर कॉल पर संदेश बजाने के बजाय, इसे दिन में एक निश्चित संख्या तक सीमित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, दिन में पहली कुछ कॉलों पर ही यह संदेश बजे। संदेश को और संक्षिप्त किया जा सकता है ताकि यह उपयोगकर्ताओं के लिए कम कष्टप्रद हो। **-संदीप सृजन**

# हमने दिखाया कि आतंक को कैसे हराया जाए

राजनाथ सिंह ने सुझाए टेररिज्म से लड़ने के 5 तरीके

आतंकवाद मानवता के लिए एक अभिशाप है। यह क्रांति, शहादत और हिंसा के गलत विचारों पर पनपता है। यह कहना गलत है कि 'एक आदमी के लिए जो आतंकवादी है, वह दूसरे के लिए स्वतंत्रता सेनानी है'। सच्ची स्वतंत्रता कभी भी डर और खूनखराबे से नहीं बनाई जा सकती। आतंकवाद का हथियार डर है। लेकिन डर फैलाने के बाद भी, वे निराशा का माहौल बनाने में विफल रहे हैं। भारत इसका प्रमाण है। चाहे 26/11 का हमला हो या 2001 में संसद पर हमला हो या हाल ही में पहलगाम हमला, भारत पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और दृढ़ है। सभी शांतिप्रिय देशों को मिलकर इस खतरे को जड़ से खत्म करना होगा।

भारत ने दिखाया है कि यह कैसे किया जा सकता है। दशकों से, हम पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद का शिकार रहे हैं। हाल ही में पहलगाम हमला भारतीय एकता को तोड़ने का एक क्रूर और विफल प्रयास था। इससे पता चला कि आतंकवादियों ने पर्यटकों को मारने से पहले उनके धर्म के बारे में पूछा था। भारतीय एकता को खतरे में डालने का एक ऐसा ही प्रयास तब हुआ जब पाकिस्तान ने ड्रोन और तोपखाने का इस्तेमाल करके अलग-अलग धर्मों के धार्मिक स्थलों पर हमला किया।

कोई भी धर्म ऐसे घृणित कृत्यों को सही नहीं ठहरा सकता। आतंकवादी अपनी बर्बरता को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल करते हैं। धर्म का यह दुरुपयोग आकस्मिक या आवेगपूर्ण नहीं है, यह अत्याचारों को झूठी वैधता देने की एक सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीति है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो-टॉलरेंस नीति है।

पाकिस्तान के साथ बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। पाकिस्तान के साथ भविष्य में

होने वाली किसी भी बातचीत में केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही अगर पाकिस्तान गंभीर है, तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे UN की ओर से नामित आतंकवादियों को सौंपना होगा।

लंबे समय से, हम एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण और रणनीति की तलाश करते हुए आतंकवादी कृत्यों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हमारी सेनाओं को पहले केवल रक्षात्मक कार्रवाई करने की अनुमति थी। सर्जिकल स्ट्राइक (2016), बालाकोट स्ट्राइक (2019) और अब ऑपरेशन सिंदूर के साथ, भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के प्रति अपनी नीति का एक बुनियादी पुनर्मूल्यांकन किया है।

अब यह हमारी नीति है कि हम आतंकवादियों को जहां भी वे हैं, सक्रिय रूप से खत्म कर देंगे। किसी भी आतंकी कृत्य को अब युद्ध का कृत्य माना जाता है। अगर भारत पर कोई आतंकवादी हमला होता है, तो आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार और आतंकवादियों के बीच कोई अंतर किए बिना मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान अपनी धरती से संचालित होने वाले आतंकवादियों पर लगाम लगाने में असमर्थ है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

नई दिल्ली में आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा, 'हम मानते हैं कि एक भी हमला बहुत ज्यादा है और एक भी जान की हानि बहुत ज्यादा है। इसलिए, हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक कि आतंकवाद को जड़ से उखाड़ न फेंका जाए।' ऑपरेशन सिंदूर के साथ, जीओआई और सशस्त्र बलों ने पूरी दुनिया को दिखाया कि हम आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने बेहद फोकस ढंग से चलाए गए ऑपरेशन में, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया।

हम जानते हैं कि आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं है। आतंकवादी बुनियादी ढांचे की नींव को नष्ट करने की जरूरत है। चूंकि पाकिस्तान आतंकवाद को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करता है, इसलिए भारत ने पाकिस्तान को राजनयिक और आर्थिक रूप से सफलतापूर्वक अलग-थलग कर दिया है। हमने सिंधु जल संधि को 'सस्पेंड' रखा है जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय रूप से त्याग नहीं देता।

इस निर्णय का पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव है, जो अपनी 16 मिलियन हेक्टेयर कृषि भूमि के 80 फीसदी और अपनी समग्र जल इस्तेमाल के 93 फीसदी के लिए सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर करता है। ये 237 मिलियन लोगों को सपोर्ट करता है और पाकिस्तान के जीडीपी में एक चौथाई का योगदान देता है। आतंकवाद सिर्फ एक भारतीय समस्या नहीं है; यह एक वैश्विक समस्या है। आतंकवादी नेटवर्क को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए, हमें टुकड़ों में किए गए प्रयासों से आगे बढ़ने की जरूरत है। इसमें पांच प्रमुख उपाय शामिल हैं।

सबसे पहले, 'आतंकवाद' शब्द को परिभाषित करें। अभी तक इस बात पर कोई सहमति नहीं है कि आतंकवाद क्या है। आतंकवाद को परिभाषित करने के लिए हम सबसे करीब UN में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ व्यापक सम्मेलन में आए हैं, जो एक भारतीय प्रस्ताव पर आधारित है। अर्थ संबंधी मुद्दों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को सीमित नहीं करना चाहिए; हमें आतंकवादी कृत्यों की जांच या मुकदमा चलाने और विदेशों से आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रूप से स्वीकृत परिभाषा की आवश्यकता है।

# काफी सुर्खियों में रह चुकी हैं रुहानी शर्मा

तमिल, मलयालम और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी मॉडल-एक्ट्रेस रुहानी शर्मा मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'आगरा' (2023) के कारण रुहानी शर्मा को काफी सुर्खियां मिली। इस फिल्म का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ।

यह फिल्म उनके बोल्ड और अंतरंग दृश्यों के कारण काफी अधिक चर्चा में रही। फिल्म के कुछ सीन ऑनलाइन लीक हो गए थे जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। 'आगरा' (2023) के अलावा रूहानी एक और बॉलीवुड फिल्म 'ब्लेकआउट' (2024) में भी नजर आ चुकी हैं। 18 सितंबर 1994 को हिमाचल प्रदेश के सोलन में एक मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में पैदा हुई मॉडल-एक्ट्रेस रुहानी शर्मा के पिता सुभाष शर्मा और माता का नाम प्राणेश्वरी है। उनकी एक छोटी बहन शुभी शर्मा है। रुहानी शर्मा ने चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री हासिल की। मॉडलिंग से करियर की शुरूआत करने वाली रुहानी 2013 में पंजाबी म्यूजिक वीडियो 'करवा चौथ', 'कुड़ी तू पटाका' में नजर आईं। इसके बाद उन्हें अनेक क्यूजिक वीडियो के ऑफर मिलने लगे। 2014 में रुहानी ने 'पटियाले वाल नू', 'कॉलेज वाली यारी', 'जज़्बात - द फीलिंग' 'उचियां उडारियां', 'गुड्डी', 'बिग फैन' और साल 2015 'सोहनिये', 'प्यार (में की करा)', 'दफ्तर', 'मुलाकातन', 'बिल्लो', 'डेंगू वर्सेस पेंडू, 'कुड़ी सिंपल' जैसे तमाम म्यूजिक वीडियो किए जिससे उन्हें जबर्दस्त पहचान मिली।

रुहानी ने 2017 में तमिल फिल्म 'कदैसी बेंच कार्थी' से सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू किया।

2018 में राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित तेलुगु फिल्म 'ची ला सो' की मुख्य भूमिका में उनके काम को खूब सराहा गया। इसके साथ ही वह तेलुगु सिनेमा में स्थापित हो गईं। 2019 में वह मलयालम थ्रिलर फिल्म 'कमला' में नजर आईं।रूहानी की अन्य तेलुगु फिल्मों में 'हिटः द फर्स्ट केस' (2020), 'डर्टी हरि' (2020), 'नुतोक्का जिलाला अंडगाडु' (2021) 'हर चैप्टर 1' (2023), 'सैंधव' (2024) 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' (2024) 'श्रीरंगा नीथुलु' (2024) और 'लव मी' (2024) विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इस वक्त वह तमिल फिल्म 'मास्क' कर रही हैं।

रुहानी 'जी 5' के हिंदी टीवी शो 'पॉइजन' (2019) में जाह्नवी और 'सोनी लिव' के तेलुगु शो 'मीट क्यूट' (2022) में सरोजा के किरदारों में जबर्दस्त पॉपुलरिटी हासिल कर चुकी हैं।सादगी और दमदार अभिनय का अनोखा संगम, बरखा बिष्टअभिनेत्री और मॉडल बरखा बिष्ट हिंदी टेलीविजन, हिंदी फिल्मों और बंगाली फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। **-सुभाष शिरढोनकर**

# मस्क ने ट्रम्प के खिलाफ यौन-शोषण वाली पोस्ट डिलीट की

## पहले एप्स्टीन केस का जिक्र किया था, कहा था- बड़े खुलासे का टाइम आ गया

वॉशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण में शामिल होने वाली पोस्ट सोशल मीडिया से हटा दी है। इससे पहले मस्क ने गुरुवार को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि इस मामले में बड़ा खुलासा करेंगे। उन्होंने दावा किया था कि ट्रम्प का नाम एप्स्टीन फाइलों में है। एप्स्टीन केस एक हाई-प्रोफाइल क्रिमिनल मामला है, जिसमें अमेरिकी अरबपति जेफरी एप्स्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोप लगे थे। इस केस में दुनियाभर के कई हाईप्रोफाइल लोगों के नाम सामने आए थे। मस्क ने एक्स पर लिखा था- अब बड़ा खुलासा करने का टाइम है। डोनाल्ड ट्रम्प का नाम एप्स्टीन फाइलों में हैं। यही वजह है कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। डोनाल्ड ट्रम्प, आपका दिन शुभ हो। जेफ्री एप्स्टीन को पहली बार 2006 में फ्लोरिडा के पाम बीच से गिरफ्तार किया गया। एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति और नाबालिग को लालच देने के लिए दोषी ठहराया गया। हालांकि कुछ सौदेबाजी के बाद उसे सिर्फ 13 महीने की हिरासत मिली, जिसमें वर्क रिलीज की इजाजत थी। जनवरी 2024 में एक अमेरिकी कोर्ट ने जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए थे। इसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, माइकल जैक्सन और ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू जैसे हाई-प्रोफाइल लोगों के नाम थे। इसमें बिल क्लिंटन और प्रिंस एंड्रयू के साथ एप्स्टीन की पुरानी दोस्ती का भी जिक्र किया गया था। एप्स्टीन के मुताबिक क्लिंटन को कम उम्र की लड़कियां पसंद थीं। हालांकि क्लिंटन के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हो पाया। एप्स्टीन को 2019 में फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क में नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोपों में फिर से गिरफ्तार किया गया। 10 अगस्त 2019 को एप्स्टीन ने जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिस वक्त उसकी मौत हुई, ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति थे। 2025 में 25 अप्रैल को वर्जीनिया गिफ्रे की भी मौत हो गई। रिपोर्ट्स में बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या की है। उन्होंने बताया था कि एप्स्टीन ने उन्हें 1999 से 2002 के बीच कई बड़ी हस्तियों के पास भेजा था। उन्होंने यह भी कहा था कि वे एप्स्टीन के जरिए ट्रम्प से कई बार मिली थीं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉड कॉस्ट में कहा कि ट्रम्प का नाम एप्स्टीन फाइल्स में शामिल नहीं है। मस्क का इसे लेकर किया गया दावा पूरी तरह गलत है। वेंस ने कहा- यह बिल्कुल गलत है। डोनाल्ड ट्रम्प ने जेफ्री एप्स्टीन के साथ कोई गलत काम नहीं किया। यह पूरी तरह बकवास है। वेंस ने आगे कहा- मस्क की बयानबाजी से देश और उनका दोनों का नुकसान होगा। मस्क को एक शानदार बिजनेसमैन हैं, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में उनका काम बहुत अच्छा रहा, लेकिन राजनीति में वह नए हैं। ट्रम्प के लिए अपनी वफादारी दोहराते हुए कहा- मैं हमेशा राष्ट्रपति के लिए वफादार रहूंगा। मुझे उम्मीद है कि मस्क कभी न कभी हमारे साथ वापस आएंगे, हालांकि अब यह मुश्किल लगता है, क्योंकि उन्होंने बहुत तीखा बयानबाजी की है।

# बिलावल से बोले अमेरिकी सांसद- जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करो

## डॉ. आफरीदी को भी रिहा करने को कहा; आतंकी लादेन को पकड़ने में मदद की थी

वॉशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमन ने बिलावल भुट्टो से आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद को पूरी तरह से खत्म करने को कहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को हर संभव प्रयास चाहिए। इसके साथ ही शेरमन ने पाकिस्तान से ओसामा बिन लादेन का पता लगाने में अमेरिका की मदद करने वाले डॉ. शकील आफरीदी को रिहा करने को कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की कॉपी करते हुए पाकिस्तान ने भी 5 देशों में अपना डेलिगेशन भेजा है। इसमें एक डेलिगेशन का नेतृत्व बिलावल भुट्टो कर रहे हैं। शेरमैन ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद को 'घिनौना' बताते हुए कहा कि ये आतंकी संगठन 2002 में हुए वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार डैनियल पर्ल की हत्या समेत कई अपराधों के लिए जिम्मेदार है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- मैंने पाकिस्तानी डेलीगेशन को आतंकवाद से लड़ने के महत्व पर जोर दिया। खास तौर पर जैश-ए-मोहम्मद समूह से जिसने 2002 में मेरे निर्वाचन क्षेत्र के निवासी डेनियल पर्ल की हत्या की थी। डॉ. शकील आफरीदी पाकिस्तानी डॉक्टर हैं। उन्होंने ओसामा बिन लादेन का पता लगाने में अमेरिका की मदद की थी। अफरीदी ने इसके लिए खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम चलाया था। इससे ओसामा के परिवार के डीएनए सैम्पल इकट्ठे किए गए और उसकी पहचान की गई। इसके बाद 2 मई 2011 को अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा के आदेश पर एक स्पेशल यूनिट ने लादेन को मार गिराया था।

हालांकि जल्द ही पाकिस्तान को पता चल गया कि इसके पीछे डॉक्टर अफरीदी का हाथ है। उन्होंने अफरीदी को दूसरे देश में जानकारी साझा करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया था। डॉ. अफरीदी को 2012 में 33 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। संयुक्त राष्ट्र में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भुट्टो ने कहा था- मोदी खुद को इजराइली पीएम जैसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे उनके आसपास भी नहीं हैं। हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वह खराब उदाहरणों से प्रेरित न हो। भारत ने बिलावल के बयान की कड़ी निंदा की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान नए निचले स्तर पर पहुंच चुका है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भुट्टो को अपनी हताशा का गुस्सा पाकिस्तान में आतंकवाद के सरगनाओं पर निकालना चाहिए, जो आतंकवाद को देश की नीति का हिस्सा बनाए हुए हैं। वहीं, शशि थरूर के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक युवा पाकिस्तानी नेता अमेरिका में उन लोगों का बचाव कर रहा है जो उसकी मां की हत्या के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

# भारत-पाकिस्तान के बीच हो सकता था परमाणु युद्ध

## डोनाल्ड ट्रंप ने फिर लिया युद्धविराम का क्रेडिट, कहा- व्यापार को बनाया हथियार

वॉशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो यह युद्ध परमाणु युद्ध में बदल सकता था। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्यापार को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया ताकि दोनों देश तुरंत लड़ाई बंद कर दें। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आपको पता है, मैंने कुछ ऐसा किया जिसके बारे में लोग बात नहीं करते हैं, और मैं भी इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करता, लेकिन हमने भारत और पाकिस्तान के साथ एक बड़ी समस्या हल की, एक संभावित परमाणु समस्या। मैंने पाकिस्तान से बात की, मैंने भारत से बात की, उनके नेता बहुत अच्छे हैं, लेकिन वे आपस में लड़ रहे थे और वे परमाणु युद्ध कर सकते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे बताया कि दोनों देशों ने हमले तब बंद कर दिए जब उन्होंने चेतावनी दी, कि अगर लड़ाई जारी रही तो अमेरिका व्यापार रोक देगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार ऐसा दावा नहीं किया है, बल्कि 10 मई से वो ही वो लगातार ऐसे दावे करते जा रहे हैं, जब भारत और पाकिस्तान के बीच करीब करीब युद्ध शुरू हो चुका था और अचानक दोनों देशों ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। हालांकि भारत ने ट्रंप के मध्यस्थता के दावों को बार बार खारिज किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दोनों परमाणु शक्ति वाले देश, मजबूत परमाणु देश हैं और मैंने व्यापार के बारे में बात की और कहा कि अगर आप लोग एक-दूसरे पर बम फेंकने वाले हैं तो हम व्यापार नहीं करेंगे। जिसके बाद दोनों ने लड़ाई बंद कर दी और मैंने तुरंत वह युद्ध रूकवा दिया। नहीं तो ये युद्ध काफी आगे जा रहा था। और उम्मीद है कि यह परमाणु युद्ध में नहीं बदलेगा, लेकिन यह परमाणु युद्ध में बदल सकता था। वास्तव में यह अगले दौर में परमाणु युद्ध में बदल सकता था लेकिन हमने इसे रोक दिया और मैं दोनों देशों, पाकिस्तान और भारत के नेताओं की सराहना करना चाहता हूं। ट्रंप के इस दावे को रूस का भी समर्थन मिला है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहायक यूरी उशाकोव ने ट्रम्प के दावे का समर्थन करते हुए कहा कि उनके सीधे हस्तक्षेप से संघर्ष को खत्म करने में मदद मिली। यह बात ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत में भी सामने आई थी। उशाकोव ने कहा कि मिडिल ईस्ट पर चर्चा हुई, साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष पर भी बात हुई, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप की व्यक्तिगत भागीदारी से रोक दिया गया है।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणियों से तेज राजनयिक प्रतिक्रिया हुई, खासकर भारत में। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो अमेरिका में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे, उन्होंने कहा कि उन्होंने ट्रंप के मध्यस्थता के दावों को सीधे अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत के दौरान उठाया। थरूर ने कहा, उपराष्ट्रपति वेंस के साथ बैठक बहुत अच्छी और बहुत स्पष्ट थी। मुझे लगता है कि हमने मध्यस्थता के इस सवाल पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है और उपराष्ट्रपति वेंस ने हमारी बातों को पूरी तरह से समझा।

# भारत-पाकिस्तान के बाद अब इन दो देशों में युद्ध जैसे हालात

## सीमा पर भारी हथियारों के साथ सैनिक तैनात

बैंकॉक, 7 जून (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बाद अब एशिया के दो और देशों में जंग जैसे हालात बन गए हैं। दोनों देश सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात कर रहे हैं। इन दोनों देशों का नाम थाईलैंड और कंबोडिया है। थाईलैंड के रक्षा मंत्री ने शनिवार को कहा कि दूसरी तरफ सैनिकों की संख्या में वृद्धि के बाद थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ विवादित सीमा पर अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत किया है। इसे पूर्वी एशिया में शांति के प्रयासों को झटके के रूप में देखा जा रहा है। इन दोनों ही देशों के चीन के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं। वर्तमान में दक्षिण-पूर्व एशियाई आसियान ब्लॉक के वर्तमान अध्यक्ष और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी शांति की काफी कोशिशें की हैं, लेकिन सफल नहीं हुए हैं। 28 मई को एक अनिर्धारित सीमा क्षेत्र में एक संक्षिप्त झड़प में एक कंबोडियाई सैनिक के मारे जाने के बाद से दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। कई दिनों से, दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई सरकारें बातचीत के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए सावधानीपूर्वक शब्दों में बयानों का आदान-प्रदान कर रही हैं। लेकिन थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री के रूप में भी काम करने वाले फुमथम वेचायाचाई ने कहा कि कंबोडिया ने गुरुवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता में उन प्रस्तावों को खारिज कर दिया था, जिनसे तनाव कम हो सकता था। फुमथम ने एक बयान में कहा, इसके अलावा, सैन्य उपस्थिति को मजबूत किया गया है, जिससे सीमा पर तनाव बढ़ गया है। इसके परिणामस्वरूप, रॉयल थाई सरकार ने अतिरिक्त उपायों को लागू करना और तदनुसार हमारी सैन्य स्थिति को सुदृढ़ करना आवश्यक समझा है। उन्होंने दोनों पक्षों द्वारा सीमा पर सैनिकों की तैनाती के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। शनिवार को एक अलग बयान में, थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों और नागरिकों ने बार-बार थाईलैंड के क्षेत्र में घुसपैठ की है। थाई सेना ने कहा, ये उकसावे और सैन्य बलों का निर्माण, बल प्रयोग करने के स्पष्ट इरादे को दर्शाता है, उन्होंने कहा कि यह कंबोडिया के साथ सीमा पर सभी थाई चौकियों पर नियंत्रण कर लेगा। कंबोडिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने थाई सेना की घोषणा पर तुरंत जवाब नहीं दिया। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को एक भाषण में कहा, यह हमारा रुख है, संघर्ष शुरू करने का नहीं, बल्कि खुद का बचाव करने का। हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं ... अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचों का सम्मान। ये आधारभूत रणनीतियां हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इसके सशस्त्र बल आक्रमण के खिलाफ़ बचाव के लिए तैयार हैं। थाईलैंड और कंबोडिया 817 किमी (508 मील) भूमि सीमा साझा करते हैं। दोनों देशों में एक सदी से भी अधिक समय से सीमा पर विभिन्न अनिर्धारित बिंदुओं पर संप्रभुता का विवाद है। इस सीमा को मानचित्र पर सबसे पहले 1907 में फ्रांस ने उकेरा था, जब कंबोडिया उनका उपनिवेश था। 2008 में दोनों देशों में 11वीं शताब्दी के एक हिंदू मंदिर को लेकर विवाद हुआ था, जिसके कारण कई वर्षों तक झड़पें हुईं और कम से कम एक दर्जन लोग मारे गए। इसमें 2011 में एक हफ्ते तक चली तोपों की गोलीबारी भी शामिल है।

हालांकि, दोनों देशों की वर्तमान सरकारों के बीच मधुर संबंध हैं। थाईलैंड के पूर्व नेता थाकसिन शिनावात्रा और कंबोडिया के हुन सेन के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं, और थाकसिन की बेटी और हुन सेन के बेटे अब अपने देशों के मौजूदा प्रधानमंत्री हैं। फिर भी, थाईलैंड में राष्ट्रवादी भावनाएँ बढ़ गई हैं और थाई सेना ने शुक्रवार को कहा कि वह अपनी संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन का मुकाबला करने के लिए उच्च-स्तरीय अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। कंबोडिया ने इस सप्ताह कहा कि वह सीमा के चार हिस्सों पर विवादों को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को भेजेगा और थाईलैंड से सहयोग करने को कहा।

# पाकिस्तानी ड्रोनों को भारत ने जिस हथियार से गाजर-मूली की तरह काटा

## चीन के सबसे बड़े दुश्मन ने मांगा वो सिस्टम

ताइवे/नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। ताइवान ने आधिकारिक तौर पर भारत से वो हथियार मांगे हैं, जिनसे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन को गाजर मूल की तरह काटा था। ताइवान ने आधिकारिक तौर पर भारत के डीआरडीओ और बीईएल की तरफ से विकसित डी4 एंटी ड्रोन सिस्टम खरीदने का अनुरोध भेजा है। ताइवान के इस अनुरोध पर चीन का बौखलाना तय है क्योंकि चीन नहीं चाहता की कोई भी देश ताइवान की मदद करेगा। लेकिन चीन जिस तरह से पाकिस्तान के लिए डिफेंस पैकेज जारी कर रहा है, चीन जिस तरह से आधुनिक हथियार सिस्टम पाकिस्तान को सौंप रहा है, उसे देखते हुए एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत को भी ताइवान को ऐसे ही हथियार सौंपने चाहिए। डी4 एंटी ड्रोन सिस्टम को भारत के डीआरडीओ ने तैयार किया है और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने इसे मैन्युफैक्टर किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डी4 एंटी ड्रोन सिस्टम का जौहर देखने को मिला था, जब पाकिस्तान ने तुर्की और चीन के बने करीब 300 से 400 ड्रोन के साथ भारत पर हमला किया था। इन दौरान भारत ने सभी ड्रोन को हवा में ही मार गिराया था। इस दौरान भारत ने तुर्की के बायरकतार टीबी-2 ड्रोन को भी मार गिराया था। जिससे भारत की एडवांस सॉफ्ट किल जैमिंग और हार्ड किल लेजर क्षमता की मजबूती का पता चला था, जिससे दुनिया दंग रह गई थी। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और चीन ने साफ कह रखा है कि ताइवान को चीन में मिलान के लिए उसे बल प्रयोग से इनकार नहीं है। बीते कुछ वर्षों में चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अपने सैन्य अभ्यासों और ड्रोन निगरानी को बढ़ाया है। 2024 के बाद से पीएलए ने ताइवान की सीमा के पास निगरानी और हमलावर ड्रोन की संख्या दोगुनी कर दी है। ऐसे में ताइवान के लिए एक बेहतरीन एंटी-ड्रोन सिस्टम की काफी जरूरत है। हालांकि भारत और ताइवान के बीच आधिकारिक तौर पर राजनयिक संबंध नहीं हैं, लेकिन दोनों देश तकनीक, व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सहयोग बढ़ा रहे हैं। 2020 के बाद से भारत में ताइवानी चिप कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में यह पहला मौका होगा जब ताइवान भारत से सैन्य तकनीक की मांग कर रहा है। लिहाजा इससे चीन बुरी तरह से बौखला सकता है।भारत अगर ताइवान को डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम देता है, तो यह बीजिंग के लिए एक सीधी रणनीतिक चुनौती होगी। चीन पहले भी भारत द्वारा वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया जैसे देशों को रक्षा सहयोग देने पर आपत्ति जता चुका है। ताइवान को हथियार देना चीन की 'वन चाइना पॉलिसी' के सीधे विरोध में माना जाएगा।

# पाकिस्तान को 'किला' बनाने में जुटा चीन

इस्लामाबाद/बीजिंग, 7 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि चीन ने उसे कई अत्याधुनिक हथियारों का ऑफर दिया है। पाकिस्तान ने कहा है कि उसे चीन से बड़े डिफेंस पैकेज का ऑफर मिला है, जिसका मकसद पाकिस्तान एयरफोर्स की क्षमताओं को तेजी से बढ़ाना है। पाकिस्कान सरकार की तरफ से ये घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई है। पाकिस्तान सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि चीन ने उसे 40 जे-35ए पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट, केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल विमान और मुख्यालय-19 लंबी दूरी की वायु और मिसाइल डिफेंस सिस्टम देगा। हालांकि इनकी संख्या की जानकारी को अज्ञात रखा गया है। भारत के साथ हालिया संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 3 में 2 एईडब्लू&सी को मार गिराया था, जिससे पाकिस्तान एयरफोर्स की सर्विलांस क्षमता 70 प्रतिशत से ज्यादा कम हो गई है। भारत ने हालिया संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के दर्जनभर एयरबेस पर खतरनाक हमले किए और कम से कम 10 एयरक्राफ्ट को मार गिराया था। जिसके बाद चीन अब पाकिस्तान की सेना को मजबूत बनाने में जुटा हुआ है। यह डील चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी की एक नई मिसाल के रूप में देखी जा रही है, जो न सिर्फ पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को आधुनिक बनाएगी, बल्कि दक्षिण एशिया की शक्ति संतुलन पर भी व्यापक प्रभाव डालेगी। खासकर भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान के चीनी हथियारों को धाराशाई किया है, उससे चीन की पूरी दुनिया में किरकिरी हो रही है और पाकिस्तान के पास मौजूदा समय में कोई एयर डिफेंस नहीं है। पाकिस्तान के चीनी एयर डिफेंस सिस्टम मुख्यालय-19बी को भी भारत ने ध्वस्त कर दिया था। जे-35ए लड़ाकू विमान एक फिफ्थ जनरेशन स्टेल्थ फाइटर है, जिसे शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ने डेवलप किया है और इस विमान में लो-ऑब्जरवेबिलिटी डिजाइन, इंटरनल वेपन बे और एडवांस एवियोनिक्स इसे मॉडर्न फाइटर जेट बनाती है। अगर पाकिस्तान को 40 जे-35ए विमान मिलते हैं तो फिर पाकिस्तान एयरफोर्स भारत के राफेल लड़ाकू विमानों के साथ साथ एसयू -30 एमकेआई विमान का मुकाबला करने लायक हो जाएगा। जे-35ए लड़ाकू विमान के साथ पाकिस्तान, भारत की एयर सुपीरियोरिटी को चुनौती देने लायक बन जाएगा। इसके अलावा इस फाइटर जेट में चीन पीएल-17 एयर टू एयर मिसाइल भी इंटीग्रेट करेगा, जिसकी मारक क्षमता करीब 400 किलोमीटर होने का दावा किया जा रहा है। यानि इन दोनों के कॉम्बिनेशन से पाकिस्तान की डिटरेंस पोजीशन काफी मजबूत होगी और उसके पास पहली बार ऐसी क्षमता होगी, जो फ्रंटलाइन एयरबेस से स्टेल्थ स्ट्राइक मिशन अंजाम दे सके। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे पहले मुख्यालय-19बी को ध्वस्त कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान एयरफोर्स के विमान उड़ान ही नहीं भर पाए। अब पाकिस्तान के पास मुख्यालय-19 एयर डिफेंस सिस्टम होगा। ये सिस्टम चीन का एक थियेटर-लेवल लॉन्ग रेंज एयर एंड मिसाइल डिफेंस प्लेटफॉर्म है, जो बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल जैसे हाई-स्पीड थ्रेट्स को इंटरसेप्ट करने में सक्षम है। पाकिस्तान इस डिफेंस सिस्टम से अपने एयर डिफेंस नेटवर्क को काफी मजबूत बना सकता है। अभी तक पाकिस्तान की डिफेंस परत मुख्यतः मध्यम दूरी की प्रणाली जैसे मुख्यालय-9पी, मुख्यालय-9बी और स्पाडा-2000 पर निर्भर रही है।

# बांग्लादेश में चुनाव की घोषणा के बाद सियासी उबाल

## बीएनपी ने अप्रैल में इलेक्शन को किया खारिज, बताया यूनुस की नई चाल

ढाका, 7 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को चुनावों की घोषणा के बाद भी देश में सियासी माहौल शांत होता नहीं दिखाई दे रहा है। मोहम्मद यूनुस ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर संबोधन के दौरान चुनावों की भी घोषणा कर दी और कहा कि आगामी चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में किसी दिन होंगे। हालांकि, यह उनके पहले बयानों से अलग था, जिसमें वह जून 2026 तक चुनाव की बात कहते रहे थे। लेकिन अब यूनुस की चुनाव की घोषणा को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने खारिज कर दिया है और इसे मोहम्मद यूनुस की चाल बताया है। बीएनपी ने आरोप लगाया है कि अप्रैल में चुनाव कराने की घोषणा दरअसल चुनावों में और देरी करने के लिए सोची-समझी चाल का हिस्सा है। बीएनपी ने घोषणा के बाद इस पर चर्चा के लिए अपनी राष्ट्रीय स्थायी समिति की एक विशेष बैठक बुलाई। इसमें पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान भी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक के बाद एक बयान में बीएनपी ने मोहम्मद यूनुस के संबोधन की आलोचना की। पार्टी ने यूनुस की भाषा को राजनीतिक शिष्टाचार की सीमाओं को पार करने वाला बताया। इसने अप्रैल में चुनाव कराए जाने को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर की और इस योजना को पूरी तरह से खारिज कर दिया। पार्टी ने इसके पीछे रमजान के पवित्र महीने, स्कूल परीक्षाओं और गर्मी के मौसम का हवाला दिया। शनिवार को ढाका में पार्टी नेता मिर्जा फखरुल ने कहा, 'अप्रैल का समय बांग्लादेश में चुनाव के लिए सही नहीं है। इस दौरान अत्यधिक गर्मी, तूफान और बारिश का खतरा है।

# मस्क से विवाद, टेस्ला कार बेच सकते हैं ट्रम्प,3 महीने पहले खरीदी थी; रूसी नेता बोले- जरूरत पड़ी तो इलॉन को शरण देंगे

वॉशिंगटन डीसी, 7 जून (एजेंसियां)। अरबपति इलॉन मस्क से झगड़े के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी टेस्ला कार बेचने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने एनवायटी को यह जानकारी दी। यह वही टेस्ला कार है जिसे ट्रम्प ने 11 मार्च को मस्क का समर्थन दिखाने के मकसद से खरीदा था। तब टेस्ला का दुनियाभर में बहिष्कार हो रहा था, लेकिन ट्रम्प यह दिखाना चाहते थे कि वे मस्क के साथ मजबूती से खड़े हैं। कार खरीदने के बाद ट्रम्प ने टेस्ला को दुनिया की बेहतरीन ऑटोमोबाइल कंपनियों में से एक कहा था। इस दौरान उन्होंने मस्क की खूब तारीफ की थी। हालांकि अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। ट्रम्प और मस्क के विवाद पर रूस के एक सांसद ने मस्क को राजनीतिक शरण देने की बात कही है। रूसी सांसद दिमित्री नोविकोव ने कहा कि अगर मस्क को जरूरत पड़ी, तो रूस उन्हें शरण दे सकता है। नोविकोव ने कहा, हमने अमेरिकी व्हिसलब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन को भी शरण दी थी। हालांकि, मुझे लगता है कि मस्क की अपनी एक राजनीतिक पहचान और ताकत है, इसलिए उन्हें शरण की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन अगर उन्हें इसकी जरूरत पड़ेगी तो रूस जरूर मदद करेगा। उधर, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह अमेरिका का आंतरिक मामला है, और हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हमें भरोसा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस स्थिति को खुद संभाल लेंगे। यह बयान तब आया जब ट्रम्प के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन ने मस्क को गैरकानूनी प्रवासी बताकर देश से निकालने की मांग की थी। बैनन ने यह भी कहा कि अमेरिकी सरकार को मस्क की कंपनी स्पेसएक्स पर कब्जा कर लेना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रम्प से विवाद के बाद मस्क ने 5 जून को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोल शेयर किया था। इस पोल में मस्क ने अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने को लेकर एक राय मांगी थी। इस पर 80.4% लोगों ने हां में जवाब दिया था। इस पोल के खत्म होने के बाद मस्क ने रिपोस्ट करते हुए लिखा- 'द अमेरिकन पार्टी।' मस्क के इस संकेत के बाद माना जा रहा है कि वे अपनी पार्टी का नाम द अमेरिकन पार्टी रख सकते हैं। हालांकि, मस्क ने अभी तक इसे लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। गुरुवार रात को मस्क और ट्रम्प के बीच तीखी बहस हुई थी। बहस इतनी बढ़ी कि मस्क ने ट्रम्प को पद से हटाने की बात कह दी। मस्क ने कहा उनकी मदद के बिना ट्रम्प चुनाव नहीं जीत पाते। ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को फिजूलखर्ची बताते हुए उन्होंने कहा उन्हें पद से हटा देना चाहिए।

उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए। इलॉन मस्क के हमलों से नाराज ट्रम्प ने कहा कि मस्क पहले इस बिल पर खामोश रहे और सरकार से हटते ही पलट गए। वे पागल हो चुके हैं। उन्होंने मस्क की कंपनियों के सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म करने की धमकी भी दी। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने मस्क और ट्रम्प के बीच हुई लड़ाई का मजाक बनाया है।

# ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बीच अमित शाह से मिले सीएम

## दिल्ली में तीन नेताओं के बीच अहम बैठक, टॉप माओवादी लीडर हुए हैं ढेर

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चल रहा है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत माओवादी संगठन के टॉप लीडर का एनकाउंटर हो रहा है। गुरुवार को जवानों ने नक्सलियों के एजुकेशन हेड और टॉप लीडर गौतम उर्फ सुधाकर को मार गिराया है। इसी बीच राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली दौरे पर पहुंचे हैं। शुक्रवार को उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान माओवादी विरोधी अभियानों की अब तक की सफलताओं और बस्तर अंचल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अमित शाह को बताया कि राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। विगत डेढ़ वर्ष में चलाए गए सघन अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो बीते पांच वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। सीएम साय ने बताया कि 205 मुठभेड़ों में 427 माओवादी मारे गए, जिनमें संगठन के शीर्ष नेता महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं।

सीएम ने अमित शाह को बताया कि राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सुरक्षा कैंपों के आसपास बसे गांवों तक अब बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुँचाई जा रही हैं।

सीएम ने बताया कि 'नियद नेल्लानार योजना' के अंतर्गत चिन्हित 146 ग्रामों में एकीकृत रूप से 18 प्रकार की सामुदायिक सेवाएं और 25 प्रकार की शासकीय योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों का विश्वास शासन तंत्र में बढ़ा है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से माओवादी गतिविधियों पर निर्णायक नियंत्रण संभव हो रहा है और केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहायता देती रहेगी।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देवघर दौरा स्थगित

## एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में होना था शामिल

### 11 जून को कार्यक्रम था निर्धारित

देवघर, 7 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देवघर दौरा अब स्थगित हो गया है। वह 11 जून को देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करने वाली थी। वह बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना भी करती। शुक्रवार देर शाम राष्ट्रपति भवन से मिली सूचना के अनुसार, अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

एम्स के निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने पुष्टि करते हुए बताया कि राष्ट्रपति के देवघर आने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इसके चलते दीक्षांत समारोह की तिथि भी अब अगले शेड्यूल के मुताबिक तय की जाएगी।

एम्स निदेशक डॉ वार्ष्णेय के मुताबिक शुक्रवार शाम हमें यह जानकारी मिली कि राष्ट्रपति 11 जून को होने वाले कार्यक्रम में शिरकत नहीं कर पाएंगी। इसके बाद, देर शाम तक राष्ट्रपति भवन से एक पत्र जारी कर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन को सूचित किया गया।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन पूरी तरह से तैयार थे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिसमें एयरपोर्ट, बाबा मंदिर और सर्किट हाउस शामिल थे। राज्य के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। लेकिन अब, राष्ट्रपति के दौरे के स्थगित होने के बाद सारी तैयारियां अचानक रद्द कर दी गईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के देवघर दौरे को लेकर पहले से ही शहर में हलचल थी। प्रशासनिक स्तर पर अंतिम क्षणों तक इसकी तैयारी जारी रखी गई थी। अब जब कार्यक्रम रद्द हुआ, तो स्थानीय प्रशासन को नई दिशा-निर्देशों का इंतजार है, ताकि आगे की योजना बनाई जा सके।

# माओवादी संगठन के 15 नेता पुलिस की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल

## न 'गुरू' बचेगा न 'चेला', इन पर 1 करोड़ तक का इनाम

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। पुलिस और सुरक्षा बलों की मोस्ट वांटेड लिस्ट में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के कम से कम 15 सदस्य अभी भी शामिल हैं। इन 15 सदस्यों पर जिनकी अलग-अलग भूमिकाएं काफी बड़ा इनाम है। इस लिस्ट के नक्सलियों पर 40 लाख से लेकर 1 करोड़ तक के इनाम घोषित हैं।

सोमवार को बीजापुर में मुठभेड़ में मारा गया वरिष्ठ नेता सुधाकर इस लिस्ट में 16वें नंबर पर था। सबसे वांछित व्यक्ति मुप्पल्ला लक्ष्मणा राव उर्फ गणपति सेंट्रल कमेटी सदस्य और पूर्व महासचिव है। गणपति नंबला केशवा राव उर्फ बसवराजू से पहले केंद्रीय कमेटी का महासचिव था, जो 21 मई को एक मुठभेड़ में मारा गया था।

लिस्ट में एक और नाम सुजाता उर्फ कल्पना का है, इसकी उम्र 60 वर्ष से अधिक मानी जा रही है। वह माओवादी नेता किशन की विधवा है जो 2011 में पश्चिम बंगाल में एक मुठभेड़ में मारा गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुजाता अभी भी सेंट्रल कमेटी सदस्य है और दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी की प्रभारी भी है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 40 लाख का इनाम घोषित किया है, लेकिन अन्य राज्यों से उनकी गिरफ्तारी पर कुल इनाम 1 करोड़ से अधिक हो सकता है।

सुरक्षा बलों की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भाकपा (माओवादी) के 15 सदस्य अभी भी शामिल हैं। इनमें गणपति, सुजाता और अभय जैसे बड़े नाम हैं। इन पर लाखों रुपये के इनाम हैं। ये लोग पार्टी के थिंक टैंक हैं और रणनीति बनाते थे। अब इनकी संख्या घट गई है। पुलिस इन लोगों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

# पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अपमान

## गांव में पहुंची पुलिस, आरोपियों की तलाश जारी

राजनांदगांव, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अपमान किया गया है। प्रतिमा का अपमान करने के मामले को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के खैरागढ़ थाना क्षेत्र के अवेली गांव में अज्ञात लोगों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अपमान करने की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह जब ग्रामीणों ने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा में आपत्तिजनक माला देखी तब उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस दल को गांव के लिए रवाना किया गया और ग्रामीणों से पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई दलों का गठन किया है। मामले की जांच भी जारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता गांव पहुंच गए थे। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों ने भावनाओं को भड़काने के लिए इस तरह की हरकत की है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू करते हुए जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है। थाना प्रभारी अनिल शर्मा ने घटना को निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है। भाजपा नेताओं ने इसे पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान के साथ किया गया गंभीर अपमान बताया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रतिमा के अपमान की यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

# शराब घोटाला- आईएएस विनय चौबे की संपत्ति की होगी जांच

## दूसरे गिरफ्तार अधिकारियों की भी पड़ताल होगी, राज्य सरकार ने दे दी अनुमति

रांची, 7 जून (एजेंसियां)। झारखंड के शराब घोटाले में शामिल होने के आरोप पर निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे और उनके करीबियों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। एसीबी को शराब घोटाले की जांच करते हुए अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले हैं। इसके बाद, एसीबी ने विनय चौबे और उनके परिवारजनों के खिलाफ प्रिलिमनरी इंक्वायरी दर्ज करने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी थी, जिसे राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। जानकारी के मुताबिक आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने और उनके निवेश से जुड़ी जानकारी मिलने के बाद एसीबी ने हाल ही में विनय चौबे उनकी पत्नी और रिश्तेदार सहित आठ लोगों की संपत्ति की जांच गोपनीय तरीके से शुरू की थी। जिन लोगों की संपत्ति की जांच एसीबी कर रही थी उसमें विनय चौबे, उनकी पत्नी स्वपना संचिता, क्षिपिज त्रिवेदी और उनकी पत्नी प्रियंका त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के साथ उपेंद्र शर्मा और धनंजय कुमार सिंह शामिल थे।

मिली जानकारी की मानें तो एसीबी भी ने आशंका जताया है कि विनय चौबे ने शराब घोटाला या किसी अन्य ने अवैध माध्यम से अर्जित पैसे को अपने रिश्तेदारों और करीबियों के माध्यम से संभवत निवेश किया। एसीबी यह जानने की कोशिश में जुटी हुई है कि विनय चौबे उनके करीबियों के नाम पर कहां-कहां कितनी जमीन और संपत्ति है। इसके लिए जांच टीम ने रजिस्ट्री ऑफिस में भी पत्र लिखा है।

शुरुआती जांच के क्रम में एसीबी को पता चला था कि विनय चौबे के करीबियों के नाम पर पांच प्रॉपर्टी है। इसके अलावा उनके नाम पर तीन कंपनियां भी हैं। जांच के दौरान संपत्ति में निवेश और कुछ लोगों के बीच ट्रांजेक्शन होने की जानकारी भी एंटी करप्शन ब्यूरो को मिली थी। प्रारंभिक जांच की एक रिपोर्ट एसीबी ने सरकार को सौंपी है।

# धनबाद में सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत

## तेतुलमारी में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो लोगों की गई जान, एक गंभीर

धनबाद, 7 जून (एजेंसियां)। धनबाद के तेतुलमारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा धनबाद-कांको 8 लेन रोड पर बड़की बौआ मोड़ के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक देर रात सर्विस लेन पर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, पतराकुल्ही चौहान बस्ती निवासी सौरभ बेलदार अपने दोस्त कृष्णा चौहान के साथ पल्सर बाइक से घर लौट रहा था। उसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार टीवीएस बाइक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर बड़वाटांड़ निवासी गोलू कुमार गोप उर्फ रवि गोप सवार था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सवार युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए।

# 10 हजार लेने के बाद नायब तहसीलदार ने की बड़ी डिमांड

## एसीबी ने रंगे हाथों दबोचा, कोंडागांव में बड़ा एक्शन

कोंडागांव, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए टीम ने योजना बनाकर नायब तहसीलदार को गिरफ्तार किया है। नायब तहसीलदार ने जमीन संबंधी काम के लिए रिश्वत की डिमांड की थी।

शिकायतकर्ता राधाकृष्ण देवांगन की जमीन पर अवैध कब्जा था। भूमि को कब्जे से मुक्त कराने के बदले नायब तहसीलदार ने 15 हजार रुपये की डिमांड की थी। शिकायतकर्ता राधाकृष्ण देवांगन ने अपनी भूमि को कब्जा मुक्त कराने आवेदन दिया था।

इसी काम के बदले नायब तहसीलदार ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की मांग की थी। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने मामले की जानकारी एसीबी को दी। एसीबी की टीम ने ट्रैप कर नायब तहसीलदार को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी की टीम आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। मामले की जानकारी डीएसपी एसीबी जगदलपुर रमेश मरकाम ने दी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह महात्मा गांधी वार्ड का रहने वाला है। नायब तहसीलदार से अपनी जमीन पर अवैध कब्जा हटाने की शिकायत की थी। नायब तहसीलदार ने कब्जा हटवाने के लिए पहले 10 हजार रुपए लिए। इसके बाद 15 हजार रुपए और मांगे। 10 हजार रुपये देने के बाद भी काम नहीं हुआ था। नायब तहसीलदार लगातार और पैसों की डिमांड कर रहा था जिसके बाद उसने एसीबी से शिकायत की।

एसीबी ने शिकायतकर्ता के आवेदन पर जांच शुरू की। जांच के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद जब टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। जिसके बाद टीम ने एक्शन लिया। शुक्रवार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

# गुमला में रोड एक्सीडेंट, बाइक सवार दो की मौत

## शादी समारोह से लौटते वक्त पिकअप ने मारी टक्कर

गुमला, 7 जून (एजेंसियां)। गुमला में बीती देर रात एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक जख्मी है। तीनों एक ही बाइक से शादी समारोह से वापस घर लौट रहे थे।

इसी दौरान एक पिकअप ने इन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना लोहरदगा-गुमला नेशनल हाइवे पर टोटाम्बी बाजार के पास हुई।

मृतकों की पहचान राजकेश्वर साहू और सुरेंद्र साहू के रूप में की गई। वहीं, शिवपूजन साहू को गंभीर हालत में रिम्स रेफर किया गया है। बाइक शिवपूजन ही चला रहा था और उसने हेलमेट पहन रखा था। बाकी दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। घटना के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को एंबुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया।

मृतक सुरेंद्र साहू के भाई राजेंद्र साहू ने पुलिस को बताया कि तीनों युवक बुटी गम्हरिया गांव में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे।

विपरीत दिशा से आ रही पिकअप ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी।

# मोबाइल टावर पर चढ़ युवक ने किया हाई वोल्टेज ड्रामा

## कड़ी मशक्कत से साढ़े 3 घंटे बाद उतरा नीचे, पत्नी को भी पीटा था

गुमला, 7 जून (एजेंसियां)। गुमला में शनिवार को एक युवक नशे में अपने घर के पास मौजूद 130 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। यहां से वो गाली-गलौज करने लगा और घर की संपत्ति में बंटवारे की मांग करने लगा। मामला कोटाम गांव की है। इधर, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने युवक को काफी समझाया। इसके करीब साढ़े 3 घंटे बाद युवक नीचे उतरा। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टावर पर चढ़ने से पहले उसने नशे में अपनी पत्नी प्रतिमा देवी की पिटाई भी की थी। प्रतिमा को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

युवक की पहचान कोटाम गांव निवासी 25 वर्षीय रितेश सिंह उर्फ बाबू के रूप में की गई। वह करीब 130 फीट की ऊंचे मोबाइल के टावर पर चढ़ गया। रितेश अपने पिता और भाई से घर की संपत्ति के बंटवारे की मांग कर रहा था।

वह टावर पर चढ़कर गालियां भी देने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही कोटाम पिकेट की पुलिस मौके पर पहुंची। सैकड़ों ग्रामीण भी वहां जमा हो गए। पुलिस ने उसे नीचे उतारने का प्रयास किया। तेज धूप में टावर का पाइप गर्म हो गया था। इससे रितेश के लिए नीचे उतरना मुश्किल हो रहा था। हालांकि लगातार समझाने के बाद करीब साढ़े तीन घंटे बाद रितेश को सकुशल नीचे उतारा गया।

# 15 दिनों से हो रही थी चोरी, मुहल्ले के लोगों ने किया रतजगा, चार चोर पकड़े

रांची, 7 जून (एजेंसियां)। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के सत्यारी टोली में गंजी व हाफ पैंट में खाली पांव चोरी करने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है। स्थानीय लोगों ने खुद ही चोरों को पकड़ने की पहल की और चार चोरों को पकड़ा व जगन्नाथपुर थाना की पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए चोरों में चितौड़गढ़ राजस्थान का कमलेश चौहान (21), पंकज डोम (30), विजय कुमार (32) और बैंक मोड़ धनबाद का ज्ञान सिंह (45) शामिल है। वहीं दो अन्य हजारीबाग के जोरापट्टी का मारू चौहान और चितौड़गढ़ राजस्थान का करण चौधरी भागने में सफल रहे। इनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। शुक्रवार को गिरफ्तार चारों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। इनके विरुद्ध सत्यारी टोली रोड नंबर-1 निवासी राम प्रकाश टोप्पो ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। बुधवार की देर रात करीब 1 बजे चोरी की नीयत से 6-7 लोग राम प्रकाश टोप्पो के घर में घुस गए थे। उसी दौरान रात में अपनी छत पर रतजगा कर रहे पड़ोसी ने उन्हें देखा। इसके बाद ही वे पकड़े गए।

मुहल्ले के लोगों ने बताया कि ये चोर इतने शातिर है कि पकड़े न जाएं, इसके लिए गंजी व हाफ पैंट पहन कर निकलते थे। चोरी करने के समय गंजी को पेट पर बांध लेते थे। शरीर में तेल लगा कर रखते थे ताकि कोई पकड़े तो फिसल जाए। पैर खाली रखते थे ताकि किसी के घर में घुसे, तो आवाज न हो। इनके पास गुलेल, बड़ा पेचकस और कील निकालने वाला लोहे का औजार रहता था। ये खिड़की को तोड़ कर अंदर घुसते थे। अगर कोई पकड़ने की कोशिश करे, तो उसे घायल करने के लिए गुलेल रखते थे। इन लोगों ने राम प्रकाश टोप्पो के घर में टोरी करने से पहले मिक्की मनीषा टोप्पो, प्रफुल्ल तिर्की सहित कई के घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घर में घुसने के बाद ये चुपके से अलमीरा को टारगेट करते थे। उसमें जो भी नगदी व जेवरात मिलता था, उसे लेकर फरार हो जाते थे। राम प्रकाश टोप्पो के घर से इन चोरों ने अलमारी से सोने की चेन और 10 हजार रुपये नकद चुरा लिए थे। खिड़की तोड़ खाली पांव घर में चोरी करने घुसते थे ताकि आवाज न हो{ पकड़े जाने पर एक चोर ने पकड़ने वाले को काटा दांत, एक ने मालिक को कुआं में डुबोने की कोशिश की। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के सत्यारी टोली में 180 घर हैं। जहां लगातार चोरी की घटनाएं हो रही थीं। जब कई घरों में चोरी की घटनाएं हो गईं, तब मुहल्ले के लोगों ने विचार किया कि चोरों पर निगरानी रखी जाए। एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया। जिसमें मुहल्ले के लोगों को जोड़ा गया। निर्णय हुआ कि अपने-अपने घरों की छतों से निगरानी रखी जाएगी। क्योंकि रात 1 बजे के बाद ही चोर घरों में घुसते थे। रात में जिनके घर में मेल मेंबर थे, वे 11 बजे के बाद अपनी छतों से निगरानी रख रहे थे।

# झारखंड के 14 जिलों में हल्की बारिश के आसार

## तापमान 38 डिग्री तक पहुंचा, बादल-बारिश से मिल रही राहत; 20 जून तक आएगा मानसून

रांची, 7 जून (एजेंसियां)। लगातार हो रही बारिश की वजह से इस साल झारखंड में जितनी गर्मी पड़नी चाहिए थी, उतनी नहीं लग रही है। मौसम विभाग के मुताबिक कुछ साइक्लोनिक सर्कुलेशन तो कुछ लोकल वेदर डिसटरबेंस की वजह से ऐसा हो रहा है। इधर मौसम विभाग ने कहा है कि आज राज्य के उत्तर-पूर्व के जिले और मध्य हिस्से के जिले में आज भी बारिश हो सकती है। हल्के से मध्यम दर्जे की होने वाली इस बारिश के दायरे में रांची सहित 14 जिले शामिल हैं। मौसम विभाग ने इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में एक दो स्थानों पर गर्जन के साथ बहुत हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 4.2 मिलीमीटर पथरगामा गोड्डा में दर्ज की गई है। वहीं तापमान की बात करें तो सबसे अधिक तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रहा जबकि सबसे कम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि मानसून के प्रवेश में देर हो सकती है। अब तक समय से पहले प्रवेश की बात हो रही थी लेकिन अब 15 से 20 जून के बीच संथाल परगना के रास्ते झारखंड में मानसून के प्रवेश की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि इस दौरान मौसम में बदलाव जारी रहेगा।

संथाल परगना के इलाकों में बारिश होती रहेगी। रविवार को उत्तर-पश्चिम भाग को छोड़कर शेष भाग में कहीं-कहीं कर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना है। आज दोपहर बाद राजधानी रांची में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं बारिश के आसार हैं। यह स्थिति 12 जून तक रह सकती है।

# रात 1 बजे लड़कियां कर रही थीं पार्टी, बीच में आ गए कुछ अनजान लड़के

## फिर नदी किनारे एक-दूसरे को पटक-पटक कर पीटा

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में लड़कियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां के महादेव घाट इलाके में आधी रात गर्ल्स के एक ग्रुप और कुछ स्थानीय लड़कों के बीच मारपीट हुई है। बताया जा रहा है कि लड़कियां पार्टी कर रही थीं इतने में कुछ स्थानीय लड़कों ने कमेंट किया। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। लड़कियों के ग्रुप ने कुछ लड़कों को पीटा वहीं, कुछ लड़के भी बाल खींचकर लड़कियों के साथ मारपीट कर रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में लड़कियां, लड़कों को गाली दे रही हैं और उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीट भी रही हैं। लड़कियों ने मामले की शिकायत डीडी नगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने लड़कियों की शिकायत पर आरोपी लड़कों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, एक लड़के ने एक लड़की की ऊंगली को काट दिया है। इस हमले में 5 लड़कियां घायल हुई हैं। घटना गुरुवार रात की है। लड़कियों ने अपनी शिकायत में बताया कि सभी अपनी एक सहेली की बर्थ-डे पार्टी में शामिल होने के लिए गईं थी। सभी लड़कियां महादेव घाट से लगे विसर्जन कुंड के पास पार्टी कर रही थीं। ये सेलिब्रेशन रात में करीब 1 बजे तक चला। इतने में वहां कुछ लड़के आए और लड़कियों को देखकर कमेंट करने लगे। जिसके बाद पहले तो दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ फिर बात मारपीट तक पहुंच गई।

लड़कियों ने बताया कि पार्टी के बीच में कुछ अनजान लड़के आ गए। वह सवाल करने लगे की तुम लोग कौन हो और कहां रहती हो? इनमें से एक लड़की ने उन लड़कों को वहां से जाने के लिए कहा। इतने में लड़कों का ग्रुप लड़कियों को धमकाने लगा और बदसलूकी करने लगा।

# मुकेश अंबानी ने आईसीटी को दान किए 151 करोड़

## 1970 के दशक में यहीं से की थी स्नातक की पढ़ाई

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई को 151 करोड़ रुपये का बिना शर्त अनुदान देने की घोषणा की। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में 'गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं'...' मुकेश अंबानी ने कहा, '70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था, यह यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी था। मैंने जानबूझकर आईआईटी बॉम्बे की जगह यूडीसीटी को चुना था। आज

भी मुझे प्रोफेसर शर्मा का पहला व्याख्यान याद है और उन्हें सुनने के बाद मुझे विश्वास हो गया कि मैंने सही चुनाव किया है।

**धीरूभाई अंबानी का जिक्र किया**

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'मेरे पिता धीरूभाई अंबानी की तरह प्रोफेसर एमएम शर्मा में भारतीय उद्योग को अभाव से वैश्विक नेतृत्व में बदलने की तीव्र इच्छा थी। मैं उनके और मेरे पिता के बीच हुई सभी बैठकों में मौजूद था। इन दो साहसी दूरदर्शी लोगों का मानना था कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, निजी उद्यमिता के साथ गठबंधन करके समृद्धि के द्वार खोले जा सकते हैं। वे दोनों इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि भारत के लिए बड़ा सोचने और विश्व स्तरीय विनिर्माण सुविधा बनाने का समय आ गया है।

**'प्रतिभाशाली छात्रों और संकायों को वापस आकर्षित करने का सबसे अच्छा अवसर'**

उन्होंने कहा कि हमें भारत को एक डीप टेक राष्ट्र बनाना चाहिए। एआई और अन्य सफल तकनीकों का उपयोग करके हमें अपने देश को उन्नत विनिर्माण में वैश्विक नेता बनाना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा संस्थानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भविष्य की तकनीकों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। विशेष रूप से उन पर जैसे- प्रोटीन, एंजाइम और रसायन विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में, जो जटिल बीमारियों का इलाज कर सकते हैं, मानव जीवन को लम्बा कर सकते हैं और नई सामग्री बना सकते हैं, पर्यावरण को साफ कर सकते हैं।

# जीएसटी फाइलिंग को लेकर आया बड़ा अपडेट, नहीं किया ये काम तो होगा नुकसान

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। जीएसटी रिटर्न फाइल करने वाले उन लोगों के लिए सबसे बड़ा अपडेट है, जिन्होंने अब तक तीन साल पहले के ड्यू डेट से अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया है।ऐसे लोग अब जुलाई को रिटर्न फाइल नहीं कर पाएंगे।जीएसटी नेटवर्क ने शनिवार को कहा कि जुलाई टैक्स पीरियड की शुरुआत से, जीएसटी टैक्सपेयर्स मूल फाइलिंग की ड्यू डेट से तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे।जुलाई, 2025 की टैक्स अवधि का मतलब है कि करदाता इस साल अगस्त में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर जीएसटीएन की ओर से किस तरह का अपडेट दिया है।

**जीएसटी फाइलिंग पर बड़ा अपडेट**

एक परामर्श में, गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि टैक्सपेयर फाइलिंग की ड्यू डेट से तीन साल की समाप्ति पर जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-3बी, जीएसटीआर-4, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7, जीएसटीआर-8 और जीएसटीआर-9 दाखिल नहीं कर पाएंगे।समय सीमा के संबंध में माल और सेवा कर (जीएसटी) कानून में संशोधन वित्त अधिनियम, 2023 के माध्यम से प्रभावी किए गए थे।इस प्रकार, लायबिलिटी के पेमेंट से संबंधित रिटर्न, वार्षिक रिटर्न और टीडीएस के अलावा जीएसटी आउटवर्ड सप्लाई रिटर्न समय-बाधित हो जाएंगे।

**टैक्सपेयर्स को सलाह**

जीएसटीएन द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि तीन साल की समाप्ति के बाद रिटर्न दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी।उक्त प्रतिबंध जुलाई, 2025 कर अवधि से जीएसटी पोर्टल पर लागू किया जाएगा।इसने टैक्सपेयर्स को सलाह दी कि यदि उन्होंने अब तक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किया है तो वे अपने रिकॉर्ड का मिलान कर लें और जल्द से जल्द अपना जीएसटी रिटर्न दाखिल करें।इससे पहले अक्टूबर में, जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने करदाताओं को सचेत किया था कि कर प्रतिबंध का उक्त प्रावधान 2025 की शुरुआत में लागू किया जाएगा।

**क्या कहते हैं जानकार**

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि यह कदम सिस्टम अनुशासन को बढ़ाता है और लंबे समय तक गैर-अनुपालन को कम करता है, लेकिन यह उन करदाताओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिनके पास मुकदमेबाजी, सिस्टम मुद्दों या वास्तविक निरीक्षण के कारण लंबित फाइलिंग है।मोहन ने कहा कि असाधारण मामलों के लिए निवारण तंत्र की अनुपस्थिति से इनपुट टैक्स क्रेडिट और वित्तीय झटके से स्थायी रूप से इनकार किया जा सकता है।

# मान गए जिनपिंग : अमेरिका में फिर से रेयर अर्थ एलिमेंट्स भेजने के लिए तैयार हुआ चीन, अप्रैल में रोक दी थी शिपमेंट

वाशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एयर फोर्स वन पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिका में फिर से रेयर अर्थ एलिमेंट्स भेजने के लिए तैयार हो गए हैं।चीन ने अप्रैल में इनके निर्यात पर रोक लगा दी थी।

**इन 7 आरईईएस के एक्सपोर्ट पर लगी थी रोक**

चीन ने समारियम, गैडोलीनियम, यिट्रियम, डिस्प्रोसियम, टेरबियम, स्कैंडियम और ल्यूटेटियम इन सात रेयर अर्थ तत्वों के अमेरिकी एक्सपोर्ट में रोक लगाने का फैसला लिया था।इनका इस्तेमाल डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर में बढ़-चढ़कर होता है।इलेक्ट्रिक मोटर्स से लेकर एयरोस्पेस कॉम्पोनेंट्स तक बनाने में ये काम आते हैं।दोनों देशों के बीच बढ़ते टैरिफ वॉर के मद्देनजर चीन ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने और उसे प्रभावित करने के लिए यह कदम उठाया था।

**दोनों देशों के बीच व्यापार पर फिर से बातचीत**

ट्रंप ने को यह भी कहा कि अमेरिका और चीन के अधिकारी सोमवार, 9 जून को लंदन में बैठक कर दोनों देशों के बीच व्यापार पर चर्चा करेंगे।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में

लिखा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ट्रेजरी सेक्रेट्री स्कॉट बेसेंट, कॉमर्स सेक्रेट्री हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि व राजदूत जैमीसन ग्रीर सोमवार, 9 जून, 2025 को लंदन में चीनी अधिकारियों के साथ मिलकर ट्रेड डील पर बात करेंगे।"

**ट्रंप-जिनपिंग के बीच फोन पर लंबी बातचीत**

गुरुवार को ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 90 मिनट तक हुई बातचीत के बाद इसका ऐलान किया गया।इस फोन कॉल के बाद ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर चल रहे तनाव को जल्द ही सुलझाया जा सकता है।इससे पहले दोनों देशों के अधिकारियों के बीच 12 मई को जिनेवा में बैठक हुई थी।इस दौरान, दोनों ने एक-दूसरे पर लगाए गए हाई टैरिफ को काफी हद तक कम कर देने की जानकारी दी थी।

# हीरों की दुनिया में बड़ा दांव! डी बीयर्स पर अनिल अग्रवाल की नजर

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। हीरे की दिग्गज कंपनी डी बीयर में बड़ी हलचल मची है. खबर है कि भारतीय मूल के अरबपति अनिल अग्रवाल और कतरी निवेश फंड्स इस प्रतिष्ठित डायमंड कंपनी को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं. डी बीयर की मालिक एंग्लो अमेरिकन (एंग्लो अमेरिकन) कंपनी ने हाल ही में कहा था कि वह अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा कर रही है और डी बीयर को बेचने की संभावना पर विचार कर रही है. इसके बाद से ही दुनियाभर के निवेशकों की नजर इस डील पर टिक गई है.ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अनिल अग्रवाल और कतरी निवेशक इस संभावित सौदे में हिस्सा लेने के लिए तैयारी कर रहे हैं. हालांकि अभी किसी भी पक्ष ने औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया है और बातचीत शुरुआती चरण में है. एंग्लो अमेरिकन अभी इस बारे में कोई अंतिम फैसला

नहीं ले पाई है.

**सबसे पुरानी हीरा कंपनी**

डी बीयर्स दुनिया की सबसे बड़ी और पुरानी हीरा कंपनियों में से एक है. इस कंपनी ने न सिर्फ ग्लोबल डायमंड मार्केट को दशकों तक नियंत्रित किया, बल्कि 'हीरा सदा के लिए होता है' जैसी ब्रांडिंग के जरिए लोगों की सोच पर भी गहरा प्रभाव डाला.इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह डील होती है, तो अनिल अग्रवाल की यह बड़ी वापसी होगी. उन्होंने इससे पहले वेदांता रिसोर्सेज के जरिए माइनिंग और कमोडिटी सेक्टर में अपनी मजबूत पकड़ बनाई थी.हालांकि, एंग्लो अमेरिकन की ओर से कहा गया है कि वे रणनीतिक समीक्षा की प्रक्रिया के तहत कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और डी बीयर्स की बिक्री की कोई गारंटी नहीं है.इस संभावित सौदे को लेकर निवेशकों और ग्लोबल मार्केट की निगाहें अब एंग्लो अमेरिकन की अगली चाल पर हैं. डी बीयर्स को एंग्लो अमेरिकन से अलग किया जा रहा है, क्योंकि लंदन में सूचीबद्ध यह खनन कंपनी तांबे और लौह अयस्क पर पुनः ध्यान केंद्रित कर रही है, लेकिन यह कदम वैश्विक स्तर पर हीरे की कीमतों पर दबाव के कारण उठाया गया है. दो सूत्रों ने बताया कि वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन अग्रवाल, जिनकी जाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका में खदानें हैं, एक बड़े समूह के हिस्से के रूप में इच्छुक पक्षों में से एक हैं.एंग्लो और अग्रवाल दोनों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि केजीके ग्रुप और कापू जेम्स सहित भारतीय कंपनियां जो घरेलू कटिंग और पॉलिशिंग व्यापार पर हावी हैं और डी बीयर्स की सबसे बड़ी ग्राहक हैं ने भी रुचि दिखाई है.केजीके ग्रुप और कापू जेम्स ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया. एंग्लो अमेरिकन, जिसका डी बीयर्स के लिए बही मूल्य 4.9 बिलियन डॉलर है, पिछले दो वर्षों में 3.5 बिलियन डॉलर का नुकसान होने के बाद ने कहा कि उसने बिक्री या विभाजन और संभावित लिस्टिंग में मदद के लिए मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सैक्स और सेंटरव्यू जैसे वित्तीय सलाहकारों को रखा है।

# 500 रुपये के नोट भी हो जाएंगे बंद? सरकार ने कहा यह लीगल टेंडर बना रहेगा

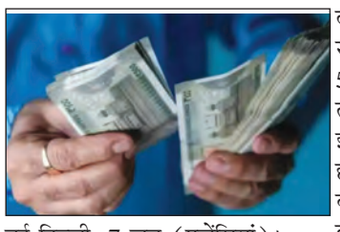

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। 500 रुपये का नोट सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला नोट है। कुल नोटों में 41% हिस्सा इन्हीं नोटों का है। कीमत के हिसाब से इसका हिस्सा 86% है। इसका मतलब है कि ज्यादातर लोग 500 रुपये के नोट का इस्तेमाल कर रहे हैं। दूसरी तरफ, छोटे नोट जैसे 20, 50, 100 और 200 रुपये के नोट कम इस्तेमाल हो रहे हैं। सरकार चाहती है कि लोग छोटे नोटों का इस्तेमाल करें और डिजिटल पेमेंट करें। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा था कि सरकार छोटे नोटों और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि छोटे नोटों का ज्यादा इस्तेमाल हो। इस बीच यूट्यूब पर एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि सरकार अगले साल मार्च से 500 रुपये के नोट को चरणबद्ध तरीके से बंद करने जा रही है। इससे लोगों में कनफ्यूजन पैदा हो रहा है। 12 मिनट के इस वीडियो को पांच लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। हालांकि सरकार का कहना है इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है कि 500 रुपये का नोट बंद होने जा रहा है। सरकार का कहना है कि आरबीआई ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। सरकार की फैक्ट फाइंडिंग एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक डिवीजन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '500 रुपये के नोट को बंद नहीं किया गया है और यह लीगल टेंडर है।

किसी भी न्यूज पर भरोसा करने से पहले या उसके शेयर करने से पहले आधिकारिक स्रोत से पुष्टि की जानी चाहिए।' अभी 500 रुपये का जो नोट चलन में है, उसके 2016 में नोटबंदी के बाद शुरू किया गया था। आरबीआई ने साथ ही 2,000 रुपये का नोट भी जारी किया था लेकिन उसे अब बंद कर दिया गया है।

# दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की अमृत ने फिर मारी बाजी! इतनी कम है एक बोतल की कीमत

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय व्हिस्की ब्रांड अमृत डिस्टिलरीज ने 2025 के प्रतिष्ठित सैन फ्रांसिस्को वर्ल्ड स्पिरिट्स प्रतियोगिता में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।कंपनी ने तीन डबल गोल्ड और एक गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है। अमृत फ्यूजन सिंगल माल्ट स्कॉच व्हिस्की भारत की विदेशों में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली व्हिस्की है।इसे डबल गोल्ड मिला है।अमृत इंडियन सिंगल माल्ट, अमृत कुरिंजी सिंगल माल्ट को भी डबल गोल्ड मिला है।जबकि अमृत

पीटेड सिंगल माल्ट को गोल्ड मिला है।यह उपलब्धि अमृत डिस्टिलरीज को एसएफडब्ल्यूएससी 2025 में तीन डबल गोल्ड जीतने वाली एकमात्र भारतीय डिस्टिलरी बनाती है।कंपनी के प्रबंध निदेशक रक्षित एन जगदाले ने कहा, हम इस प्रतिष्ठित मंच से यह सम्मान पाकर अत्यंत प्रसन्न हैं।अमृत डिस्टिलरीज की यह सफलता भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करती है और वैश्विक बाजार में भारतीय ब्रांड की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अमृत फ्यूजन व्हिस्की का भारत में रेट 5200 रुपए है। अमृत इंडियन सिंगल माल्ट की कीमत 5190 रुपए है। अमृत कुरिंजी सिंगल माल्ट 5200 रुपए और अमृत पीटेड सिंगल माल्ट की कीमत भी 5190 रुपए के करीब है।

# क्या आम में आएगा अंबानी का 'जियो मोमेंट'?

## भारत को एक्सपोर्ट चैम्पियन बना सकते हैं मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। फिनफ्लो नाम की एक एग्री-बिजनेस कंपनी ने हाल ही में इन मुद्दों को उजागर किया।इसके मुताबिक, भारत हर साल करीब 2.6 करोड़ टन आम पैदा करता है, लेकिन एक्सपोर्ट सिर्फ 0.13% ही होता है।इससे भारत को महज 14.8 करोड़ डॉलर की कमाई होती है।वहीं, मेक्सिको अपने आम का 22.5% एक्सपोर्ट करता है और 57.5 करोड़ डॉलर कमाता है—जबकि उसने आम की खेती महज 35 साल पहले शुरू की थी।भारत में कोल्ड चेन की कमी के कारण करीब 40% आम खेत से बाजार तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाते हैं।इन सभी समस्याओं के बीच, मुकेश अंबानी का जामनगर स्थित 'आमनगर' प्रोजेक्ट उम्मीद की किरण बनकर उभरा है।रिलायंस ने 600 एकड़ में 1.3 लाख

आम के पेड़ लगाए हैं, जिसमें 200 से ज्यादा किस्में शामिल हैं।इस पूरी सप्लाई चेन को रिलायंस ने खुद डिज़ाइन किया है—खेती से लेकर स्टोरेज और मार्केटिंग तक।इस हाई-टेक और स्केलेबल मॉडल के जरिए रिलायंस एशिया की सबसे बड़ी आम एक्सपोर्टर बन चुकी है।फिनफ्लो का मानना है कि यह भारत के आम उद्योग के लिए वैसा ही 'जियो मोमेंट' साबित हो सकता है, जैसा टेलीकॉम सेक्टर में हुआ था। 2025 तक वैश्विक मांग 6.5 करोड़ टन तक पहुंचने वाली है।ऐसे में अगर भारत ने समय रहते सुधार नहीं किया, तो हम पीछे रह जाएंगे—अपने ही फल में.

# 16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त किये गए डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर, अजय नारायण की जगह लेंगे

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह नियुक्ति पूर्णकालिक सदस्यों में से एक पूर्व वित्त सचिव अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है। वित्त आयोग केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर सुझाव देने के लिए एक संवैधानिक निकाय है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। शंकर कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक या 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो,

पद पर बने रहेंगे। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले आयोग में चार सदस्य हैं। सचिव ऋत्विक पांडे, दो संयुक्त सचिव और एक आर्थिक सलाहकार उनकी सहायता करते हैं। सेवानिवृत्त अधिकारी एनी जॉर्ज मैथ्यू और अर्थशास्त्री मनोज पांडा आयोग के पूर्णकालिक सदस्य हैं, जबकि एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष अंशकालिक सदस्य हैं। सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग का गठन किया था। यह पैनल 31 अक्टूबर, 2025 तक राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। यह रिपोर्ट 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होकर पांच साल के लिए होगी। केंद्र और राज्यों के बीच कर हस्तांतरण और राजस्व वृद्धि उपायों का सुझाव देने के अलावा, आयोग आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गठित निधियों के संदर्भ में आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण के लिए मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करेगा। टी रबी शंकर को मई 2021 में तीन वर्षों की अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। जिसके बाद 2024 में उनका कार्यकाल एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया। डिप्टी गवर्नर के पद पर पदोन्नत किए जाने से पहले शंकर भारतीय रिजर्व बैंक में कार्यकारी निदेशक थे। उन्होंने 1990 में आरबीआई की सेवा में प्रवेश किया था और कार्यकारी निदेशक के रूप में वे सूचना प्रौद्योगिकी, भुगतान एवं निपटान प्रणाली, फिनटेक और जोखिम निगरानी विभागों का काम देख रहे थे। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में शामिल हैं: रिजर्व पोर्टफोलियो प्रबंधन, मौद्रिक संचालन और विकास, विनिमय दर प्रबंधन, सार्वजनिक ऋण प्रबंधन, भुगतान प्रणालियाँ और सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना, तथा वित्तीय बाजारों का विनियमन और निगरानी।


## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 18-44
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 07-18 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , रविवार 08 June
नक्षत्र - स्वाति 12-41 तक उपरान्त. विशाखा
योग - परिघ 12-17 तक उप शिव
करण- बालव 07-18 तक उप कौलव
विशेष:- वट सावित्री व्रत
व्रत त्योहार - प्रदोष व्रत

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | वृष | वृष--- | 04-12 बजे |
| चंद्र- | तुला | मिथुन.. | 06-12 बजे |
| मंगल | कर्क | कर्क-- | 08-25 बजे |
| बुध- | वृष | सिंह--- | 10-36 बजे |
| गुरु- | मिथुन | कन्या... | 12-43 बजे |
| शुक्र- | मीन | तुला.... | 14-50 बजे |
| शनि- | मीन | वृश्चिक.. | 16-58 बजे |
| राहु- | कुंभ | धनु..... | 19-12 बजे |
| केतु- | सिंह | मकर... | 21-22 बजे |
| | | कुंभ... | 23-09 बजे |
| | | मीन.... | 00-47 बजे |
| | | मेष..... | 02-23 बजे |

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 17:10 से 18:48 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| उत्पात | 05:44 - 07:21 अशुभ | शुभ | 18:48 - 20:10 शुभ |
| चंचल | 07:21 - 08:59 शुभ | अमृत | 20:10 - 21:32 शुभ |
| लाभ। | 08:59 - 10:37 शुभ | चंचल | 21:32 - 22:54 शुभ |
| अमृत | 10:37 - 12:15 शुभ | रोग | 22:54 - 00:15 अशुभ |
| काल | 12:15 - 13:54 अशुभ | काल | 00:15 - 01:37 अशुभ |
| शुभ | 13:54 - 15:32 शुभ | लाभ | 01:37 - 02:59 शुभ |
| रोग | 15:32 - 17:10 अशुभ | उत्पात | 02:59 - 04:21 अशुभ |
| उत्पात | 17:10 - 18:44 अशुभ | शुभ | 04:21 - 05:44 शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं ।इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें ।आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है ।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है। आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें ।इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे ।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा ।कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

## उद्धव-राज ठाकरे आएंगे साथ?

# पोस्टर पर लिखा–परप्रांतियों के मंसूबे पूरे होने से पहले एक हो जाएं

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में कई दिनों से इस बात की चर्चा है कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ आ सकते हैं। अब इसे लेकर सरगर्मी तेज हो गई है क्योंकि महाराष्ट्र में कई जगह दोनों नेताओं से एकजुट होने की अपील करते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में भी इसे लेकर लेख लिखा गया है। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे परिवार कमजोर हो गया है। शिवसेना यूबीटी बंटवारे के बाद कमजोर हो गई है। वहीं राज ठाकरे कई वर्षों की राजनीति के बाद भी प्रदेश की राजनीति में बड़े खिलाड़ी नहीं बन पाए हैं। यही वजह है कि दोनों पार्टियों के साथ आने की अपील की जा रही है।

**पोस्टर में परप्रांतियों के खिलाफ एकजुट होने की अपील**

मुंबई के गिरगांव इलाके में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने को लेकर एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें बाला साहेब ठाकरे के साथ ही उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की तस्वीर है। इस पोस्टर में लिखा गया है कि- 'महाराष्ट्र में परप्रांतियों के मंसूबे पूरे होने से पहले एक हो जाइए, 8 करोड़ मराठी जनता एक साथ आने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' इस पोस्टर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि ठाकरे परिवार के एकजुट होने के लिए सार्वजनिक समर्थन मौजूद है।

**उद्धव ठाकरे ने कहा–संदेश नहीं सीधे खबर दूंगा**

शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में भी शिवसेना यूबीटी और मनसे में संभावित गठबंधन को लेकर लेख लिखा गया। सामना में दावा किया गया कि उद्धव ठाकरे ने मनसे से गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मनसे प्रमुख भी इस मुद्दे पर अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उद्धव ठाकरे से मनसे से गठबंधन को लेकर सवाल किया गया। जिस पर उद्धव ठाकरे ने मनसे के साथ गठबंधन की चर्चाओं को मजबूती देते हुए कहा कि 'महाराष्ट्र के लोगों के मन में जो है, वही होगा। गठबंधन पर मैं कोई संदेश नहीं दूंगा, मैं सीधे खबर देता हूं।' मनसे के गठन के कुछ साल में पार्टी को अच्छी लोकप्रियता मिली और मनसे ने 2009 के विधानसभा चुनाव में 13 सीटों पर जीत दर्ज की और कई सीटों पर शिवसेना उम्मीदवारों की हार का कारण बनी। इसके बाद नगरपालिका चुनाव में भी मनसे का दबदबा साफ दिखा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दौरान मनसे की बढ़ती ताकत को देखते हुए उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे को गठबंधन का ऑफर दिया था, जिसे राज ठाकरे ने ठुकरा दिया था। अब जब शिवसेना में बंटवारा होकर शिवसेना यूबीटी हो गई है और मनसे भी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। ऐसे में इस बार राज ठाकरे ने गठबंधन का प्रस्ताव दिया, जिस पर उद्धव ठाकरे ने भी सकारात्मक जवाब दिया है।

## शिवसेना से क्यों जुदा हुईं राज ठाकरे की राहें

साल 1988 में राज ठाकरे शिवसेना के राजनीतिक मामलों में सक्रिय होना शुरू हुए। शुरुआत में राज ठाकरे के बेबाक अंदाज और जोशीले भाषण के चलते उन्हें ही बाल ठाकरे का उत्तराधिकारी माना जाने लगा। हालांकि 90 के दशक की शुरुआत में उद्धव ठाकरे भी राजनीति में सक्रिय हो गए।

खुद बाल ठाकरे, उद्धव ठाकरे को राजनीति के गुर सिखा रहे थे। राज ठाकरे जहां बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं, वहीं उद्धव ठाकरे की पहचान विनम्र नेता की थी। साल 1996 राज ठाकरे की राजनीति के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जब ठाकरे एक व्यक्ति रमेश की मौत के मामले में फंस गए थे। रमेश की पत्नी ने आरोप लगाया कि राज ठाकरे और उनके आदमियों ने रमेश को एक किराए का मकान खाली करने के लिए मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया था। इसे लेकर खूब राजनीतिक हंगामा हुआ और सीबीआई ने इस मामले में राज ठाकरे से पूछताछ भी की थी। इससे राज ठाकरे की ताकत कम हुई। हालांकि राज ठाकरे को इस मामले में निर्दोष साबित हुए। हालांकि इस दौरान उद्धव ठाकरे ने शिवसेना पर अपनी पकड़ बना ली। इसके बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच कई नीतियों पर मतभेद हुए और कई मामलों में उद्धव ठाकरे को विरोध झेलना पड़ा। जिससे दोनों के बीच दूरियां बढ़तीं गईं। आखिरकार साल 2006 में राज ठाकरे ने मनसे का गठन कर लिया और शिवसेना से अलग हो गए।

# बेंगलुरु भगदड़ मामला : सीआरएफ ने राज्य सरकार को निलंबित करने का आग्रह किया

बेंगलुरु, 7 जून (एजेंसियां)। चिन्नास्वामी स्टेडियम में चार जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा कई लोग घायल भी हुए।

इस घटना ने कर्नाटक में एक बड़ा राजनीतिक तूफान भी खड़ा कर दिया है। एक मानवाधिकार समूह ने गवर्नर थावरचंद गहलोत से घटना की न्यायिक जांच होने तक राज्य सरकार को निलंबित करने का आग्रह किया है। राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में, सिटिजन राइट्स फाउंडेशन (सीआरएफ) ने इस घटना के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को 'सीधे तौर पर जिम्मेदार' ठहराया है। सीआरएफ ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रमुख प्रशासनिक विभागों के विरोध के बावजूद इस कार्यक्रम को आगे बढ़ने दिया गया। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) सीएम सिद्धारमैया के अधिकार क्षेत्र में आता है। सीआरएफ का कहना है कि सीएम सिद्धारमैया और डीसीएम शिवकुमार ने पुलिस द्वारा उठाई गई चिंताओं को दरकिनार किया गया और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अधिकारियों के साथ उनकी निकटता के कारण आरसीबी के प्रोग्राम को आगे बढ़ने दिया।

केएससीए ने कथित तौर पर आरसीबी फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस हादसे के बाद, राज्य सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस कमिश्नर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। सीआरएफ का आरोप है कि यह कदम आरोप को हटाने के अलावा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच में रुकावट डालने की कोशिश के लिए उठाया गया है। सरकार पर एक प्राइवेट स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। सीआरएफ का दावा है कि सरकार की निगरानी में केएससीए अधिकारियों ने अवैध रूप से टिकट बांटे और अवैध रूप से रेवेन्यू जुटाया।

राजभवन में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले सीआरएफ अध्यक्ष केए पॉल ने कहा, सत्ता के दुरुपयोग के कारण कानून और व्यवस्था ध्वस्त हो गई। सीआरएफ का दावा है कि यह कार्यक्रम एक निजी संस्था के लिए एक अनौपचारिक प्रचार कार्यक्रम था, जिसे सार्वजनिक संसाधनों की मदद से आयोजित किया गया। इसमें विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को लाने-ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाले सरकारी गाड़ियां भी शामिल थीं।

### 'राहुल ने बिहार में हार स्वीकारी'

## चुनाव में धांधली के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ट्वीट पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने करारा हमला बोला। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच राहुल के ट्वीट पर फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में अपनी हार स्वीकार कर ली है। जब तक राहुल गांधी जमीन पर नहीं उतरेंगे, तथ्यों को नहीं समझेंगे, खुद को और अपनी पार्टी को झूठा आश्वासन नहीं देंगे, तब तक उनकी पार्टी कभी नहीं जीत सकती। उन्हें जागना होगा और वास्तविकता को समझना होगा। अन्यथा वे ऐसी बिन सिर-पैर की बातें करते रहेंगे।

न तो राहुल गांधी समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं, न ही लोग समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी के बयान पर कहा, 'स्वाभाविक है, जो व्यक्ति हारता है वह इसी तरह की बात करता है। यदि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है तो वे इस्तीफा दे दे और इस व्यवस्था से ही बाहर हो जाए।' ऐसे ही केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'इसका मतलब है कि वे हार मान चुके हैं। हार मानने वाले लोग इसी तरह की बातें करते हैं। राहुल गांधी अपनी हार देखते हुए ऐसे बयान दे रहे हैं। अब बहुत लोग उनकी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं, वे हल्की बात बोलते हैं।'

# मुर्शिदाबाद हिंसा-चार्जशीट दाखिल, इसमें 13 नाम

### वक्फ बिल के खिलाफ बंगाल में हुए थे प्रदर्शन, 113 घर तोड़े गए, दुकानें जलाई गईं

कोलकाता, 7 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद के जाफराबाद में अप्रैल में हुई हिंसा में पिता-बेटे के डबल मर्डर मामले में शुक्रवार को 13 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। राज्य में 11-12 अप्रैल को नए वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसके बाद हिंसा भड़क गई थी। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से जांच समिति गठित की गई थी। पिछले महीने समिति ने गंभीर खुलासे किए थे।

इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया। रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची। दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे।

**बंगाल गवर्नर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेज चुके**

पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी. वी. आनंद बोस ने 4 मई को मुर्शिदाबाद दंगे पर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कट्टरपंथ और उग्रवाद को पश्चिम बंगाल के लिए बड़ा खतरा बताया था। गवर्नर ने कहा था कि बंगाल को दोहरा खतरा है, खासतौर पर बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में ज्यादा है, क्योंकि यहां हिंदू आबादी अल्पसंख्यक हैं। उन्होंने नॉर्थ दिनाजपुर को भी संवेदनशील जिला बताया था।

## पाकिस्तान को जुल्म और जुर्म के जल्लादों की कुर्बानी देनी होगी : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के एक माह बीतने पर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान अपने यहां से आतंकवाद को खत्म नहीं करेगा तो एक दिन वह खुद अपने अंत की कहानी लिख रहा होगा। इसलिए, पाकिस्तान को अपने यहां जुल्म और जुर्म के जल्लादों की कुर्बानी देनी होगी। मीडिया से बातचीत के दौरान शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ और टकसाल है और उसे अपनी धरती पर पल रहे अपराधियों को खत्म करना होगा। ये लोग मानवता और इस्लाम दोनों के लिए खतरनाक हैं।

# सीएम भूपेंद्र पटेल ने राजकोट को दी 557 करोड़ की सौगात

### विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

गांधीनगर, 7 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वामी ऑडिटोरियम में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी विकास वर्ष के अंतर्गत राजकोट शहर और जिले में बहुत अच्छे विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा, उनसे राजकोट शहर और जिले के नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने पिछले दो दशकों की राजकोट की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में अटल सरोवर, एम्स, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, विभिन्न फ्लाईओवर सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से राजकोट की भी कायापलट हुई है और शहर के निवासियों की खुशहाली बढ़ी है। राजकोट में आज नवनिर्मित आर्ट गैलरी सहित करोड़ों रुपये के विकास कार्य, राज्य सरकार की शहरजनों की सुगमता और खुशहाली बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 352वें राज्याभिषेक दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने सुशासन की स्थापना की थी। जनकल्याण, सुरक्षा और युद्ध का श्रेष्ठतम मॉडल विकसित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की राजनीति शुरू कर 'नागरिक देवो भवः' की भावना के साथ पिछले 11 वर्षों के सुशासन में विकास का लाभ छोटे से छोटे व्यक्ति तक पहुंचाकर सुशासन का मॉडल स्थापित किया है। प्रधानमंत्री के बताए मार्ग पर चलते हुए आज राजकोट को 557.18 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की भेंट मिल रही है।

## इंदौर के दंपती को चारों तरफ से घेरने वाले कौन थे?

### सोनम के पिता ने जांच पर उठाए सवाल

इंदौर, 7 जून (एजेंसियां)। इंदौर से 20 मई को राजा और सोनम हनीमून पर गए थे। लापता होने के बाद राजा का शव तो मिल गया है लेकिन सोनम की तलाश जारी है। सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी ने बड़े सवाल उठाए हैं। इन सवालों के जवाब उनको चाहिए। अगर इनके जवाब खोजे जाएं तो हो सकता है सोनम का पता चल जाए। उनका आरोप है कि शिलांग पुलिस होटल वालों को बचाने की दिशा में काम कर रही है। बेटी सोनम को बचाने की पुरजोर कोशिश नहीं हो रही है। सिलसिलेवार आपको बताते हैं कि सोनम के पिता ने कौन-कौन से सवाल खड़े किए हैं। सोनम के पिता ने कहा कि स्कूटी के चारों तरफ चार गाड़ियां आकर लगी थीं। एक गाड़ी आगे थी। एक पीछे। एक बाएं और एक दाएं थी। इन गाड़ियों में कौन लोग आए थे ? उन्होंने कहा कि अगर एक गाड़ी में दो लोगों के आने की बात मानी जाए तो आठ लोगों ने बच्चों को घेरा होगा। जिन लोगों ने बच्चों को घेरा था। उनके पास कितने मोबाइल थे। उन लोगों ने घटना से पहले किन से बात की ? बच्चों को घेरने के बाद किससे बात की? अभी मोबाइल कहां हैं ? उनकी सर्चिंग क्यों नहीं की गई ? उनकी मोबाइळ कॉल की डिटेल क्यों नहीं शिलांग पुलिस ने निकाली । बच्चों को घेरने वाले लोग जिस गाड़ी से आए थे। वो किसके नाम पर थीं। इन गाड़ियों की जांच क्यों नहीं की गई ? वहां की पुलिस सबको बचाने की दिशा में क्यों काम कर रही है ?

## केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भर रहा था हेलिकॉप्टर, सड़क पर हुआ लैंड

देहरादून, 7 जून (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग जनपद के बडासू क्षेत्र में केदारनाथ के लिए जा रहा एक हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते अचानक सड़क पर लैंड हुआ। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ धाम की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में आपात स्थिति के कारण पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलीकॉप्टर को बडासू के पास सुरक्षित सड़क पर उतारा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया।

# असम में सामान्य हो रहे हालात, घटने लगा नदियों का जलस्तर

## सिक्किम में 'राहत' लेकर पहुंचा हेलीकॉप्टर

गुवाहाटी/गंगटोक, 7 जून (एजेंसियां)। मानसूनी बारिश का कहर झेल रहे पूर्वोत्तर राज्यों में अब हालात सामान्य हो रहे हैं। बाढ़ की विभीषिका का सामना कर रहे असम में भी अब स्थिति सुधर रही है। खतरे के निशान को पार चुकी ब्रह्मपुत्र समेत तमाम नदियों का जलस्तर भी अब घटने लगा है। तमाम जिलों में बारिश कम हो गई है। वहीं भूस्खलन प्रभावित सिक्किम के चट्टन में सेना का हेलीकॉप्टर 1300 किलो राहत सामग्री लेकर पहुंचा।

पूर्वोत्तर राज्यों में मानसूनी बारिश ने कहर बरपाया है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से 19 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि सात लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। असम की बात करें तो यहां अब हालात सुधर रहे हैं। बारिश कम होने से ब्रह्मपुत्र समेत प्रमुख नदियों का जलस्तर घटने लगा है। हालांकि, राज्य के 18 जिलों में चार लाख से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मपुत्र धुबरी में, कोपिली धरमतुल में, बराक नदी हैलाकांडी के काटाखल में और कुशियारा श्रीभूमि में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यहां कामरूप (मेट्रो) जिले में एक व्यक्ति लापता हो गयाहै। वहीं गुवाहाटी के रूपनगर इलाके में शनिवार सुबह भूस्खलन हुआ और एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है।

**1296 गांव हुए प्रभावित**

अफसरों ने बताया कि प्रदेश में बाढ़ से 18 जिलों के 54 राजस्व सर्किलों के 1296 गांव प्रभावित हुए हैं। वहीं 16,558.59 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न है।इसके अलावा 2,96,765 पशु प्रभावित हैं। वहीं 40,313 से अधिक विस्थापित लोग 328 राहत शिविरों में हैं। जबकि 1,19,001 प्रभावित लोगों को प्रभावित जिलों में स्थापित वितरण केंद्रों पर राहत प्रदान की गई है।

**बराक घाटी पहुंचे हिमंत बिस्व सरमा**

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा दूसरी बार बराक घाटी पहुंचे। उन्होंने लोगों को समय पर पुनर्वास अनुदान देने का आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि दुर्गा पूजा उत्सव से पहले सड़कों के क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत कर दी जाएगी।

**काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में भी भरा पानी**

ब्रह्मपुत्र के बाढ़ का पानी काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में भी भर गया है। जबकि पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य का 70 प्रतिशत हिस्सा ब्रह्मपुत्र और कोपिली नदियों के पानी से प्रभावित है। बाढ़ के कारण एक सींग वाले गैंडे सहित अन्य वन्य जीवों को आश्रय के लिए ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अफसरों ने बताया कि वन कर्मी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और वन्यजीवों पर बाढ़ के प्रभाव को न्यूनतम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

**1300 किलो राहत सामग्री लेकर हेलीकॉप्टर भूस्खलन प्रभावित चट्टन पहुंचा**

पाकयोंग हवाई अड्डे से उत्तरी सिक्किम के भूस्खलन प्रभावित चट्टन में सैन्यकर्मियों और नागरिकों के लिए 1,300 किलोग्राम राहत सामग्री लेकर एक हेलीकॉप्टर पहुंचा। एमआई-17 हेलीकॉप्टर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के पांच अधिकारियों को लेकर सुबह हवाई अड्डे से रवाना हुआ और वहां से कुछ सैन्यकर्मियों को लेकर वापस लौटेगा। उत्तरी सिक्किम में सड़क संपर्क बाधित होने के बाद चट्टन में फंसे 140 से अधिक पर्यटकों को बचाने के लिए कई हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया है। उत्तरी सिक्किम के भूस्खलन प्रभावित चट्टन से 76 सैन्यकर्मियों को शनिवार को हवाई मार्ग से निकाला गया। यहां भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से सड़क संपर्क टूट गया है। एक अधिकारी ने कहा कि कुल 76 सैन्यकर्मियों को तीन एमआई-17 हेलीकॉप्टरों के जरिए निकाला गया।

## किडनी प्रत्यारोपण कराने जा रही महिला की छूटी फ्लाइट, देवदूत बने शिंदे-चार्टर्ड विमान से लाए मुंबई

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। जलगांव से किडनी प्रत्यारोपण कराने मुंबई जा रही एक महिला की मदद के लिए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने हाथ आगे बढ़ाए। शिंदे की पहल ने महिला को नया जीवन दिया। साथ ही मानवता की मिसाल कायम की। फ्लाइट छूटने से परेशान महिला के लिए एकनाथ शिंदे उस वक्त देवदूत बनकर आए। वे महिला को चार्टर्ड विमान से मुंबई लेकर पहुंचे और उसके इलाज की निगरानी की। हुआ यूं कि जलगांव जिले की महिला शीतल बोर्डे को किडनी प्रत्यारोपण कराने के लिए शुकवार को मुंबई जाना था। उनकी जलगांव हवाई अड्डे से फ्लाइट थी। महिला जब तक एयरपोर्ट पहुंची, तब तक उसकी फ्लाइट जा चुकी थी। फ्लाइट छूटने के बाद इलाज कराने जा रही महिला और उसके परिजन परेशान हो गए। उधर, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी संत मुक्ताबाई पालकी यात्रा समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। जब वे मुंबई लौटने से पहले जलगांव एयरपोर्ट पर उनका चार्टर्ड विमान उतरने में कुछ देरी हुई। महिला को पता लगा कि डिप्टी सीएम भी मुंबई जाने वाले हैं तो उसने स्थानीय कार्यकर्ताओं को अपनी पीड़ा बताई।

# बांग्लादेशी बनवा रहे भारत का आधार कार्ड

## > अशरफुल हत्थे चढ़ा, जमाल-पंकज फरार

किशनगंज, 7 जून (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा से सटे किशनगंज जिले में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी आधार कार्ड तैयार करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। जिले के जियापोखर थाना क्षेत्र के गिलहा बाड़ी गांव में की गई छापामारी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले से जुड़े सबूतों और बरामदगी के बाद स्थानीय स्तर से लेकर सुरक्षा एजेंसियों तक में चिंता और सतर्कता का माहौल बन गया है।

**हाईटेक तरीके से चल रहा था फर्जीवाड़ा**

पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने शनिवार दोपहर प्रेस वार्ता कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पूरी कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जियापोखर थाना अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में टीम ने मालिनगांव स्थित अशरफुल (पिता मो. कुड्डस) के घर पर छापा मारा, जहां से अशरफुल को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि जमाल और पंकज नामक दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

**फर्जीवाड़े में इस्तेमाल हो रहे थे तकनीकी उपकरण और नकली दस्तावेज**

छापामारी के दौरान पुलिस ने प्रिंटर, आई स्कैनर, फिंगर स्कैनर, नकली मोहर, दो मोबाइल फोन, नेपाली और भारतीय सिम कार्ड, एक चार पहिया वाहन और नेपाली मुद्रा जब्त की है। बरामद चार पहिया वाहन पश्चिम बंगाल नंबर का है, जिससे इस पूरे रैकेट के बंगाल कनेक्शन की भी जांच शुरू कर दी गई है।

विदेशियों की पहचान छिपाने के लिए बनाए जा रहे थे आधार कार्ड

पुलिस के अनुसार यह गिरोह बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारतीय नागरिक बताकर फर्जी आधार कार्ड उपलब्ध कराता था, जिससे वे सरकारी सुविधाओं और पहचान पत्रों का दुरुपयोग कर सकें। यह कार्रवाई सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर रही है, क्योंकि यह मामला सिर्फ एक गांव या एक जिले तक सीमित नहीं लग रहा।

**जांच के बाद हो सकता है बड़ा खुलासा**

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि इस मामले में वाहन मालिक सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही जिन लोगों के नाम और दस्तावेज घटनास्थल से मिले हैं, उनके घरों पर छापामारी की जा रही है और नागरिकता से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच के आधार पर माना जा रहा है कि यह संगठित नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है, जिसकी जड़ें कई राज्यों और संभवतः अन्य देशों तक फैली हो सकती हैं।

इस पूरी छापामारी अभियान में एसडीपीओ मंगलेश कुमार सिंह, थाना अध्यक्ष विकास कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी प्रीति कुमारी, पुलिस पदाधिकारी रमेश राय समेत अन्य पुलिस बलों ने हिस्सा लिया। स्थानीय पुलिस ने इस कार्रवाई को सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

## ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर कॉन्क्लेव 10 जून को

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। इन्वेस्ट यूपी ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति के तहत यूपी को वैश्विक क्षमता केंद्र के बड़े गढ़ के रूप में विकसित करने की तैयारी की है। इसके तहत पहली बार जीसीसी के लिए बड़े समूह लखनऊ में एक साथ जुटेंगे। इसमें जेपी मॉर्गन सहित कई मल्टीनेशनल समूह के आने की संभावना है। इन्वेस्ट यूपी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। 10 जून को लखनऊ में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण आयोजन किया जाएगा। जीसीसी नीति वैश्विक प्रतिभा, संसाधनों और विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिए दुनिया भर के संगठनों द्वारा स्थापित किए जाते हैं। वे आम तौर पर बड़े निगमों का हिस्सा होते हैं और अनुसंधान और विकास, आईटी सेवाओं, व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग, इंजीनियरिंग सेवाओं जैसी सेवाएं देते हैं।

### सूटकेस में दिल्ली वाली गर्लफ्रेंड

# पापा ने शादी के लिए जोड़े पैसे, बेटी ने प्रेमी को दिए उधार; वो ले आया कार

हापुड़, 7 जून (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ स्थित पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के गांव सिखेड़ा में 30 मई को सड़क किनारे रजवाहे के पास सूटकेस में मिले महिला के शव की पहचान दिल्ली के मयूर विहार निवासी नीलेश (30 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रेमी ने रुपयों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के बाद चुनरी से गला घोटकर उसकी हत्या की थी। 28 मई को परिजनों ने उसके गुमशुदा होने की रिपोर्ट मयूर विहार थाने में दर्ज कराई थी। इसके आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान की और हत्यारोपी प्रेमी सतेंद्र यादव निवासी गांव रहुटाखेर जिला चित्रकूट को गिरफ्तार कर लिया। वह फिलहाल वेस्ट दिल्ली के मोहल्ला विनोद नगर में किराए पर रह रहा था। गौरतलब है कि मृतका का शव 30 मई को सिखेड़ा गांव के पास रजवाहे में सूटकेस से बरामद हुआ था। शव की पहचान करना काफी मुश्किल हो रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें लगातार काम कर रही थीं। पुलिस ने 300 से अधिक कैमरे खंगालने के साथ टोल प्लाजा से गुजरने वाहनों की जानकारी की। लेकिन, कोई सफलता नहीं मिली। मृतका की शिनाख्त के लिए आसपास के जिलों के साथ दिल्ली के थानों से संपर्क किया गया। गुरुवार की रात मृतका की शिनाख्त नीलेश के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने उसके प्रेमी सतेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

**प्रेमी ने उधार लिए थे 5.25 लाख रुपये**

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने नीलेश से 5.25 लाख रुपये उधार लिए थे। जिन्हें वापस करने के लिए वह लगातार उसपर दबाव बना रही थी। 28 मई को नीलेश सतेंद्र से मिलने उसके विनोद नगर स्थित कमरे पर गई थी। जहां दोनों में विवाद हुआ। दरअसल, जो रुपये नीलेश ने सतेंद्र को दिए थे, वे उसके पिता ने उसके खाते में डलवाए थे। घरवाले जल्द ही नीलेश की शादी करना चाहते थे, इसलिए वे उससे रुपये मांग रहे थे। ऐसे में नीलेश रुपयों के लिए लगातार दबाव बना रही थी। 28 मई को भी रुपयों को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। नीलेश ने सतेंद्र को पुलिस से शिकायत करने की धमकी दी। इसके बाद वह आपा खो बैठा और उसने उसी की चुनरी से गला घोटकर हत्या कर दी।

# खान सर बोले-बिहार में एंटी डाउरी ऑफिसर नियुक्त कर दीजिए

## कोचिंग में मिलने आए राज्यपाल से की रिक्वेस्ट, कहा- दहेज वाहनों के पिंक नंबर प्लेट होने चाहिए

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आज खान सर के इंस्टीट्यूट पहुंचे। उन्होंने खान सर को बकरीद के साथ शादी की बधाई दी। इस दौरान खान सर ने उनसे बिहार के लिए दो मांग की। खान सर ने बिहार में दहेज हत्या पर चिंता जताते हुए राज्यपाल से रिक्वेस्ट की। कहा कि केरल की तरह बिहार के हर जिले में एंटी डाउरी ऑफिसर की नियुक्ति करें। साथ ही दहेज वाली गाड़ियों पर पिंक नंबर प्लेट लगवाए जाने की बात कही।

**केरल की तर्ज पर बिहार में हो ये नियुक्ति**

खान सर ने कहा कि मैंने उनसे दो रिक्वेस्ट भी की है। दरअसल, जब वह केरल के राज्यपाल थे तब वहां दहेज की वजह से एक लड़की की हत्या कर दी गई थी। उसपर संज्ञान लेते हुए आरिफ मोहम्मद खान अगले दिन वहां पहुंच गए थे। जिस वजह से केरल की सरकार ने हर जिले में एंटी डाउरी ऑफिसर नियुक्त किया था। मैंने उनसे रिक्वेस्ट किया है कि बिहार में भी ऐसा कर दीजिए। 'दूसरा जब वह केरल की यूनिवर्सिटी में डिग्री दे रहे थे तो वह एक एफिडेविट भरवाते थे। जिसमें लिखा रहता था कि अगर मैं दहेज लेते या देते पकड़ा जाता हूं, तो यूनिवर्सिटी को अधिकार है कि मेरी डिग्री रद्द कर दे। यही चीज यहां की सरकार को भी करना चाहिए।'

**ससुर की संपत्ति पर लहरिया कट मारना बंद करें लड़कें**

आगे खान सर बोले,'सरकार से तो मैं विनती करता हूं कि दहेज वाली गाड़ियों के लिए सफेद और पिला नंबर प्लेट नहीं, बल्कि गुलाबी नंबर प्लेट दे। ताकि पता चले कि ससुर की संपत्ति को लेकर यह लहरिया कट मार रहा है। यह चीज काफी जरूरी है ताकि यह पैसे लड़की की पढ़ाई लिखाई पर खर्च हो सके, न कि उसके दहेज पे'। वहीं, क्लासरूम पहुंचे राज्यपाल दिव्यांग छात्रों के लिए अलग से रिजर्व सीट को देखकर राज्यपाल काफी प्रभावित हुए। उन्होंने वादा किया कि वो क्लास लेने यहां जरूर आएंगे। राज्यपाल ने बकरीद की शुभकामनाएं दी और कहा कि हर त्योहार आपसी रिश्तों को मजबूत करने आता है। राज्यपाल ने कहा- 'मैंने खान सर को यूट्यूब पर भी देखा है। यह युवक बहुत अच्छा काम कर रहा है। 'गरीब छात्रों के दिलों से उनके लिए बहुत सारी दुआएं निकल रही होंगी जो फीस नहीं दे सकते। भगवान उन्हें और भी महान कार्य करने की शक्ति प्रदान करें ताकि वे अपने जैसे और छात्र तैयार कर सकें जो करुणा के साथ समाज की सेवा करें।'

खान सर ने कहा कि राज्यपाल बकरीद के मौके पर बधाई देने आए थे। वह यहां आकर हमारे क्लासरूम भी गए और काफी प्रभावित हुए क्योंकि हैंडीकैप्ड बच्चों के लिए हमारे यहां सीटेट रिजर्व थी। उन्होंने क्लास में रखी गिलहरी देखी और रामायण की कथा सुनाने लगे, जिसमें राम सेतु की दरारें भरने में गिलहरियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

### *काले सूट वाले की काली करतूत*

# अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया फर्जी टीटीई, क्यूआर के जरिए वसूला था ठगी के पैसे

अलीगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) व जीआरपी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक फर्जी टीटीई को पकड़ा है। आरपीएफ पोस्ट कमांडर अमित कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान आरपीएफ व जीआरपी को स्टेशन पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में टीटीई की वर्दी में दिखाई दिया।

शक होने के बाद पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। उसे तत्काल पोस्ट पर लाकर जब गहन पूछताछ की गयी, तो उसने अपनी पहचान देवेंद्र कुमार निवासी माधोपुरा रामस्नेही कॉलोनी रामघाट रोड थाना विजय नगर, गाजियाबाद के रूप में दी है।

**क्यूआर कोड के जरिए करता था वसूली**

मूलरूप से नेहरू नगर दुर्गापुरी कॉलोनी, थाना सदर, जिला सहारनपुर का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह फर्जी तरीके से टीटीई की वर्दी पहनकर यात्रियों की टिकट जांच करता है और क्यूआर कोड के माध्यम से उनसे धनराशि वसूलता है। तलाशी के दौरान उसके पास कोई वैध रेलवे पहचान पत्र (आईडी कार्ड) या ईएफटी नहीं पाया गया।

**कम पढ़े-लिखे लोगों को बनाता था शिकार**

जांच में यह भी यह भी सामने आया कि वह विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मजदूर वर्ग और कम पढ़े-लिखे यात्रियों को निशाना बनाकर, टिकट में त्रुटि बताकर या प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को बर्थ देने के नाम पर क्यूआर कोड स्कैन कर राशि वसूल करता था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पहले सहारनपुर स्टेशन पर वेंडर का कार्य करता था। उसके पास कोई भी टीटीई होने का पहचान पत्र नहीं मिला है।

**आरोपी के पास से कई टिकट बरामद**

आरोपी के पास से कुल 3350 रुपये नकद, एक ब्लैंक चेक, कुछ कागजात, एक आईडी कार्ड जिस पर भारतीय रेल लिखा हुआ था। इसके अलावा 13 टिकट भी मिली हैं। अभी आरोपी के आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

## कार-ट्रक की टक्कर में दरोगा की मौत

भोजपुर, 7 जून (एजेंसियां)। आरा-बक्सर फोर लेन शाहपुर थाना क्षेत्र के इटवां गांव के पास शनिवार की दोपहर ट्रक और कार में सीधी भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में कार सवार दरोगा की मौत हो गई। जबकि, ट्रक ड्राइवर बुरी तरह से जख्मी हो गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि वेगनार कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे दरोगा को बाहर निकाला गया।

इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने देखकर मृत घोषित कर दिया। मृत जवान बक्सर के सिमरी थाना क्षेत्र के सातों सिमरी गांव निवासी मो. बब्बन मियां के 52 साल के बेटे मो.जल्लाद्दीन है। वह वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के वलीगंज में पूरे परिवार के साथ कई सालों से रहते है।

# उम्मीद पोर्टल के लिए यूपी में भी तैयारियां शुरू

## पहले चरण में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज 2528 वक्फ संपत्तियों

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के वक्फ संपत्तियों के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए उम्मीद पोर्टल लांच करने के साथ ही यूपी में भी इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। पहले चरण में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज सभी 2528 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण कराया जाएगा। नियमानुसार छह माह के भीतर वक्फ संपत्तियों के पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करनी है।

यूपी में शिया व सुन्नी वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में 132140 संपत्तियां बतौर वक्फ दर्ज हैं, लेकिन इनमें से महज 2528 संपत्तियां ही राजस्व रिकॉर्ड में वक्फ के रूप में दर्ज हैं। इतना ही नहीं 57792 सरकारी संपत्तियां हैं, जो वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में अवैध रूप से वक्फ संपत्तियों के रूप में दर्ज हैं। नियमानुसार, इनको वक्फ (दान) किया ही नहीं जा सकता था। वक्फ के नाम पर सबसे ज्यादा शाहजहांपुर, रामपुर, अयोध्या, जौनपुर व बरेली में सरकारी संपत्तियां कब्जाई गई हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हम केंद्र से एसओपी (मानक दिशा-निर्देश) आने का इंतजार कर रहे हैं। एसओपी मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। इसके लिए संबंधित लोगों से भी बात की जाएगी, ताकि पारदर्शिता बढ़े। हालांकि, वही वक्फ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे, जो नियमों को पूरा करते होंगे।

# सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क को बड़ी राहत इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 15 मई के आदेश पर लगाई रोक

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 15 मई 2025 के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क से उनके संभल स्थित आवास पर 2 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सांसद द्वारा दो सप्ताह के भीतर संभल बिजली कार्यालय में बिजली बिल के रूप में 6 लाख रुपये का भुगतान करने पर तत्काल प्रभाव से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

यह आदेश जस्टिस एसडी सिंह एवं जस्टिस संदीप जैन की खंडपीठ ने सपा सांसद की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने पावर कारपोरेशन के अधिवक्ता को तीन सप्ताह का समय इस मामले में जरूरी जानकारी हासिल करने के लिए दिया है और याचिका पर सुनवाई के लिए दो जुलाई की तारीख तय की है।

सपा सांसद के अधिवक्ता विधान चंद्र राय का कहना था कि याची से 4 हजार 138 दिन पुराना असेसमेंट किया गया है। कहा गया है कि 12 वर्ष पुराना असेसमेंट करने का अधिकार नहीं है। कहा गया था कि 365 दिन

तक का असेसमेंट करने का अधिकार है। अधिवक्ता का कहना था कि एक्जीक्यूटिव इंजीनियर ने ऐसा आदेश कर कानूनी गलती की है। मामले के तथ्यों के अनुसार अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड संभल ने गत 15 मई को याची से एक करोड़ 91 लाख बकाया की मांग की थी। यह बिजली बिल 4 हजार 138 दिन पुराना है।

**बिजली चोरी का मामला क्या ?**

बिजली विभाग के अधिकारियों ने पिछले साल बर्क के घर पर छापेमारी की थी, क्योंकि उन्हें परिसर में लगे बिजली मीटरों में छेड़छाड़ का संदेह था। निरीक्षण के दौरान, उस स्थान पर दो मीटरों में विसंगतियां पाई गईं। घर में एयर कंडीशनर और सीलिंग फैन जैसे बिजली के उपकरणों के इस्तेमाल के बावजूद, पिछले पूरे साल के बिजली बिल में कोई खपत नहीं दिखाई गई। इन निष्कर्षों को बिजली विभाग के उप-विभागीय अधिकारी ने स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने जांच पूरी होने तक कोई बयान जारी करने से इनकार कर दिया।

विभाग ने संबंधित मीटर भी बदल दिए हैं और उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेज दिया है। इस बीच, बर्क के कानूनी प्रतिनिधि ने कहा कि परिवार ने विभाग द्वारा गणना की गई न्यूनतम दर का भुगतान किया है। संबंधित घटनाक्रम में स्थानीय पुलिस ने बर्क के पिता, मामलूक उर रहमान बर्क के खिलाफ़ बिजली विभाग के अधिकारियों को उनके दौरे के दौरान धमकाने के आरोपों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की। नखासा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 351 (2) और 132 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

## शिकायत सुनकर गुस्साए अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ

### कहा-लापरवाह शिक्षकों को बॉर्डर इलाके में भेज दूंगा

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनका एक बयान खूब वायरल हो रहा है। इस बयान ने शिक्षकों के बीच हडकंप मच दिया है। उन्होंने शिक्षकों को साफ तौर पर कहा कि जो शिक्षक स्कूल में अपने काम में लापरवाही बरतेंगे और बच्चों को ठीक से नहीं पढ़ाएंगे, उन्हें बॉर्डर इलाके के जिले में भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई को लेकर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर हाल में कार्रवाई की जाएगी।

**मैं इन शिक्षकों को पटना में रहने ही नहीं दूंगा**

इस बात की जानकारी अपर मुख्य सचिव ने खुद ही दी। शिक्षा की बात हर शनिवार कार्यक्रम में एएसीएस एस. सिद्धार्थ ने कहा कि मेरे सोशल मीडिया अकाउंट पर एक महिला का मैसेज था। इसमें उन्होंने अपने स्कूल में पढ़ाई नहीं होने की शिकायत की थी। मैंने फौरन अधिकारियों को मामले की जांच का आदेश दिया। जांच में अगर मामला सही पाया गया तो मैंने आदेश दिया है कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को बदल दिया जाए। इतना ही नहीं अगर गड़बड़ी मिली तो मैं इन शिक्षकों को पटना में रहने ही नहीं दूंगा।

**लापरवाह शिक्षकों को बार्डर इलाके में भेज दिया जाए**

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि शिक्षा विभाग पूरे बिहार के शिक्षकों को स्पष्ट कहना चाहता है कि बच्चों की पढ़ाई को लेकर कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आप बैठ-बैठे गपशप करेंगे, पढ़ाएंगे नहीं तो यह क्षमा योग्य कार्य नहीं होगा। अगर शिकायत मिली और जांच में मामला सही पाया गया तो आपको जिले से बाहर कर दिया जाएगा।

# बरेली के पॉश इलाके में देह व्यापार का पर्दाफाश

## दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार, मौके से कामोत्तेजक दवा बरामद

बरेली, 7 जून (एजेंसियां)। बरेली में इज्जतनगर के बाद प्रेमनगर थाना क्षेत्र के पॉश इलाके राजेंद्रनगर में देह व्यापार के रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। यहां एक मकान में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने शुक्रवार को मकान में छापा मारा। यहां से दो महिलाओं और दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ थाना प्रेमनगर में अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दो महीने में पुलिस ने देह व्यापार के चार रैकेट का पर्दाफाश किया है। तीन जगह देह व्यापार रैकेट इज्जतनगर थाना पुलिस ने पकड़े थे। शनिवार को प्रेमनगर थाना पुलिस ने छापा मारकर चौथे रैकेट का भंडाभोड़ किया। शहर की पाश कॉलोनी राजेंद्रनगर में एक घर के अंदर चल रहे जिस्मफरोशी का धंधा हो रहा था। मौके से आपत्तिजनक सामान, कामोत्तेजक दवाइयां समेत काफी सामान बरामद हुआ है।

## सहारनपुर ट्रेड फेयर में सिलेंडर में ब्लास्ट, भीषण आग

### 30 दुकानें जलकर राख, बकरीद की नमाज पढ़ने गए थे ज्यादातर दुकानदार

सहारनपुर, 7 जून (एजेंसियां)। सहारनपुर में ट्रेड फेयर मेले में शनिवार सुबह सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा मेला लपटों की चपेट में आ गया। 30 से ज्यादा स्टॉल जलकर राख हो गए। घटना थाना सदर बाजार में दिल्ली रोड किनारे की है।

मेले की फायर एनओसी नहीं थी। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, सुबह करीब 7.30 बजे मेला परिसर में तेज धमाका हुआ और लपटें उठने लगीं। इसके बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग पहुंचे तो पता चला कि सिलेंडर फटा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर दुकानदार नमाज पढ़ने गए थे। जो लोग अंदर थे वो धमाके की आवाज सुनते ही निकल कर भाग गए। फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने जुट गई।

# डीजीपी ने दिए निर्देश-मेरिट पर हो थानेदारों की पोस्टिंग, छोटे से छोटे अपराध को भी गंभीरता से लें

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। डीजीपी राजीव कृष्ण ने अधिकारियों के साथ पहली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा कि थाना प्रभारियों की तैनाती मेरिट के आधार पर की जाए। हर पुलिस अधिकारी को शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। उनके लिए हमेशा उपलब्ध होना चाहिए। डीजीपी ने एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश समेत मुख्यालय में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी पुलिस कमिश्नर, एडीजी जोन, आईजी रेंज और जिलों के कप्तानों को निर्देश दिया कि विगत 8 वर्षों में प्रदेश में महिला सुरक्षा का वातावरण बना है। हमें इसमें और व्यापक सुधार कर महिला सुरक्षा के वातावरण को और सशक्त करने की आवश्यकता है। खासकर छेड़खानी को भी अत्यंत गंभीरता से लेना होगा। ये निर्देश भी दिए: डीजीपी ने कहा कि अमेरिका की पुलिस की तरह हमें भी छोटे से छोटे अपराधों को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। जिले के टॉप 10 अपराधियों की सूची अधिकारी खुद तैयार करें। वह जन शिकायतों के निस्तारण से अधिकारी के कार्यों का मूल्यांकन करेंगे। इस बारे में भी मुख्यालय स्तर से एसओपी जारी की जाएगी। उन्होंने पुलिस बल के टैलेंट, क्वालिटी और दक्षता की मैपिंग करने का निर्देश भी दिया।

# हेल्थ मॉडल दुनिया में था चर्चित

## नाराज अशोक गहलोत बोले- पर भाजपा सरकार ने कर दिया बर्बाद

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मौजूदा हेल्थ सिस्टम पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए राजस्थान के पूर्व सीएम एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने प्रदेश की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय देश दुनिया में चर्चा का विषय बने हेल्थ मॉडल को भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया।

**प्रदेश की जनता कर रही है अफसोस**

अशोक गहलोत ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट X पर लिखा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजस्थान का हेल्थ मॉडल देश-दुनिया में चर्चा का विषय बना था परन्तु भाजपा सरकार ने इसे बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अफसोस कर रही है कि ऐसी अकर्मण्य सरकार का अभी आधे से अधिक कार्यकाल बाकी है। इस समय में प्रदेश की कितनी दुर्गति होगी।

**प्रदेश की लगभग हर योजना की स्थिति खराब**

अशोक गहलोत एक अन्य मामले में कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार जरूरतमंद अनाथ बालकों को सामाजिक सुरक्षा नहीं दे पा रही जिससे यह मासूम भीख मांगने को मजबूर हैं। लगभग हर योजना की ऐसी ही स्थिति बन गई है।

**कांग्रेस सरकार में चलाई गई थी मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना**

कांग्रेस सरकार के दौरान कोविड से अनाथ हुए बच्चों के लिए मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना चलाई गई। इस योजना अन्तर्गत प्रत्येक अनाथ बच्चों को तत्कालिक सहायता के रूप में राशि रुपए 1.00 लाख की एकमुश्त सहायता, 18 वर्ष की आयु तक राशि रुपए 2500/- प्रतिमाह एवं राशि रुपए 2000/- वार्षिक देय है।

इसके अलावा प्रत्येक अनाथ बच्चों के लिए पालनहार योजना में 5 वर्ष की आयु तक के बच्चे के लिए 500 रुपए प्रतिमाह की दर से तथा स्कूल में प्रवेशित होने के बाद 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक 1000 रुपए प्रतिमाह की राशि देय है। जिला कलेक्टर, सीकर इन बच्चों को इन दोनों योजनाओं में से नियमानुसार लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें।

# हनुमान बेनीवाल बोले- सचिन पायलट भाजपा के खास आदमी

## कहा- सरकार गिराने मानेसर गए थे

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पायलट को भाजपा का खास आदमी करार दिया है। अमर उजाला से विशेष बातचीत में बेनीवाल ने कह कि सचिन पायलट तो मानेसर में कांग्रेस सरकार गिराने गए थे, वह भाजपा के करीबी हैं। बेनीवाल ने कहा- सचिन पायलट बयानवीर हैं। कांग्रेस के सारे नेता सिर्फ बयान देना जानते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए उन्हें धरने पर बैठना चाहिए, सड़कों पर उतरना चाहिए, आरपीएससी के बाहर प्रदर्शन करना चाहिए। सिर्फ मीडिया में बोलने से कुछ नहीं होगा।

अमित शाह के नजदीकी हैं पायलट

बेनीवाल ने कहा- सचिन पायलट के पास दिल्ली और जयपुर में आलीशान बंगले हैं। अगर, वे दिल्ली फोन करते हैं तो काम हो जाता है, इसका मतलब साफ है कि उनके केंद्र सरकार में गहरे संपर्क हैं। वह तो अमित शाह के खास लोगों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का 2018 में कोई भविष्य नहीं था और अब तो पंचायत चुनाव में ही वह फ्री हो जाएगी। जिस तरह का जोश आज युवाओं में है, उससे साफ है कि कांग्रेस की इस बार कोई सीट नहीं आएगी। अगर, कांग्रेस की सीट ही नहीं आएगी तो सचिन पायलट मुख्यमंत्री कैसे बनेंगे?

**गहलोत और' वसुंधरा पर भी तंज**

बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पीएम नरेंद्र मोदी का खास आदमी बताया। साथ ही वसुंधरा राजे पर तंज कसते हुए कहा कि उनके संबंध सोनिया गांधी से अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने किसी नेता को नहीं बुलाया, लेकिन अगर कोई सड़कों पर उतरकर बच्चों के लिए कुछ करे तो उसका स्वागत है। जो कुछ नहीं कर सकते तो कम से कम बात तो करें।

# कुर्बानी के लिए दुबई भेजे बकरे

## मंत्री कुमावत बोले-नियमों के खिलाफ एक्सपोर्ट हुए तो करेंगे कार्रवाई

अजमेर, 7 जून (एजेंसियां)। आज बकर ईद है। राजस्थान की सबसे बड़ी बकरा मंडी अजमेर से हजारों की संख्या में बकरे कुर्बानी के लिए विदेशों में भी एक्सपोर्ट किए गए हैं। एयर कार्गो के जरिए राजस्थान की बकरा मंडी से करीब 10 हजार बकरे दुबई भेजे गए हैं। इसे लेकर प्रदेश के पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत का बयान भी आया गया है। उन्होंने कहा कि पशुओं की बली देश की संस्कृति के खिलाफ है। यदि, राजस्थान से कुर्बानी के लिए विदेश एक्सपोर्ट किए जा रहे बकरे नियमों के खिलाफ हैं तो मामले में कार्रवाई की जाएगी।

कुमावत ने कहा- हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से चलती है। हम गाय को माता मानते हैं और पशुओं से लेकर आग, पानी, पहाड़ और पत्थर तक को पूजते हैं। ऐसे में किसी भी जीव की हत्या, चाहे वह बकरा ही क्यों न हो, हमारी सनातनी परंपरा में स्वीकार्य नहीं है।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि कोई बकरों को एक्सपोर्ट कर रहा है तो नियमों के तहत ही करें। यह काम भारत सरकार की नीति के अंतर्गत आता है, इसलिए हमने केंद्र की गाइडलाइन मंगवाई है। मंत्री ने कहा कि ईदु उज अजहा किसी मजहब के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन हमारी संस्कृति में बकरे की बली देने की इजाजत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि यह सभी जीव पशुपालक की रोजी रोटी का जरिया होते हैं और राजस्थान जैसे राज्य की जीडीपी में योगदान देते हैं।

**दुबई में डिमांउ ज्यादा**

गौरतलब है कि राजस्थान की सबसे बड़ी बकरा मंडी (अजमेर) से अहमदाबाद, मुंबई सहित दुबई तक बकरे भेजे जा रहे हैं। खासकर दुबई में राजस्थानी बकरों की डिमांड ज्यादा है। इनमें 7 फीट तक के बकरे शामिल हैं। डाइट में भी काजू, बादाम और दूध दिया जाता है। गौरतलब है कि कारोबारियों ने बकरों के नाम फिल्म स्टार्स के नाम पर शाहरुख, सलमान जैसे नाम भी रखे हैं।

# 'जल्दबाजी में किया गया न्याय भी कभी अन्याय हो सकता है': हाईकोर्ट

जोधपुर, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि जहां देर से न्याय मिलना अन्याय है, वहीं जल्दबाजी में किया गया न्याय भी कभी अन्याय हो सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर एक किराएदारी विवाद में जवाबदाता को पांच हजार की कॉस्ट जमा करवाने पर साक्ष्य पेश करने का अंतिम अवसर प्रदान किया।

न्यायाधीश अरुण मोंगा की एकलपीठ में सिरोही के वराडा गांव में स्थित एक दुकान को लेकर चल रहे दीवानी वाद से जुड़े मामले की सुनवाई हुई। दुकान के मालिक कुंदनमल ने महिपाल सिंह के खिलाफ किराया नहीं देने और दुकान खाली नहीं करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। दूसरी ओर, महिपाल ने कुंदनमल के मालिकाना हक को नकारते हुए कहा कि दुकान उसने बनाई है और वह पिछले 12 वर्ष से काबिज है।

कोर्ट ने देरी का हवाला दिया

वाद के दौरान जवाबदाता पंचायत अधिकारी को गवाही के लिए बुलाना चाहता था। लेकिन कोर्ट ने देरी का हवाला देते हुए साक्ष्य बंद कर दिए। पीठ ने माना कि मौका देने से कार्रवाई में देर होती, लेकिन इसे लागत लगाकर संतुलित किया जा सकता था। कोर्ट ने कहा कि यदि पर्याप्त साक्ष्य नहीं जुटाए गए तो सही निर्णय देना मुश्किल हो सकता है।

# राज्यपाल हरिभाऊ ने हल्दीघाटी की पवित्र मिट्टी से लगाया तिलक

## वीर महाराणा प्रताप को दी श्रद्धांजलि

राजसमंद, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े शनिवार को राजसमंद दौरे के तहत ऐतिहासिक हल्दीघाटी पहुंचे। उन्होंने महाराणा प्रताप स्मारक पर वीर शिरोमणि को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राज्यपाल चेतक समाधि, हल्दीघाटी दर्रा और महाराणा प्रताप संग्रहालय भी पहुंचे।

राज्यपाल ने त्याग और स्वाभिमान की प्रतीक इस पावन धरती को नमन करते हुए वहां की मिट्टी से तिलक किया और महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने चेतक समाधि स्थल पर पहुंचकर महाराणा प्रताप के विश्वस्त और वीर घोड़े चेतक की वीरता को भी नमन किया। राज्यपाल ने संग्रहालय का

अवलोकन किया, जहां उन्हें वीडियो फिल्म के माध्यम से महाराणा प्रताप के त्याग, तपस्या और बलिदान की गौरवगाथा दिखाई गई। इस दौरान संग्रहालय प्रभारी भूपेन्द्र श्रीमाली ने उन्हें विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी।

**प्रशासन ने किया स्वागत**

राज्यपाल के दौरे के दौरान जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा और पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी रक्षा पारीक, तहसीलदार आशीष सोनी, खमनोर विकास अधिकारी हनुवीर सिंह, और अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। हल्दीघाटी में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद राज्यपाल चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना हुए।

# प्रेम प्रसंग में युवक-युवती ने की आत्महत्या, पेड़ से लटके मिले शव

बूंदी, 7 जून (एजेंसियां)। बूंदी जिले के तालेड़ा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते एक प्रेमी युगल ने नीम के पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। यह दुखद मामला तालेड़ा थाना क्षेत्र के धनातरी गांव का है। सूचना मिलने पर तालेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर तालेड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। साथ ही आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों युवक-युवती धनातरी गांव के निवासी थे। मृतक युवक की पहचान सूरज कालबेलिया (19) और किशोरी की पहचान खुशबू नायक (17) के रूप में हुई है।

तालेड़ा थाना प्रभारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि स्कूल

के पीछे एक नीम के पेड़ से युवती का शव लटका हुआ मिला, जबकि युवक का शव पेड़ के पास जमीन पर पड़ा हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों रात को अपने घरों से निकलकर स्कूल के पीछे स्थित नीम के पेड़ के पास पहुंचे और फांसी लगा ली। युवती की मृत्यु फंदे पर लटकने से हुई, जबकि युवक का फंदा टूट जाने के कारण उसका शव नीचे गिर गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# बालोतरा में पाइप फैक्ट्री में लगी आग

## कई किमी दूर से दिखा धुएं का गुबार, तीन घंटे बाद पाया काबू

जैसलमेर, 7 जून (एजेंसियां)। बालोतरा उपखंड क्षेत्र के माजीवाला गांव में स्थित एक प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि उससे उठता काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। आग की लपटों और धुएं को देखकर आस-पास के ग्रामीणों में भी दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगते ही फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारी जान बचाकर बाहर भागे। गनीमत रही कि हादसे के समय फैक्ट्री का काम लगभग समाप्त हो चुका था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

आग लगने की सूचना मिलते ही नगर परिषद की दमकल और सीईटीपी की फायर ब्रिगेड मौके पर

पहुंचीं। थोड़ी देर में उपखंड अधिकारी अशोक कुमार और जसोल थानाधिकारी चंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाली। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि फैक्ट्री में प्लास्टिक पाइप और कच्चा माल बड़ी मात्रा में मौजूद था, जो अत्यधिक ज्वलनशील था। आग तेजी से फैलती गई और देखते ही देखते फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया। दमकलों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जबकि कूलिंग का काम देर रात तक चलता रहा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस हादसे में फैक्ट्री को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। आग में फैक्ट्री में तैयार पाइप, कच्चा माल, मशीनें और गोदाम का बड़ा हिस्सा जलकर राख हो गया। फिलहाल आग लगने के कारण की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण माना जा रहा है। एसडीएम अशोक कुमार ने मौके का निरीक्षण कर फैक्ट्री प्रबंधन को भविष्य में अग्नि सुरक्षा के सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

# 150 फीट गहरे कुएं में गिरने से युवक की मौत

बालोतरा, 7 जून (एजेंसियां)। बालोतरा उपखंड के कल्याणपुर क्षेत्र स्थित डेरिया गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 25 वर्षीय युवक वलीं खान की जान चली गई। यह हादसा तब हुआ जब वह एक पुराने कुएं के ऊपर जाली लगाने का कार्य कर रहा था। कार्य के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे करीब 150 फीट गहरे कुएं में गिर गया। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

काम के दौरान हादसा, गांव में मचा कोहराम

ग्रामीणों के अनुसार, वलीं खान पिछले कुछ दिनों से कुएं की मरम्मत और सुरक्षा कार्यों में लगा हुआ था। मंगलवार सुबह जब वह जाली फिट कर रहा था, तभी उसका पैर फिसला और वह असंतुलित होकर कुएं में जा गिरा। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई। उपखंड अधिकारी अशोक विश्नोई ने तत्परता दिखाते हुए विशेष रेस्क्यू टीम को रवाना किया। होमगार्ड जवान गौतम गहलोत और नागरिक सुरक्षा दल के जनक माली ने बिना अपनी जान की परवाह किए कुएं में उतरकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

**दो घंटे तक चला चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन**

कुएं की गहराई, अंधेरा और ऑक्सीजन की कमी के बावजूद दोनों जवानों ने साहस का परिचय देते हुए करीब दो घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार उन्होंने वलीं खान के शव को बाहर निकाल लिया। शव निकलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। रेस्क्यू अभियान के दौरान पूर्व प्रधान हरी सिंह उमरलाई, तहसीलदार प्रवीण चौधरी, एएसआई जगमाल, पटवारी अजंता मीणा, और ग्राम विकास अधिकारी जगदीश सिंह सहित कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई।

# कॉल आया... 'आपकी चैक बुक खत्म हो गई है'

## और फिर क्या? बैंक मैनेजर को ही लगा दिया साढ़े 28 लाख का चूना

अजमेर, 7 जून (एजेंसियां)। अजमेर प्राइवेट बैंक के प्रबंधक को वाहन डीलर्स के नाम से फर्जी मेल भेजकर साढ़े 28 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। बैंक प्रबंधक ने पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के जरिए साइबर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने प्रकरण दर्जकर अनुसंधान शुरू कर दिया।

वृत्ताधिकारी(साइबर थाना) नेमीचन्द ने बताया कि बी.के. कॉल नगर अम्बे विहार कॉलोनी निवासी अभिषेक माहेश्वरी ने शिकायत दी कि वह सूचना केन्द्र चौराहा स्थित एचडीएफसी बैंक की केंद्रीय ब्रांच में मैनेजर है।

शिकायत में बताया कि उनके मोबाइल फोन पर एक कॉल आया। कॉलर ने खुद को कार्गो मोटर राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी बताते हुए कम्पनी की चेक बुक खत्म होने की बात कही। कॉलर ने कम्पनी के लेटर पैड पर रकम ट्रांसफर करने का ई-मेल भेजने की सूचना दी।

माहेश्वरी ने बताया कि उसने बैंक का मेल चेक किया तो कम्पनी के लेटरपैड पर कम्पनी के डायरेक्टर के हस्ताक्षर मिलान करने के बाद कम्पनी के पूर्व रिकॉर्ड के आधार पर उसकी तरफ से तीन मर्तबा में 28 लाख 77 हजार 490 रुपए का ऑनलाइन भुगतान कर दिया। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के बाद कम्पनी का ऑरिजनल लेटरपेड अब तक प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने कार्गो मोटर्स के रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क किया। उन्होंने कम्पनी की ओर से कोई लेनदेन की जानकारी से इनकार कर दिया।

बैंक प्रबंधक माहेश्वरी ने धोखाधड़ी का एहसास होते ही एसपी वंदिता राणा को शिकायत दी। एसपी ने प्रकरण दर्जकर त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। एसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्जकर अनुसंधान शुरू कर दिया।

# एमबीबीएस छात्र की मौत के तीन महीने बाद हत्या का केस दर्ज

## एफआईआर में कॉलेज की प्राचार्य समेत अन्य के नाम

कोटा, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में एमबीबीएस कर रहे एक स्टूडेंट की मौत के तीन माह बाद पुलिस ने मामले में हत्या में प्रकरण दर्ज किया है। पहले पुलिस स्टूडेंट की मौत को आत्महत्या मानकर जांच कर रही थी। लेकिन, मृतक के पिता कजोड़मल द्वारा लगाए गए आरोप के बाद पुलिस ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य, कॉलेज प्रबंधन, हॉस्टल वार्डन व दो मेडिकोज के खिलाफ हत्या में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

महावीर नगर एसएचओ रमेश कविया ने बताया कि जयपुर जिले के बस्सी में रहने वाला सुनील बैरवा कोटा मेडिकल कॉलेज से

एमबीबीएस कर रहा था। 5 मार्च का कमरे में उसका शव मिला था। पिता का कहना है कि घटना के दौरान सुनील की स्थिति, फोटोग्राफ और वीडियो देखने पर आत्महत्या करने जैसी स्थिति नजर नहीं आई थी। सुनील के कपड़े खून से सने हुए थे। घटना के बाद बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए पिता कजोड़मल और परिवार के सदस्यों ने कोटा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन दिया था। साथ ही राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, विधायक और उपमुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर न्याय दिलाने की मांग की थी। लेकिन, कोई राहत नहीं मिलने पर परिवार ने एसटी-एससी और मानव अधिकार आयोग में शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस को हत्या का केस दर्ज करने के आदेश दिए। पिता की शिकायत पर पुलिस ने अब मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर संगीता सक्सेना, हॉस्टल वार्डन स्टूडेंट आदर्श फौजदार और संदीप मान के खिलाफ हत्या और एससी एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक चतुर्थ मनीष शर्मा कर रहे हैं।

बता दें कि मेडिकल कॉलेज परिसर के अंदर कॉलेज के इंटर्न हॉस्टल में तीन माह पहले 5 मार्च को सुनील बैरवा कमरे में मृत अवस्था में मिला था। कमरे से पुलिस को एक नोट भी मिला था जिसमें लिखा था वह अपने माता-पिता का सपना पूरा नहीं कर पाया। उसने अपने माता-पिता से माफी मांगी थी। वहीं घटना के बाद साथी छात्रों ने कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा करते हुए कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

# कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं में दोषी पाए जाने पर ईटेला को सजा मिल सकती है: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी ने आज मीडिया से बातचीत में तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने मीडिया से वही बातें कहीं जो उन्होंने कालेश्वरम आयोग के समक्ष अपनी जांच के दौरान कही थीं। किशन रेड्डी ने सीएम रेवंत रेड्डी की सरकार से सवाल किया कि सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद भी बीआरएस पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा, "अगर ईटेला राजेंद्र ने कोई गलती की है, तो कार्रवाई की जानी चाहिए।" उन्होंने कहा कि राजेंद्र ने कोई गलती नहीं की है, इसलिए वह बाकी सभी से पहले आयोग की जांच के सामने गए। उन्होंने कहा, "हमने सुनवाई में शामिल होने की तारीख नहीं बदली। भाजपा सबके लिए परेशानी का सबब बन गई है। कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां हमारी आलोचना करती हैं। केटीआर को कुछ नहीं पता। बांध सुरक्षा प्राधिकरण की रिपोर्ट गलत कैसे हो सकती है? क्या मेदिगड्डा नहीं टूटा? बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने

मेदिगड्डा पर रिपोर्ट दी थी। कालेश्वरम परियोजना पर सीबीआई जांच होनी चाहिए। ईटाला ने वही कहा जो वह राज्य के वित्त मंत्री के तौर पर जानते थे। नेताओं को ईटाला द्वारा कही गई बातों का बचाव करने या उनका खंडन करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने तथ्य बताए। मैंने नहीं देखा कि हमारे नेता ईटाला की टिप्पणियों से परेशान हैं। हमारी पार्टी का रुख वही है। सीबीआई जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।" रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने विवादास्पद बनकाचर्ला परियोजना पर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा, "मैं सीएम रेवंत से केंद्र सरकार को पत्र लिखने के लिए कह रहा हूं। तेलंगाना के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। वे हमारी आलोचना कैसे कर सकते हैं कि हम इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश सरकार के साथ मिलीभगत कर रहे हैं? सीएम रेवंत को चंद्रबाबू की डीपीआर के संदर्भ में केंद्र को पत्र लिखना चाहिए।" उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में भाजपा बहुत आक्रामक तरीके से आगे बढ़ रही है। हाइड्रा द्वारा किए गए विध्वंस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि हाइड्रा प्रभावी ढंग से काम कर रहा है, जबकि उन्होंने दावा किया कि हाइड्रा प्रचार के लिए बनाया गया एक संगठन है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में 42% आरक्षण के लिए केंद्र की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

## रात में घर में आग लगने से सो रहे व्यक्ति की जलकर मौत

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के जगतगिरिगुट्टा में शुक्रवार रात एक घर में आग लगने से 27 वर्षीय एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। साई कुमार (27) जगतगिरिगुट्टा के रिंगा बस्ती में एक कमरे में रहते थे। शुक्रवार रात को जिस कमरे में साई कुमार सो रहे थे, उसमें आग लग गई। स्थानीय लोगों ने घर से धुआं निकलता देखा तो दमकल विभाग को सूचना दी। हालांकि, दमकल की गाड़ी के मौके पर पहुंचने से पहले ही घर में आग तेजी से फैल गई। जगतगिरिगुट्टा इंस्पेक्टर के नरसिम्हा ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि घर में आग कैसे लगी। साई कुमार घर में गंभीर रूप से जले हुए अवस्था में मृत पाए गए। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

## अंतिम संस्कार की चिता से फैली आग में एक करोड़ रुपये का सामान खाक

जगतियाल, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल शहरी मंडल के धारुर गांव में शनिवार को एक कबाड़ की दुकान में लगी आग में लगभग एक करोड़ रुपये का कबाड़ जलकर राख हो गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार पास के कब्रिस्तान में किया जा रहा था, तभी ऐसा संदेह है कि आग चिता से शुरू हुई और कबाड़ की दुकान सहित आस-पास के इलाकों में फैल गई। इलाके में दहशत फैल गई क्योंकि पास में ही एक ईंधन बंक और कई घर थे। धारुर और उसके आस-पास के गांवों में घना धुआं छा गया, जिससे तनाव और बढ़ गया। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुकानदारों का अनुमान है कि इस घटना में करीब एक करोड़ रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

# भारत में अत्यधिक भूजल दोहन वाले जिले के रूप में पहचाना गया हैदराबाद

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भूजल संसाधनों के संदर्भ में, हैदराबाद जिले की पहचान जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अति-दोहित (ओई) जिले के रूप में की गई है। मंत्रालय ने मई में भारत में वर्ष 2023-24 के लिए अति-शोषित परिणाम घोषित किए और हैदराबाद जिला उनमें से एक है। जिले के 16 मंडलों में से 11 को 'अति-शोषित', चार को 'गंभीर' जिलों के रूप में वर्गीकृत किया गया है जबकि एक मंडल की पहचान 'अर्ध-गंभीर' के रूप में की गई है। नतीजों के अनुसार, हैदराबाद के पूर्वी हिस्से में सबसे ज़्यादा दोहन वाले इलाके देखे गए हैं। इन इलाकों के सभी 16 मंडलों में से चारमीनार मंडल 117.1 प्रतिशत भूजल दोहन के साथ सबसे ऊपर रहा, जबकि सिकंदराबाद का तिरुमलगिरी मंडल 75.5 प्रतिशत दोहन के साथ जिले में सबसे कम रहा।

जीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हैदराबाद जिले में भूजल दोहन पर सर्वेक्षण केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के निर्देशों और इस उद्देश्य के लिए निर्धारित कुछ मापदंडों के आधार पर किया गया। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि निजी रिग जल, भूमि और वृक्ष

अधिनियम का उल्लंघन करते हुए अंधाधुंध तरीके से भूजल का दोहन कर रहे हैं। भूजल विभाग के अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, जिले के सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य साल भर जारी रहते हैं, जिससे भूजल का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। अधिकारी ने कहा कि हैदराबाद को भूजल संकटग्रस्त जिला घोषित किए जाने के बाद मंत्रालय ने हमें भूजल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक विशेष कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया है।

जिले का भूजल स्तर गंभीर स्थिति में पहुंच गया है, इसलिए इस समस्या के समाधान तथा स्थायी जल प्रबंधन पद्धतियों को लागू करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय ने जीडब्ल्यूडी को हैदराबाद जिले में भूजल निष्कर्षण नियमों को लागू करने की भी सलाह दी ताकि प्रत्येक भूजल उपयोगकर्ता सरकार को उपकर और निष्कर्षण शुल्क का भुगतान करे। मई में मापी गई भूजल तालिका की नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, मई 2025 के अंत तक हैदराबाद जिले में 1099.6 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 828.4 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य वर्षा से 24.6 प्रतिशत कम है।

## किशन रेड्डी "नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025: अनलॉकिंग अर्थ्स हिडन ट्रेजर्स" का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 9 जून, 2025 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (जीएसआईटीआई), बंदलागुडा-नागोले, हैदराबाद में "नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025: अनलॉकिंग अर्थ्स हिडन ट्रेजर्स" सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत जीएसआई के नए हाइड्रोस्टेटिक रिग के उद्घाटन से होगी, इसके बाद नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स एक्सपो पैवेलियन में भूभौतिकीय प्रौद्योगिकियों में प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा। एम.एस. कृष्णन ऑडिटोरियम में जी. किशन रेड्डी द्वारा दीप प्रज्वलन का औपचारिक आयोजन किया जाएगा।

जीएसआईटीआई के उप महानिदेशक और मिशन-वी के प्रमुख डॉ. एस. रवि स्वागत भाषण देंगे, जिसके बाद जीएसआई के महानिदेशक असित साहा आगे की टिप्पणियां करेंगे। इस कार्यक्रम में मलकाजगिरी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद ईटेला राजेंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (दक्षिणी क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक एस.डी. पटभाजे, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अतिरिक्त महानिदेशक, नीति सहायता प्रणाली और प्रशिक्षण प्रबंधक डॉ. जॉयश बागची सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम को और भी गौरवान्वित किया जाएगा। सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस, अमेरिका, पोलैंड, मलेशिया और सिंगापुर के प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्ट-अप का प्रतिनिधित्व करेंगे। विषयों में उन्नत भूभौतिकी तकनीकें, उपकरण और अन्वेषण मॉडल में एआई-एमएल का एकीकरण शामिल हैं। एक प्रदर्शनी मंडप में अत्याधुनिक भूभौतिकीय उपकरण और एआई-एकीकृत अन्वेषण मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे, जो उपस्थित लोगों को अग्रणी तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेंगे।

## विश्व जागृति मिशन का साप्ताहिक विडिओ सत्संग आज

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा के अनुसार विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में परमपूज्य सुधांशुजी महाराज का साप्ताहिक विडिओ सत्संग का आयोजन 8 जून को दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक कोलसावाडी,बेगम बाजार स्थित पारीक-भवन में आयोजित किया जाएगा।

समस्त सत्संग धर्म प्रेमी सज्जनों और समस्त गुरूभाई तथा गुरू-बहनों से समयानुसार इस महोत्सव के विशेष सत्संग श्रृंखला में पधारकर भक्ति सत्संग का लाभ लें। गुरू-पुर्णीमा-महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली रोहिणी में % जुलाई से 10 जुलाई तक रहेगा । हैदराबाद मंडल का गुरू-पुर्णीमा-महोत्सव 29 जून रविवार को अमृतधाम आश्रम में आयोजित किया जाएगा ।

आगामी साप्ताहिक विडिओ सत्संग क्रमश: 8 ,15 और 22 जून रविवार के सत्संग लगातार कोलसावाडी स्थित पारीक-भवन में आयोजित किए जाएंगें । नगरद्वय के समस्त गुरूभक्तो को सत्संग का लाभ लेनें का अनुमोदन मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड और महमंत्री अशोक कुमार अग्रवाल नें किया है ।

## यूजीसी ने की नेट जून 2025 परीक्षा की तारीखों की घोषणा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जून 2025 का विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। इसकी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, परीक्षा 25 जून से शुरू होगी और 29 जून को समाप्त होगी।

नेट परीक्षा जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ), सहायक प्रोफेसर और पीजी में प्रवेश के लिए और केवल 85 विषयों में पीजी प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय परीक्षण प्राधिकरण (एनटीए) ने परीक्षा तिथियों की अधिसूचना जारी की।

परीक्षा में दो पेपर होंगे, जो कंप्यूटर आधारित होंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी- सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक। 25 जून को लोक प्रशासन, जनसंचार एवं पत्रकारिता तथा दर्शनशास्त्र सहित 21 विषयों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। 26 जून को इसमें राजनीति विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग, तथा पुरातत्व सहित 19 विषयों को शामिल किया जाएगा। 27 जून को 16 विषयों - अंग्रेजी, वाणिज्य, मानव विज्ञान आदि - की परीक्षा होगी। 28 जून को तेलुगु, इतिहास और मनोविज्ञान समेत 15 विषयों की परीक्षा होगी और 29 जून को 13 विषयों - हिंदी, फ्रेंच, जर्मन, भूगोल आदि के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा से 10 दिन पहले हॉल टिकट आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

# चेंचु जनजातीय परिवारों को पहियों वाले जल कंटेनर दिए गए

## रोटरी ग्लोबल चैम्पियंस द्वारा 'वॉटर ऑन व्हील्स' परियोजना का एक मानवीय प्रयास

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी ग्लोबल चैम्पियंस, हैदराबाद द्वारा संचालित "वॉटर ऑन व्हील्स' सेवा परियोजना के अंतर्गत इस वर्ष तेलंगाना राज्य के अमराबाद मंडल स्थित उपुनथला गाँव के 40 चयनित चेंचु जनजातीय परिवारों को पहियों वाले जल कंटेनर प्रदान किए गए।

यह परियोजना उन ग्रामीण वनों में रहने वाली महिलाओं को समर्पित है, जिन्हें आज भी पानी सिर पर ढोकर दूर से लाना पड़ता है। यह कठिन और थकाऊ प्रक्रिया न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। इन कंटेनरों से अब ये महिलाएं सरलता से और सम्मानपूर्वक अपने परिवार के लिए पानी ला सकेंगी।

इस अवसर पर रोटरी ग्लोबल चैम्पियंस के अध्यक्ष आरटीएन बी.के. करणा ने कहा कि"वॉटर ऑन व्हील्स' हमारा सिगनेचर प्रोजेक्ट है, जिसे हम हर वर्ष एक नए जरूरतमंद आदिवासी क्षेत्र में लागू करते हैं।

हम ऐसे स्थानों की पहचान करते हैं जहाँ जल-संकट की स्थिति गंभीर होती है और हमारे सेवा प्रयास वहाँ अधिकतम प्रभाव छोड़ सकते हैं। यह परियोजना केवल जल आपूर्ति नहीं, बल्कि गरिमा और सुविधा का प्रयास है।

रोटेरियन श्रीनिवास तमन्ना द्वारा वहाँ उपस्थित परिवारों को स्टील के बर्तन और वस्त्र (कपड़े) प्रदान किए गए, जिससे उनकी दैनिक जरूरतों में भी सहायता हो सके। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में, इस सेवा अवसर को यादगार बनाने के लिए वृक्षारोपण भी किया गया। इससे न केवल जलवायु संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय वातावरण भी समृद्ध होगा।

इस परियोजना को साकार करने में आरटीएन श्रीनिवास तमन्ना - सचिव, रोटरी ग्लोबल चैम्पियंस, आरटीएन किरण करणा निदेशक, सेवा परियोजनाएं, आरटीएन सोमा शास्त्री - परियोजना समन्वयक एवं आरटीएन वैशाली - कोषाध्यक्ष का सराहनीय योगदान रहा। रोटरी ग्लोबल चैम्पियंस का यह संकल्प है कि सेवा कार्य केवल शहरी सीमाओं तक सीमित न रहे, बल्कि उन वनों और पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुँचे, जहाँ लोगों की आवाज़ कम सुनाई देती है पर उनकी ज़रूरतें सबसे अधिक होती हैं।

## रक्षा राज्यमंत्री का अभिनंदन

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बीडीएल कंचनबाग का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस अवसर

पर जामबाग डिवीजन के पार्षद् राकेश जायसवाल ने उनसे मुलाकात कर उनका शाल ओढ़ा कर अभिनंदन किया और उन्हें यहां के राजनीतिक हालात से अवगत भी कराया। इस दौरान सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी भी मौजूद थे और उन्होंने रक्षा क्षेत्र के विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा में बीडीएल की भूमिका और युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने में इसकी भूमिका के बारे में उनसे विस्तृत चर्चा की।

## स्टैंडर्ड्स क्लब मेंटरों के लिए 2 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो हैदराबाद द्वारा 5 और 6 जून को दो दिवसीय आवासीय मेंटर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्थापित स्टैंडर्ड्स क्लबों के मेंटर्स को प्रशिक्षण देना और उन्हें सशक्त बनाना था।

इस प्रशिक्षण में कुल 55 मेंटर्स ने भाग लिया। बीआईएस अधिकारियों द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो की कार्यप्रणाली, हॉलमार्किंग व गुणवत्ता चिन्ह, स्टैंडर्ड्स क्लब की स्थापना प्रक्रिया, मेंटर की भूमिका और दायित्वों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, स्टैंडर्ड वाच, राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता और अन्य नई पहलों के बारे में भी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व पी.वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख, हैदराबाद शाखा कार्यालय ने किया। उनके साथ टणेरु राकेश, संयुक्त निदेशक एवं सेवानिवृत्त अधिकारीगण ए.एन.एस.पी. शास्त्री और कंचरला राजा ने भी विभिन्न सत्रों को संबोधित किया। दूसरे दिन, मानकों पर आधारित समूह गतिविधि और मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें मेंटर्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया और बहुमूल्य सुझाव भी दिए। इसके अतिरिक्त, विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के उपलक्ष्य में सभी मेंटर्स ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

# सीरवी समाज का 29 वाँ ध्वजा रोहण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर मे श्री आईमाताजी एवं श्री सोनाणा खेतलाजी का 29 वाँ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव व ध्वजा रोहण कार्यक्रम शनिवार 7 जून को प्रात: 8.31 बजे आगलेचा परिवार व समाज बन्धुओं द्वारा भव्यरुप से आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया गया। प्रात: वेला मे मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, श्री आईमाँ व श्री सोनाणा खेतलाजी का पंडितजी द्वारा विशेष श्रृंगार किया गया। प्रात: 7.15 बजे मोतीरामजी आगलेचा के निवास स्थान सीताफलमंडी से भव्य शोभा यात्रा व साँची ज्योत गाजे-बाजे से प्रारम्भ होकर श्री आईमाता मंदिर पहुँची। माई के मंदिर में पूजा-अर्चनाकर प्रात: 8.31 बजे शुभ मूहुर्त में महिलाओं द्वारा मंगल गान के साथ श्री आईमाता मंदिर व सोनाणा खेतलाजी मंदिर पर ध्वजा रोहण आगलेचा परिवार के खेताराम, मोतीराम, मांगीलाल, दीपाराम आगलेचा द्वारा आयोजित किया गया।

तत्पश्चात् समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य मे श्री आईमाँ की आरती एवं श्री सोनाणा खेतलाजी महाराज की पूजा-अर्चना एवं पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए अल्पहार की व्यवस्था की गयी। ध्वजा रोहण लाभार्थी परिवार का समाज के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प-माला, शॉल व राजस्थानी साफे से विशेष सम्मान किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पंवार, सुशीला देवड़ा, सचिव नारायणलाल काग, चेलाराम भायल, परसराम बर्फा, जसराज सोलंकी ने प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण कार्यक्रम की लाभार्थी परिवार व समाज बन्धुओं को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य रामलाल परिहार, कालुराम काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, उपाध्यक्ष वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, पुखराज, ताराचन्द, प्रकाश आगलेचा, नरेन्द्र परिहार, नारायणलाल सिन्दड़ा, समाज के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। सचिव नारायणलाल काग के मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

## डॉ. पी. रघु राम केएमसी मैंगलोर से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त करने वाले बने पहले डॉक्टर

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में किम्स उषालक्ष्मी स्तन रोग केंद्र के संस्थापक निदेशक डॉ पी रघु राम ने कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर के 70 साल के इतिहास में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले डॉक्टर बनने का गौरव हासिल किया। यह सम्मान उन्हें मैंगलोर में टीएमए पाई इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्लेटिनम जुबली कॉलेज दिवस समारोह के दौरान मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई) के प्रो-चांसलर प्रोफेसर एचएस बल्लाल द्वारा प्रदान किया गया।

अपने संबोधन में, डॉ. रघु राम ने तेलंगाना के एक सुदूर गांव को गोद लेने के अपने सुखद अनुभव को रेखांकित किया तथा युवा पीढ़ी से अपील की कि वे अपनी मातृभूमि में चिकित्सा देखभाल में सुधार लाने में योगदान देने के अलावा एक गांव को भी गोद लें।

डॉ. रघु राम ने विभिन्न पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र और स्वर्ण पदक भी प्रदान किए, जिनमें वर्ष 2024 के लिए केएमसी मैंगलोर के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र और संकाय शामिल थे।

## जेलों में कैदियों ने मिलकर बनाए दो लाख सीड बॉल

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तेलंगाना कारागार एवं सुधार सेवा विभाग ने आईओसीएल के साथ साझेदारी में कारागार एवं सुधार सेवा महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा की उपस्थिति में सीड बॉल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। विभाग ने कैदियों की सक्रिय भागीदारी से दो लाख सीड बॉल तैयार करने का लक्ष्य रखा है। ये सीड बॉल सभी जेलों में कैदियों द्वारा तैयार की जा रही हैं, जिसका उद्देश्य कैदियों के बीच जागरूकता पैदा करना और सार्थक पर्यावरणीय जुड़ाव के माध्यम से सुधार और पुनर्वास के विभाग के मिशन को मजबूत करना है। तेलंगाना में जेल विभाग द्वारा संचालित सभी 30 ईंधन आउटलेट के माध्यम से बीज बॉल वितरित किए जाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव-कोषाध्यक्ष का इस्तीफा

## बेंगलुरु भगदड़ मामले की नैतिक जिम्मेदारी ली, हादसे में 11 लोग की मौत हुई थी

बेंगलुरु, 7 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को भगदड़ हुई थी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

हमारी भूमिका बहुत सीमित थी- शंकर और जयराम

एक संयुक्त बयान में शंकर और जयराम ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात को केएससीए अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया, 'पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से हम यह बताना चाहते हैं कि हमने केएससीए के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, हमारी भूमिका बहुत सीमित थी।'

**केएससीए बोला- भीड़ संभालने की जिम्मेदारी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की थी**

कर्नाटक सरकार ने केएससीए, आरसीबी और डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद गुरुवार को अधिकारियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम ने भगदड़ मामले में अपने खिलाफ एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। इसके बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने एफआईआर के अफसरों को 16 जून को अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी से राहत दे दी थी।

केएससीए ने इससे पहले हाईकोर्ट में अपनी याचिका में कहा था कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर गेट पर भीड़ को मैनेज करने की जिम्मेदारी आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की थी।

आरसीबी के मार्केटिंग हेड को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

इससे पहले, आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के चार अधिकारियों को गिरफ्तार भी किया गया। कोर्ट ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है।

**बेंगलुरु भगदड़ मामले में आज के अपडेट्स-**

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पॉलिटिकल सेक्रेटरी के. गोविंदराज को बर्खास्त कर दिया। सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का ट्रांसफर कर दिया गया है।

बेंगलुरु के एडीजीपी इंटेलिजेंस हेमंत एम निंबालकर का ट्रांसफर किया गया। आईपीएस रवि एस. उनकी जगह लेंगे।

भगदड़ में घायल 25 साल के रोलन गोम्स ने कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन मे आरसीबी, केएससीए और डीएनए एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के सीनियर मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के 3 अधिकारियों- किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू को गिरफ्तार किया।

आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल को दुबई जाते वक्त बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। उसने हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। सोमवार को उसकी याचिका पर सुनवाई होगी।

आीपीएस अधिकारी सीमंत कुमार ने बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर का पदभार संभाला।

बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के 4 अधिकारियों को गिरफ्तार किया। सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम पद से इस्तीफा दिया

# वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का सपना टूटा

## कार्लसन ने जीता अपना 7वां नॉर्वे शतरंज खिताब

स्टावेंजर (नॉर्वे), 7 जून (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपने गृहनगर स्टावेंजर में नॉर्वे शतरंज 2025 का खिताब जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली. 5 बार के विश्व चैंपियन ने एक नाटकीय अंतिम दौर के बाद ताज हासिल किया, जिसमें उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश आखिरी बाधा पर असफल रहे.

सफेद मोहरों से खेल रहे कार्लसन को भारत के उभरते सितारे अर्जुन एरिगैसी ने अंतिम क्लासिकल गेम में ड्रा पर रोका. हालांकि इस परिणाम ने गुकेश के लिए दरवाजा थोड़ा खुला रखा, लेकिन युवा भारतीय खिलाड़ी को लीडरबोर्ड पर कार्लसन से आगे निकलने के लिए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत की जरूरत थी.

हालांकि, भारी दबाव में, गुकेश ने संतुलित स्थिति में गलती की, और मौके पर ही गेम हार गए और इसके साथ ही उनका खिताब जीतने का सपना टूट गया. गुकेश ने घड़ी में केवल दो सेकंड बचे होने पर क्वीन प्रमोशन की अपनी चाल में गलती की, और फैबियानो कारुआना के खिलाफ अपने आखिरी राउंड के मुकाबले में मौके पर ही हार मान ली. इस भारी चूक ने न केवल गुकेश की लीडरबोर्ड पर मैग्नस कार्लसन से आगे निकलने की उम्मीदों को खत्म कर दिया, बल्कि नॉर्वे शतरंज 2025 का खिताब भी दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को दे दिया, जिन्होंने इससे पहले एरिगैसी के खिलाफ अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ किया था.

बता दें कि, यह जीत कार्लसन की अपने घरेलू इवेंट में छठी जीत है और विश्व चैम्पियनशिप प्रतियोगिता से पीछे हटने के बावजूद क्लासिकल फॉर्मेट में उनकी ताकत की याद दिलाती है. उन्होंने 16 अंकों के साथ समापन किया, जो कारुआना से आधा अंक आगे था, जिन्होंने गुकेश की गलती का फायदा उठाते हुए 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर छलांग लगाई.

गुकेश, जिन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन के रूप में एक शानदार वर्ष बिताया है, को 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा. इससे पहले, राउंड 9 के रोमांचक मुकाबले में, सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन ने चीन के दुर्जेय वेई यी को हराया, 14.5 अंक हासिल किए और अपने और टूर्नामेंट लीडर मैग्नस कार्लसन के बीच अंतर को केवल आधे अंक तक सीमित कर दिया.

वहीं, महिला वर्ग में, यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की. मुजीचुक को भारत की आर. वैशाली के खिलाफ अपने अंतिम क्लासिकल राउंड में केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन उन्होंने संयम के साथ खेलते हुए शेयर प्वाइंट सुनिश्चित किया.

# इंग्लैंड में ध्रुव जुरेल की 'हैट्रिक', टेस्ट सीरीज से पहले किया धमाका

लंदन, 7 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड में इंडिया-ए के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के बल्ले से रनों की बारिश जारी है. आीपीएल में शानदार प्रदर्शन करने के बाद वो इंग्लिश धरती पर भी खूब रन बना रहे हैं. उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच की पहली पारी में भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. इससे पहले उन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में फिफ्टी ठोकी थी. इस तरह उन्होंने ने इंग्लिश धरती पर अर्धशतकों की हैट्रिक लगा दी है. पहले टेस्ट मैच में वो केवल 6 रन से शतक बनाने से चूक गए थे, लेकिन उनका बल्ला जिस तरह से चल रहा है, वो इंग्लिश गेंदबाजों में खौफ पैदा कर रहा है.

**लगातार तीसरा अर्धशतक ठोका**

ध्रुव जुरेल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल

टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बैटिंग की. उन्होंने 87 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 52 रन बनाए. उन्होंने केएल राहुल (116 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की शतकीय साझेदारी निभाई. इससे पहले जुरेल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 120 गेंदों में 11 चौके और 1 छक्का की मदद से 94 रनों की पारी खेली थी. वो केवल 6 रनों से अपना शतक बनाने से चूक गए थे. इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 53 गेंदों में 4 चौकों की मदद से नाबाद 53 रनों की पारी खेली थी.

**पेश की मजबूत दावेदारी**

ध्रुव जुरेल को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में चुना गया है.

वो इस समय जिस तरह से रन बना रहे हैं, उसके दम पर उन्होंने प्लेइंग इलेवन में अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है. अगर उनको प्लेइंग इलेवन में जगह मिलती है तो वो इसका लाभ उठा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने इंग्लिश कंडिशन में खुद का काफी हद तक ढाल लिया है.

**आईपीएल 2025 में भी किया शानदार प्रदर्शन**

ध्रुव जुरेल इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेले थे. राजस्थान रॉयल्स की टीम इस सीजन में पहले ही दौर से बाहर हो गई थी, लेकिन जुरेल ने टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी की थी. उन्होंने 14 मैचों की 13 पारियों में 37.00 की औसत से 333 रन बनाए थे. इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं. अब वो अपनी इसी फॉर्म को इंग्लैंड में बरकरार रख रहे हैं.

# शुभमन गिल को टेस्ट में किस नंबर पर खेलना चाहिए?

## दिग्गज रिकी पोंटिंग ने दिया जवाब

खेल डेस्क, 7 जून (एजेंसियां)। शुभमन गिल की अगुवाई में टीम इंडिया इंग्लैंड पहुंच गई है, जहां टीम को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। 20 जून से शुरू होने जा रही इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने बताया है कि भारतीय कप्तान गिल को इंग्लैंड के खिलाफ किस नंबर पर बैटिंग करना चाहिए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे शुभमन गिल को लेकर बड़ी बात कही है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से बातचीत में पोंटिंग ने सुझाव दिया कि गिल को टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए नंबर 4 स्थान पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पोंटिंग का मानना है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी को देखते हुए उन्हें बैटिंग ऑर्डर में

चौथे नंबर पर उतरना चाहिए।

उन्होंने आईसीसी से बात करते हुए गिल को लेकर कहा, 'उनका व्हाइट बॉल का फॉर्म अविश्वसनीय रूप से अच्छा रहा है। हालांकि उन्हें अपनी टेस्ट मैच की बल्लेबाजी पर थोड़ा काम करना है। जब आप नए कप्तान होते हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता है। अपनी बल्लेबाजी के बारे में उस हद तक चिंता करना, जो उन्हें करनी होगी, यह उनके लिए आसान नहीं होगा।'

**क्यों नंबर 4 है खास?**

टेस्ट क्रिकेट में नंबर 4 का स्थान बेहद अहम माना जाता है। यह वह पोजीशन है जहां टीमों के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया के लिए पोंटिंग के अलावा भारत के लिए सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली का नाम शामिल है। टेस्ट में गिल अभी तक ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते आए हैं, लेकिन हाल के प्रदर्शन को देखते हुए क्रिकेट स्पेशलिस्ट का मानना है कि उन्हें नंबर 4 पर स्थायी रूप से मौका मिलना चाहिए।

**ऐसा रहा है गिल का रिकॉर्ड**

गिल का नाम वनडे के बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल है। उन्होंने अब तक 55 वनडे में 59.04 की औसत से 2775 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। हालांकि टेस्ट में उनके आंकड़े वनडे जैसे बेहतरीन नहीं हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में 32 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 35 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से पांच शतक निकले हैं, जहां उनका हाई स्कोर 128 रनों का रहा है।

# काशी की बेटी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड: दक्षिण कोरिया में जीता पदक

## बनीं यूपी की पहली पहली पैरा महिला खिलाड़ी

वाराणसी, 7 जून (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में आयोजित वर्ल्ड पैरा निशानेबाजी में काशी की बेटी सुमेधा पाठक ने 10 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। सुमेधा ने 10 मीटर पिस्टल की एकल स्पर्धा में स्वर्ण और मिक्स में कांस्य पदक जीत देश का नाम रोशन किया है।

इस जीत के साथ सुमेधा के पदकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। ऐसा करने वाली वह प्रदेश की पहली पैरा महिला खिलाड़ी बन गईं हैं। सुमेधा पाठक ने इस जीत का श्रेय बाबा काशी विश्वनाथ और माता-पिता और कोच को दिया है।

उन्होंने बताया कि विदेशी धरती पर स्वर्ण जीतना का सपना बाबा काशी विश्वनाथ की कृपा से संभव हुआ है। 10 मीटर टीम

स्पर्धा दूसरा स्थान कोरिया जबकि तीसरा स्थान चीनी ताइपे को मिला है। इसमें सुमेधा ने 1695 अंक हासिल कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

काशी की बेटी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड। - फोटो : अमर उजाला

दसवीं में पढ़ाई के दौरान 2013 में उन्हें मल्टी ड्रग ट्यूबरक्लॉसिस बीमारी ने अटैक किया और शरीर के निचले हिस्से में कमर से लेकर पैरों तक ने काम करना बंद कर दिया। उन्होंने 11वीं से निशानेबाजी में कदम बढ़ाया और 10 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में अभ्यास शुरू किया। 2018 में प्री-स्टेट शूटिंग में स्वर्ण जीता।

प्रादेशिक के बाद मद्रास में जीवी मावलंकर में कांस्य पदक जीता। 2021 में दूसरे पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

उन्होंने तीसरे और चौथे पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण जीता। 2022 में फ्रांस के सेटूरेक्स वर्ल्ड कप और कोरिया में टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। 2023 में चीन में एशियन गेम्स की शूटिंग प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची और सातवां स्थान हासिल किया।

# आईपीएल 2025 के बाद डेवाल्ड ब्रेविस को मिली बड़ी कामयाबी, अहम टेस्ट सीरीज में मिला मौका

केप टाउन, 7 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में धूम मचाने वाले डेवाल्ड ब्रेविस की किस्मत चमकी है। उन्होंने सीएसके के लिए आईपीएल 2025 में कमाल की बल्लेबाजी की थी। हालांकि अब ब्रेविस के शानदार प्रदर्शन का इनाम उन्हें मिल गया है। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। इस सीरीज के लिए डेवाल्ड ब्रेविस को मौका मिला है। उनके अलावा 4 युवा खिलाड़ियों को भी प्रोटियाज टीम में मौका दिया गया है।

**डेवाल्ड ब्रेविस को मिला मौका**

आईपीएल 2025 में ब्रेविस ने सीएसके के लिए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 6 मैच में 37.50 की औसत के साथ 225 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक और 180 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी की। शायद यही वजह रही कि अब उन्हें साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट खेलने का भी मौका मिलेगा। आईपीएल से पहले ब्रेविस प्रथम श्रेणी सत्र 2024-25 में भी 2 शतक की मदद से 573 रन के साथ दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे

हैं। ब्रेविस के अलावा लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, सेगो सेनोक्वाने, तेज गेंदबाज कोडी यूसुफ और स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन को भी पहली बार टीम में मौका मिला है, जबकि सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, ज़ुबैर हम्जा, केशव महाराज, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल वेरिन, कोडी यूसुफ

# नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में हारे

## संन्यास को लेकर दिया बड़ा हिंट

पेरिस, 7 जून (एजेंसियां)। 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने रोलांड गैरोस में फ्रेंच ओपन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में विश्व के नंबर 1 जैनिक सिनर के साथ कड़ी टक्कर दी. 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन सिनर के खिलाफ यह काफी नहीं था, जिन्होंने एक कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-6, 5-7, 6-7 (3) से सीधे सेटों में जीत हासिल की.

3 घंटे और 16 मिनट तक चले इस जोरदार मुकाबले के बाद जोकोविच भावुक नजर आए. कोर्ट से बाहर जाने से पहले, उन्होंने अपना किटबैग नीचे रखा, पेरिस की मिट्टी को छुआ और दर्शकों की ओर हाथ हिलाया, उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, शायद यह संकेत देते हुए कि यह फ्रेंच ओपन में उनका अंतिम मैच हो सकता है.

उनके इस इशारे ने फैंस को आश्चर्यचकित कर दिया, जब तक

कि जोकोविच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पल को संबोधित नहीं किया. तीन बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन ने स्वीकार किया कि वह अगले साल पेरिस नहीं लौट सकते.

जोकोविच ने कहा, 'यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, मुझे नहीं पता. इसलिए अंत में यह थोड़ा अधिक भावुक था'. उन्होंने कहा, 'लेकिन अगर यह रोलैंड गैरोस में मेरा विदाई मैच था, तो यह एक शानदार मैच था - माहौल और दर्शकों का समर्थन अविश्वसनीय था. क्या मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं? हां, मैं चाहता हूं. लेकिन क्या मैं 12 महीने के समय में वापस आ पाऊंगा? मुझे यकीन नहीं है. अभी मैं इतना ही कह सकता हूं'.

पिछले साल के उपविजेता जोकोविच ने न्यूयॉर्क में यूएस ओपन 2023 जीतने के बाद से अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है. पिछले साल वे विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्काराज की चुनौती को पार करने में विफल रहे. बाद में उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्पेन के खिलाड़ी को हराकर फिलिप-चैटियर कोर्ट पर स्वर्ण पदक जीता.

ओलंपिक पदक जीतने के बाद से, जोकोविच फॉर्म से ज़्यादा फिटनेस से जूझ रहे हैं. उन्होंने जेवरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल से संन्यास ले लिया, हाल ही में अपने सबसे कठिन क्ले सीजन में से एक का सामना किया, मोंटे कार्लो और मैड्रिड मास्टर्स 1000 इवेंट दोनों में दूसरे राउंड में हार गए.

सर्बियाई खिलाड़ी अभी भी रिकॉर्ड-बढ़ाने वाले 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, लेकिन अब यह बहुत दूर की बात लगती है. हालांकि, उन्होंने अगले महीने शुरू होने वाले विंबलडन और इस साल के अंत में होने वाले यूएस ओपन में खेलने की इच्छा जताई, उन्होंने स्वीकार किया कि इस साल के बाद उनकी योजना अभी भी अस्पष्ट है. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया लौटने की संभावना को भी जाहिर किया, जहां उन्होंने अपने 24 प्रमुख खिताबों में से 10 जीते हैं.

# 'हम वेस्टइंडीज से हैं इंडिया से नहीं'

## टेस्ट क्रिकेट पर विराट कोहली के बयान पर कैरेबियाई खिलाड़ी ने कसा तंज

खेल डेस्क, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने IPL 2025 के बीच में टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लेकर सभी को चौंका दिया था, लेकिन पहली बार IPL की ट्रॉफी जीतने के बाद टेस्ट क्रिकेट पर उन्होंने जो बयान ने दिया, उसने एक नई बहस छेड़ दी है. RCB के चैंपियन बनने पर विराट कोहली काफी इमोशनल हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू थे. उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे यादगार पलों में से एक माना, लेकिन उन्होंने इसके आगे जो बातें कहीं, उसे सुनकर सभी लोग दंग रह गए. इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा था कि RCB का पहली बार चैंपियन बनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, लेकिन फिर भी ये टेस्ट क्रिकेट से पांच लेवल नीचे है. मुझे टेस्ट खेलना सबसे ज्यादा पसंद है. इस पर वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने करारा जवाब दिया है.

**आंद्रे रसेल ने क्या कहा?**

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्र रसेल ने विराट कोहली के बयान पर अपनी राय रखी है. उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी इसलिए टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं, क्योंकि वो भारत जैसे देश से खेलते हैं, जहां क्रिकेट बोर्ड अपने टेस्ट खिलाड़ियों को खूब पैसा देता है.

**पाकिस्तानी क्रिकेटर ने दी बैल की कुर्बानी, सोशल मीडिया पर डालीं तस्वीरें**

एक इंटरव्यू के दौरान आंद्रे रसेल ने कहा, "मुझे लगता है कि भारत, ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड जैसे देशों में टेस्ट खिलाड़ियों का बहुत अच्छी तरह से ख्याल रखा जाता है. ये वेस्टइंडीज जैसे देशों से बिल्कुल अलग होता है. उन क्रिकेटरों को टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए शानदार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट्स मिलते हैं. जाहिर है ऐसा मौका मिलने पर वो खेलना चाहेंगे. लेकिन हमारे खिलाड़ी भले ही 50 या 100 टेस्ट खेल लें, फिर भी संन्यास के बाद उनके पास दिखाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता".

**रसेल ने खेला है केवल एक टेस्ट मैच**

आंद्रे रसेल ने 2010 में वेस्टइंडीज की ओर टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें अभी तक केवल एक टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला है. उन्होंने कहा कि उन्हें तो सीधे टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि बोर्ड को लगता था कि वो सिर्फ व्हाइट बॉल के लिए ही फिट हैं.

वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने कहा, "टेस्ट क्रिकेट मेरे करियर का एक अहम हिस्सा था, लेकिन कुछ लोगों ने मुझे इससे दूर कर दिया, लेकिन मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है". आंद्रे रसेल ने 15 नवंबर 2010 को श्रीलंका के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था. इस मैच वो केवल दो रन ही बना सके थे. गेंदबाज़ी में भी उन्हें सिर्फ एक विकेट मिला था. इसके बाद से उन्हें कभी टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला.

# 2029-30 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य : उप मुख्यमंत्री

## पिन्नापुरम गांव में ग्रीनको एकीकृत विद्युत परियोजना का जायजा लिया

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 2029-30 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भविष्य हरित ऊर्जा का है और तेलंगाना इस क्षेत्र को प्राथमिकता देकर रणनीतिक योजना के साथ आगे बढ़ रहा है।

कर्नूल जिले के ओरवाकल मंडल के पिन्नापुरम गांव में ग्रीनको एकीकृत विद्युत परियोजना का दौरा करने के बाद शनिवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने अक्षय ऊर्जा के लिए तेलंगाना के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने 2025 नई ऊर्जा नीति पेश की है, जिसका लक्ष्य 2029-30 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा हासिल करना है। भट्टी विक्रमार्क ने आगे बताया कि देश भर में बिजली की बढ़ती मांग के साथ, तेलंगाना सरकार बिजली उत्पादन बढ़ाने और अधिशेष बिजली की ओर बढ़ने के लिए विभिन्न रास्ते तलाश रही है। उन्होंने कहा, "दुनिया में हर उत्पाद के लिए बिजली की जरूरत होती है।

उत्पादन बढ़ाने के लिए बिजली की आपूर्ति प्रचुर होनी चाहिए। अगर उत्पादन बढ़ता है, तो रोजगार और राज्य की जीडीपी बढ़ेगी। यह एक सतत चक्र है।" उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पूरे भारत में बिजली की खपत बढ़ रही है और अगर बिजली केवल कोयले से पैदा की जाती है, तो इससे लागत और प्रदूषण बढ़ता है, जिससे पर्यावरण पर असर पड़ता है।

इसलिए, उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया तेजी से हरित ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश सौर, पवन, तापीय, पंप स्टोरेज, फ्लोटिंग सोलर और हाइड्रोजन पावर जैसे विविध तरीकों से बिजली उत्पादन को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे दिन के दौरान पैदा की गई सौर ऊर्जा को संग्रहीत किया जाता है और बाद में पंप स्टोरेज सिस्टम के माध्यम से रात के पीक ऑवर्स के दौरान इसका उपयोग किया जाता है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि उन्होंने ग्रीनको के प्रबंधन के निमंत्रण पर पिन्नापुरम का दौरा किया और उनकी एकीकृत परियोजना में हरित ऊर्जा उत्पादन का निरीक्षण किया, जो अन्य देशों को बिजली का निर्यात भी करती है। उन्होंने निर्धारित समय पर बिजली उत्पादन शुरू करने के लिए ग्रीनको पावर की प्रशंसा की और कहा कि कंपनी 4,000 एकड़ में फैले एक ही स्थान पर सौर, पवन और पंप स्टोरेज से बिजली का उत्पादन कर रही है - जो दुनिया में अपनी तरह का पहला है। अपने दौरे के हिस्से के रूप में, उपमुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से परियोजना स्थल का हवाई सर्वेक्षण भी किया। उन्होंने बंद लूप पंप स्टोरेज सिस्टम, पावरहाउस कॉम्प्लेक्स और उन्नत सबस्टेशन के ऊपरी और निचले जलाशयों सहित प्रमुख बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। ग्रीनको के इंजीनियरों और प्रबंधन के साथ, उपमुख्यमंत्री ने सौर, पवन और 1,680 मेगावाट हाइड्रो पंप स्टोरेज को चार घंटे के भंडारण चक्र के साथ दिन में दो बार एकीकृत करने की समीक्षा की। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम भी थी।

इस अवसर पर ऊर्जा के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर, जेनको के सीएमडी हरीश, देवराकाद्र विधायक मधुसूदन रेड्डी और वनापर्ती विधायक मेघा रेड्डी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह शहर के बाहरी इलाके घटकेसर के एडुलाबाद में एक कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना का कारण तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाना माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित भार्गव यादव, वर्षित अपने दोस्तों प्रवीण और दिनेश के साथ कार में घटकेसर की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटी।

एडुलाबाद पहुंचने पर, कथित तौर पर वाहन चला रहे भार्गव यादव ने नियंत्रण खो दिया और वाहन बिजली के खंभे से जा टकराया। भार्गव यादव और वर्षीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए। दिनेश की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये युवक किसी रिसॉर्ट में पार्टी से लौट रहे थे। घटकेसर पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह से यह हादसा हुआ।

# कल किशन रेड्डी काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 9 जून को काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद रहेंगे। काचीगुडा रेलवे स्टेशन हैदराबाद के जुड़वां शहरों में प्रमुख टर्मिनलों में से एक है, जो शहर के अधिकांश रेल उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। यह हैदराबाद डिवीजन का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है और इसमें आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित पांच प्लेटफॉर्म हैं। स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 103 ट्रेनें आती-जाती हैं और प्रतिदिन औसतन 45,000 यात्री आते-जाते हैं, और इसने लाखों रेल उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम रेल सेवा का अनुभव प्रदान करके 100 से अधिक गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं।

पर्यटन अनुकूल पहल के हिस्से के रूप में, काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग को 2.23 करोड़ रुपये की लागत से रोशन किया गया है। इस प्रस्ताव को पर्यटन मंत्रालय ने मंजूरी दी थी, जबकि पूरा काम दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन द्वारा किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वास्तुशिल्प सौंदर्यीकरण करना, इंडो-सरसेनिक/इंडो गोथिक वास्तुकला और इसकी समृद्ध विरासत को सही रोशनी के साथ उजागर करना है।

रोशनी में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न रंग थीम विभिन्न स्थानीय/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अवसरों और घटनाओं की भावना को बढ़ाते हैं। यह यात्रियों, आम जनता और पर्यटकों के लिए रात में एक दृश्य उपचार माहौल भी प्रदान करता है। जेउपयोग की जाने वाली ल्यूमिनरी नवीनतम आधुनिक उपकरणों जैसे आउटडोर टाइप आरजीबी एलईडी, आईपी66 रेटेड इनबिल्ट डीएमएक्स डिकोडर के साथ हैं जो विभिन्न प्रकाश योजनाओं के लिए उपयुक्त 512 डीएमएक्स कंट्रोल सिस्टम सेकेंडरी ऑप्टिक्स का समर्थन करती उच्च सर्ज वोल्टेज से बचाव के लिए उपयुक्त रेटिंग का सर्ज प्रोटेक्शन उपकरण और कई स्थानों पर समर्पित तांबे की प्लेट अर्थिंग प्रदान की गई है।

# कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने सीएम रेवंत को कैबिनेट विस्तार की मंजूरी दी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर कई महीनों से चल रही अटकलें आखिरकार खत्म हो गई हैं। कांग्रेस हाईकमान ने आखिरकार मंत्रिमंडल विस्तार को मंजूरी दे दी है, जो रविवार को होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल में तीन नए मंत्री बनाए जाएंगे। फिलहाल, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ 12 मंत्री हैं, जबकि छह अतिरिक्त पद भरे जाने बाकी हैं। गौरतलब है कि डेढ़ साल से मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है, जिससे कांग्रेस पार्टी में पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। कई नेता किसी भूमिका के लिए विचार किए जाने की उम्मीद में पार्टी के उच्च पदों पर पहुंच रहे हैं। मीनाक्षी नटराजन की कांग्रेस पार्टी प्रभारी के रूप में नियुक्ति के बाद, मंत्री पद के इच्छुक कई विधायकों ने उनसे सिफारिशें मांगी हैं।

इसके अलावा, नवनिर्वाचित और वरिष्ठ विधायकों ने कई बार नई दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात की है और उनसे आग्रह किया है कि वे सुनिश्चित करें कि उन्हें अवसर मिलें। इसके मद्देनजर, कांग्रेस आलाकमान ने संकेत दिया है कि मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। रविवार को मंत्रिमंडल विस्तार होने की उम्मीद है, जिसकी आधिकारिक घोषणा राजभवन से जल्द ही होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि मुख्यमंत्री ने राजभवन से इस विस्तार के लिए तैयारी करने का अनुरोध किया है। यह संभव है कि मंत्रिमंडल में तीन विधायकों को शामिल किया जाए, और यह निर्धारित करने में काफी रुचि है कि ये व्यक्ति कौन होंगे। कई विधायक मंत्रिमंडल में स्थान पाने की होड़ में हैं, जिसमें एससी और रेड्डी समुदाय के नेता विशेष रूप से प्रतिनिधित्व के लिए जोर दे रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले चुनाव के दौरान आश्वासन दिया था कि वह मुदिराज समुदाय के लिए अवसर बनाएंगे।

इसी तरह, अल्पसंख्यकों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। परिणामस्वरूप, ऐसा प्रतीत होता है कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के विधायकों को शामिल किए जाने का अवसर हो सकता है।

## नशे में धुत एक व्यक्ति ने पड़ोसी को अपनी पत्नी समझकर किया हमला, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली में नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस में रहने वाली एक महिला को अपनी पत्नी समझ लिया और उस पर घातक हथियारों से हमला कर दिया, जिससे पीड़िता को जानलेवा चोटें आईं। पुलिस के अनुसार, दिहाड़ी मजदूर सलीम अपनी पत्नी नूरजहां के साथ मैलारदेवपल्ली के उद्दामगड्डा में रहता था। यह जोड़ा महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले का रहने वाला है।

सलीम के कमरे के बगल में आबिदा नाम की एक महिला अपने परिवार के साथ रहती थी। कुछ सप्ताह से सलीम और उसकी पत्नी के बीच कुछ विवाद चल रहा था, जिसके कारण वह काफी गुस्से में था।

मैयरदेवपल्ली इंस्पेक्टर पी नरेंद्र ने बताया कि शुक्रवार की रात सलीम ने शराब पी और नशे की हालत में घर आया। अपने कमरे में जाने के बजाय सलीम पड़ोसी के कमरे में चला गया, जहां आबिदा सो रही थी। उसने महिला को अपनी पत्नी समझकर उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले की चपेट में आई महिला ने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। पड़ोसियों ने सलीम को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जबकि आबिदा को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

## एमएलसी कविता ने सरकार से कर्मचारियों से किए गए वादे पूरे करने की मांग की

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने आज अपना गुस्सा जाहिर किया कि कांग्रेस सरकार ने उन कर्मचारियों का अपमान किया है, जिन्होंने तेलंगाना राज्य की उपलब्धि के लिए कई बलिदान दिए हैं। तेलंगाना कैबिनेट के हालिया फैसलों पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कविता ने चिंता जताई कि आज सरकारी कर्मचारी संकट में हैं और याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों के कल्याण के बारे में कई बातें कही थीं। कांग्रेस पार्टी, जिसने चुनाव से पहले सरकारी कर्मचारियों से कई वादे किए थे, सत्ता में आने के बाद उन्हें नजरअंदाज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे कर्मचारियों के लंबित डीए जारी करेंगे, लेकिन केवल एक डीए जारी किया गया। सभी कर्मचारी सरकार के रवैये से बेहद नाखुश हैं और पीड़ित हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों से किए गए सभी वादे तुरंत पूरे किए जाएं और सभी लंबित डीए जारी किए जाएं।

# सीएलसी ने सरकार से माओवादियों को अदालत में पेश करने की मांग की

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल लिबर्टीज कमेटी (सीएलसी), तेलंगाना राज्य के अध्यक्ष लक्ष्मण गद्दाम और फॉरॉक्स एसोसिएशन के राज्य सचिव ने आज मांग की कि बीजापुर पुलिस हिरासत में सभी माओवादियों को अदालत में पेश किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने विश्वसनीय रूप से बताया है कि छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के परशागढ़ गांव में 25 जून को सुबह 7 बजे पुलिस ने लगभग दस माओवादियों को हिरासत में लिया था और कहा कि उनमें माओवादी पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य मैलारा अडेलू उर्फ भास्कर, प्रकाश राष्ट्रीय उद्यान सचिव दिलीप, मध्य प्रदेश क्षेत्र सचिव सीटू रमन्ना, डीसी सदस्य मुन्ना सुनीता महेश और दस माओवादी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें जिंदा हिरासत में लिया था, लेकिन सुधाकर को उनकी गिरफ्तारी दिखाए बिना पांच दिन बाद मार दिया गया और कहा कि 6 जून को नामिलारापु अडेलू की गोली मारकर हत्या कर दी गई। "हालांकि नागरिक अधिकार संघ शुक्रवार से ही प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया में कह रहा है कि बाकी माओवादियों को भी जिंदा कोर्ट में लाया जाना चाहिए, लेकिन इस पर ध्यान दिए बिना मैं टीवी पर देख सकता हूं कि 7 जून की सुबह मुठभेड़ के नाम पर दोनों को एक साथ मार दिया गया। पिछले 18 महीनों से ऑपरेशन चल रहा है, लेकिन पुलिस मुठभेड़ में सैकड़ों आदिवासी और कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं। यहां तक कि जिंदा पकड़े गए लोगों को भी कोर्ट में नहीं लाया जा रहा है और मुठभेड़ के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और गोली मारी जा रही है। मुठभेड़ के नाम पर उन्हें फिर से गोली मारने की प्रथा चरम स्तर पर जारी है। परसागर गांव में सरकार एक-एक करके गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को प्रताड़ित कर रही है और गोली मार रही है और इसे मुठभेड़ घोषित कर रही है। नागरिक अधिकार संघ इसका कड़ा विरोध करता है और हिरासत में लिए गए सभी लोगों को कोर्ट में लाया जाना चाहिए और सरकार को उनके जीवन के अधिकार के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और लोगों को इस तरह की मुठभेड़ हत्याओं के खिलाफ बोलना चाहिए और ऑपरेशन को रोका जाना चाहिए," उन्होंने शहर स्थित एनएसएस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक अधिकार संघ चाहता है कि पीड़ितों को सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा न्याय मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें कानून और लोकतंत्र का सम्मान करने के स्तर से आगे निकल गई हैं। कोई कानून, कोई राज्य, कोई लोकतंत्र उनकी हत्याओं को नहीं रोक सकता।

# नागार्जुन के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने शादी रचाई

## लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जैनब संग लिए सात फेरे

## राम चरण, राजामौली सहित कई सेलेब्स पहुंचे

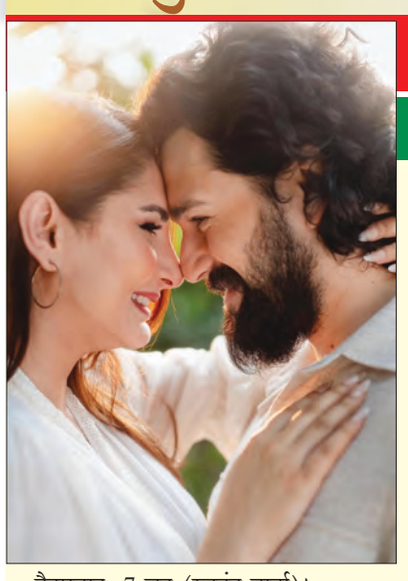

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)।

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन के दूसरे बेटे और टॉलीवुड एक्टर अखिल अक्किनेनी शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जैनब रावजी के साथ ट्रेडिशनल तेलुगु स्टाइल में सात फेरे लिए हैं। दोनों की शादी नागार्जुन के हैदराबाद स्थित घर जुबली हिल्स में सीक्रेट तरीके से हुई। इस दौरान सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त मौजूद थे। भाई नागा चैतन्य और भाभी शोभिता धुलिपाला भी फंक्शन का हिस्सा बने।

शादी के लिए अखिल और जैनब ने ट्रेडिशनल तेलुगु वेडिंग आउटफिट पहना था। जैनब पेस्टल आइवरी सिल्क साड़ी और गोल्डन ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने इसके साथ ट्रेडिशनल गोल्ड जूलरी पहनी थी। वहीं, अखिल ने सिंपल आइवरी कुर्ता और धोती में नजर आए।

अखिल-जैनब की शादी में एक्टर चिरंजीवी, राम चरण, डायरेक्टर एसएस राजामौली जैसे दिग्गज शामिल हुए। इंटीमेट वेडिंग के बाद अक्किनेनी फैमिली 8 जून को ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होस्ट करने वाली है। ये पार्टी अन्नपूर्णा स्टूडियो में रखी जाएगी, जिसमें फिल्म और पॉलिटिक्स के बड़े नाम नजर आ सकते हैं। नागार्जुन ने पिछले हफ्ते ही आंध्र प्रदेश और तेलगाना के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर उन्हें शादी के लिए इनवाइट किया था।

अखिल के बारात का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में नागार्जुन अपने दोनों बेटे नागा चैतन्य और अखिल के साथ अमिताभ बच्चन के गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वहीं, नागार्जुन और उनकी वाइफ अमला की भी एक फोटो सामने आई हैं, जिसमें वो अखिल के साथ शादी की रस्म निभाते नजर आ रहे हैं।

### बिजनेसमैन की बेटी हैं जैनब

अखिल और जैनब पिछले तीन साल से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे। जैनब पेशे से आर्टिस्ट और आर्ट एग्जीबिटर हैं। वो परफ्यूम का बिजनेस भी करती हैं। जैनब के पिता जुल्फी रावजी कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। वहीं उनके भाई जैन रावजी जेडआर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं।

बता दें कि इससे पहले अखिल ने साल 2016 में बिजनेस टायकून जीवी कृष्णा रेड्डी को पोती श्रिया भूपाल से सगाई की थी। साल 2017 में दोनों की शादी होने वाली थी लेकिन वो रिश्ता टूट गया। रिश्ता टूटने की कोई वजह नहीं बताई गई थी।

## केटीआर ने बीमार विधायक गोपीनाथ से की मुलाकात

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शनिवार को गाचीबोवली के एआईजी अस्पताल में जुबली हिल्स के विधायक मगंती गोपीनाथ से मुलाकात की, जहां विधायक का इलाज चल रहा है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने गोपीनाथ के परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने डॉक्टरों से उनके इलाज के बारे में भी जानकारी ली और विधायक के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.